THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 139 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.7 2083 बुधवार, 19 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

ऋतब्रत बनर्जी ही रहेंगे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

कोलकाता, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने मंगलवार को निर्देश दिया कि बागी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक ऋतब्रत बनर्जी फिलहाल पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर बने रहेंगे। यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी, जब तक हाईकोर्ट की एकल पीठ उनकी नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला नहीं कर देती। डिवीजन बेंच में न्यायमूर्ति शंपा सरकार और अजय कुमार गुप्ता शामिल थे। पीठ ने मामले में अंतरिम आदेश जारी किया।

पुलिस ज्यादती की जांच करेगी उच्च स्तरीय समिति

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस की ज्यादती के आरोपों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाएगा। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि दिल्ली में 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान बनाए गए वीडियो फुटेज को उच्च स्तरीय समिति को सौंपने का निर्देश दिया जाएगा। यह समिति इन वीडियो की जांच करेगी। सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, यह उच्च स्तरीय समिति 20 जुलाई के प्रदर्शन के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाए जाने के आरोपों की भी जांच करेगी।

चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की पीठ बुधवार को आदेश जारी करेगी। इससे पहले पीठ मामले में शामिल किए जाने वाले सदस्यों के नाम को लेकर सभी पक्षों का सुझाव लेगी। पीठ ने यह भी कहा कि वह अधिकारियों को दिल्ली में 20 जुलाई को हुए संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के वीडियो फुटेज और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग समिति को सौंपने का निर्देश देगी। समिति इन रिकॉर्डिंग की जांच करेगी।

छात्रों के प्रदर्शन के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुलिस की ज्यादती के आरोपों की जांच करने वाली समिति में पूर्व जज, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के पूर्व निदेशक और किसी राज्य के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शामिल होंगे। सुनवाई के दौरान पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज उन एफआईआर की जानकारी देने को कहा, जिन्हें रद्द किया जा सकता है। इससे संकेत मिलता है कि कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल कर सकती है। छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामले रद्द करने का विरोध कर रहे एक वकील से पीठ ने कहा, यह छात्रों का जीवन है, जो दांव पर लगा है। हमें इस पर विचार करना होगा। आगे उनका भविष्य है। उन्हें अनुच्छेद 19 के तहत विरोध करने का अधिकार है। दूसरी ओर पुलिस ने हलफनामा पेश करते हुए अपने को निर्दोष बताने की कोशिश की है।

पुलिस का हलफनामा, 6 पॉइंट

पुलिस-प्रदर्शनकारी के घायल होने पर- 20 जुलाई को जंतर-मंतर के आसपास 30 हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारी मौजूद थे। करीब 3 किलोमीटर के इलाके में फैली इस भीड़ को संभालने के लिए लगभग 5 हजार पुलिसकर्मी तैनात थे। झड़प में 240 से ज्यादा पुलिसकर्मी और करीब 200 प्रदर्शनकारी घायल हुए।

कील वाली लाठियों के आरोप पर- याचिकाओं में चुनिंदा फोटो, अधूरे वीडियो और अपुष्ट मीडिया रिपोर्ट्स का इस्तेमाल किया गया। इनमें पुलिस की कार्रवाई का पूरा संदर्भ नहीं दिखता। वीडियो में ऐसी लाठी की सिर्फ एक घटना दिखती है। वह लाठी एक प्रदर्शनकारी के हाथ में थी।

पुलिस पर प्रदर्शनकारियों के हमले पर- प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, पुलिसकर्मियों से मारपीट की और उनका सुरक्षा सामान खींचा। इसके बाद हिंसा रोकने के लिए कानूनी तरीके अपनाए गए। बल प्रयोग जरूरी हो गया था। भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठियां मान्य उपकरण हैं।

पुलिसवालों के सिविल ड्रेस में होने पर- स्पेशल ब्रांच, स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस के जवान सादे कपड़ों में भीड़ के बीच मौजूद थे।

यह सामान्य सुरक्षा रणनीति है।

जंतर-मंतर में हिस्ट्रीशीटर आने पर- प्रदर्शन में असामाजिक तत्व और आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोग भी शामिल थे। करीब 2,873 प्रदर्शनकारियों पर हत्या, हत्या की कोशिश, डकैती, रेप और पॉक्सो जैसे मामले दर्ज हैं। इन मामलों की जांच एसआईटी करेगी।

पेपर लीक के आरोपियों की संपत्ति जब्त करने की मांग

शीर्ष अदालत ने केंद्र-राज्यों से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। याचिका में पेपर लीक में शामिल आरोपियों और उनके परिवार के सदस्यों की चल-अचल संपत्ति की जांच कर उसे जब्त करने के निर्देश देने की मांग की गई है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने मंगलवार को अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की है।

याचिका में कहा गया है कि पेपर लीक करने वालों और इस तरह के अपराध में शामिल लोगों की पूरी संपत्ति का आकलन किया जाना चाहिए। इसमें उनके परिवार के सदस्यों की संपत्ति की भी जांच करने की मांग की गई है। यदि जांच में अवैध संपत्ति या अपराध से अर्जित धन का पता चलता है तो भ्रष्टाचार निवारण कानून, मनी लॉन्ड्रिंग कानून, बेनामी संपत्ति कानून और ब्लैक मनी कानून के तहत उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। याचिका में यह भी मांग की गई है कि पेपर लीक के अपराध में दोषी पाए जाने पर मिलने वाली सजाएं लगातार चलें, यानी एक के बाद एक लागू हों, न कि एक साथ। याचिकाकर्ता के मुताबिक इससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर रिजिजू बोले- गोली कहां चली

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि जेन-जी हमारे अपने बच्चे हैं और उनसे लगातार बातचीत जरूरी है। रिजिजू ने जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा- हजारों लोगों के प्रदर्शन के बावजूद एक भी गोली नहीं चली और किसी प्रदर्शनकारी को गंभीर चोट नहीं लगी। इसके लिए दिल्ली पुलिस की तारीफ होनी चाहिए। अगर ऐसा आंदोलन कांग्रेस के दौर में हुआ होता, तो हजारों लोगों की मौत हो सकती थी। रिजिजू ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) फाउंडर अभिजीत दीपके पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा- दीपके आप कार्यकर्ता हैं। छात्र नेता कैसे बन गए? केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी के पीएम पर तंज और संसद में कांग्रेस के हंगामे पर भी जवाब दिया।

आरोपियों की पहचान ऑनलाइन जाहिर करने पर रोक की मांग

केंद्र और सोशल मीडिया कंपनियों को नोटिस

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र, सभी राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा और एक्स को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस एक जनहित याचिका पर जारी किया गया है, जिसमें पुलिस को ऐसे कंटेंट पोस्ट करने से रोकने के निर्देश देने की मांग की गई है, जिनसे आरोपियों की पहचान जाहिर होती हो या उन्हें अपमानजनक तरीके से दिखाया जाता हो।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने पीआईएल दाखिल करने वाले याचिकाकर्ता हेमेंद्र पटेल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया और केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी किए। याचिका में राज्यों को निर्देश देने की मांग की गई कि वे अपने पुलिस सोशल मीडिया हैंडल से ऐसी पोस्ट तुरंत हटा दें, जिनमें आरोपियों के चेहरे या पहचान जाहिर होती हो या उन्हें अपमानजनक तरीके से दिखाया गया हो।

बिहार सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा- एके-47 से हुई थी फायरिंग

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने छात्र प्रदर्शन के दौरान एके-47 से फायरिंग की बात सुप्रीम कोर्ट में स्वीकार की है। लेकिन इसके साथ ही सरकार ने दावा किया है कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है। राज्य सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता के आरोपों वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में एक जवाबी हलफनामा दायर किया है। इसमें प्रदर्शनकारियों को नुकसान पहुंचाने के लिए जरूरत से ज्यादा बल के इस्तेमाल से साफ इनकार किया गया है।

बिहार सरकार ने अपने हलफनामे में बताया कि सिवान के जेपी चौक के पास एक पुलिसकर्मी भीड़ में फंस गया था। अपनी सुरक्षा के लिए उसने एके-47 से हवा में चार राउंड फायर किए। सरकार के मुताबिक, इस फायरिंग में कोई घायल नहीं हुआ। हालांकि, पुलिसकर्मी को कथित गलत व्यवहार के लिए निलंबित कर उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सरकार ने यह भी बताया कि हाथी चौक के पास भीड़ को हटाने के लिए एक एएसआई ने पिस्टल से दो गोलियां चलाईं। इससे तीन प्रदर्शनकारियों को हथियार से मामूली चोटें आईं। हलफनामे में साफ किया गया कि ये तीनों एके-47 की गोली से घायल नहीं हुए थे। एके-47 के इस्तेमाल को लेकर बैलिस्टिक जांच भी चल रही है।

बिहार सरकार ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान कई जगह हिंसा हुई और पुलिस तथा सरकारी कर्मचारियों पर हमले किए गए। छपरा में दो बीडीओ, तीन इंस्पेक्टर, दो सब-इंस्पेक्टर और 11 कांस्टेबल घायल हुए। एक बीडीओ की आंख चली गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ। राज्य के मुताबिक कुल 157 पुलिसकर्मी और सात सरकारी कर्मचारी घायल हुए। हलफनामे के अनुसार, 22 से 25 जुलाई के बीच बिहार में 69 एफआईआर दर्ज हुईं और करीब 500 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले 222 छात्र प्रदर्शनकारियों को जमानत पर छोड़ा गया। जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने 75 नाबालिगों को भी रिहा किया।

'पूरे देश में बदलेगा सिस्टम'

छात्रों की हड़ताल खत्म होने पर राहुल ने जताई खुशी

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के छात्रों और राज्य सरकार के बीच सोमवार रात सहमति बन गई। अब इस मामले पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि छात्रों ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है। यह खबर सुनकर अच्छा लगा।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा,'मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड सरकार ने बातचीत का रास्ता चुना और समाधान निकाला। छात्रों ने संयम बरता और अपनी बात रखी। यही सही तरीका है, जब छात्र सवाल उठाएं, तो उन्हें जवाब मिलना चाहिए। हम देश के हर छात्र के साथ खड़े हैं। हम इस रिकवरी सिस्टम को पूरी तरह बदल देंगे। ताकि हर छात्र को अपनी मेहनत का पूरा फल मिले और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अधिकार मिले। यह सिस्टम पूरे देश में बदलेगा। अब एक ऐसा ढांचा तैयार किया जाएगा जो छात्रों को आगे बढ़ाए। न कि उन्हें पीछे रोके।

इसके साथ ही कांग्रेस ने मंगलवार को मोदी सरकार पर जाति जनगणना को बाधित करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही पूछा कि 2027 की जनगणना में जाति चयन के लिए ड्रॉप-डाउन मेनू क्यों शामिल नहीं किया गया है। वहीं, केंद्र ने सितंबर 2021 में सर्वोच्च न्यायालय में अपने हलफनामे में इसकी सिफारिश की थी।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बताया कि बिहार और तेलंगाना में जाति सर्वेक्षण किए जाने से पहले ही इस तरह का मेनू तैयार किया गया था। रमेश ने बताया कि यह सुझाव कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से 5 मई, 2025 को प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में भी शामिल था। मोदी सरकार जाति जनगणना को नाकाम करना चाहती है। प्रधानमंत्री ने 30 अप्रैल, 2025 को पूरी तरह से यू-टर्न लेते हुए घोषणा की कि जाति जनगणना होगी, जिसे उन्होंने पहले शहरी नक्सलवादी विचार कहकर आलोचना की थी।

रात का सफर होगा और आसान

वंदे भारत स्लीपर की 50 नई ट्रेनें आएंगी

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे लंबी दूरी के यात्रियों के लिए वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की तैयारी में है। इसके लिए चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में 50 नए ट्रेन सेट तैयार किए जाएंगे । हर ट्रेन सेट में 24 कोच होंगे। अभी वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन मुख्य रूप से दिन के सफर वाले रूटों पर चेयर कार के तौर पर होता है। लंबी दूरी के रात के सफर के लिए यात्रियों को स्लीपर ट्रेन की जरूरत होती है। इसे देखते हुए रेलवे अब स्लीपर वर्जन पर ज्यादा जोर दे रहा है। रेलवे का कहना, यह कदम रेलवे की लंबी दूरी की यात्रा को बेहतर बनाने की योजना का हिस्सा है। रेलवे रात में सफर करने वाले यात्रियों को तेज, आरामदायक और आधुनिक ट्रेन की सुविधा देना चाहता है। नए ट्रेन सेट आने के बाद प्रीमियम रेल यात्रा में वंदे भारत स्लीपर की भूमिका बढ़ने की उम्मीद है।

चढ़ावा चोरी रिपोर्ट में चंपत-मिश्रा के नाम नहीं

बाकी 8 आरोपी पहले ही जेल में; एसआईटी ने फाइनल जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपी

अयोध्या, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच के लिए यूपी सरकार की बनाई एसआईटी ने सोमवार रात फाइनल रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिशा का नाम नहीं है। बाकी 8 आरोपी पहले ही जेल में हैं।

यूपी के गृह विभाग ने रिपोर्ट राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास को सौंपी है। इसे राम मंदिर ट्रस्ट की 2 सितंबर को होने वाली बैठक में रखा जाएगा। ट्रस्ट ने ही उत्तर प्रदेश सरकार से चढ़ावा चोरी की एसआईटी जांच का अनुरोध किया था।

यूपी सरकार ने 13 जून को लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में 3 सदस्यों की एसआईटी बनाई थी। आईजी रेंज किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन कुमार इसके सदस्य थे। एसआईटी ने 23 जून को प्राइमरी रिपोर्ट सौंपी थी।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी जांच की कमान आईपीएस को सौंपने और फाइनेंस एक्सपर्ट को शामिल करने के निर्देश दिए थे। 20 जुलाई को नई एसआईटी बनी, जिसमें लखनऊ रेंज के आईजी किरण एस, डीआईजी अयोध्या सोमेन वर्मा और अयोध्या एसएसपी गौरव ग्रोवर को शामिल किया गया। यह एसआईटी अब भी चढ़ावा चोरी की जांच कर रही है।

तीन गुना रिटर्न के धोखे से जुटाए 10 हजार करोड़

छापे में सोने के गहने-चांदी की सिल्लियां जब्त

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हेडक्वार्टर यूनिट, नई दिल्ली ने 'मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002' के तहत 13 अगस्त से 16 अगस्त तक मुंबई और भोपाल में छापेमारी की है। जांच एजेंसी ने ये छापे समीर अग्रवाल और उनके सहयोगियों से जुड़े कई रिहायशी और व्यावसायिक जगहों पर मारे हैं। यह कार्रवाई 'सागा ग्रुप पोंजी स्कैम' के सिलसिले में की गई।

इसमें 'लोनी अर्बन मल्टी-स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी और उससे जुड़ी अन्य कोऑपरेटिव सोसायटियां शामिल थीं। आरोपियों ने 3-5 साल में लोगों को तीन गुना रिटर्न और तोहफे में कार देने का वादा किया था। इसी चक्कर में उन्होंने धोखे से 10हजार करोड़ रुपये एकत्रित कर लिए। ईडी के छापे में सोने के गहने/चांदी की सिल्लियां जब्त हुई हैं। तलाशी अभियान के दौरान, ईडी ने बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए हैं। 'अपराध से हुई कमाई' को भी फ्रीज किया गया है। इसमें 30 करोड़ रुपये से ज़्यादा मूल्य के लिस्टेड शेयर और सिक्योरिटीज, म्यूचुअल फंड, एलआईसी पॉलिसी, बैंक बैलेंस आदि और 9 महंगी गाड़ियां शामिल हैं। इसके अलावा, तलाशी की कार्रवाई के दौरान ईडी ने 1.53 करोड़ रुपये नकद, लगभग 35 लाख रुपये की विदेशी मुद्रा और 5.25 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के गहने और चांदी की सिल्लियां भी जब्त की हैं।

ईडी ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों की पुलिस द्वारा एलयूसीसी और उससे जुड़ी कोऑपरेटिव सोसायटियों के ग्रुप के खिलाफ दर्ज कई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। इनमें आरोप लगाया गया था कि 2009 से, समीर अग्रवाल (सागा) ग्रुप द्वारा प्रमोट की जाने वाली रिकरिंग डिपॉजिट, फिक्स्ड डिपॉजिट और मंथली इनकम स्कीम में निवेश करने के लिए लोगों को धोखे से उकसाया गया। लोगों से वादा किया गया था कि उन्हें तीन से पांच साल के भीतर दोगुना या तिगुना पक्का रिटर्न मिलेगा और साथ ही कार जैसे तोहफे भी दिए जाएंगे। दूसरी ओर ऐसे रिटर्न देने के लिए कोई वास्तविक बिजनेस गतिविधि नहीं हो रही थी। नकली बैंकिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और अवास्तविक रिटर्न के वादों का इस्तेमाल करके, सागा ग्रुप ने लोगों से धोखे से 10,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की रकम जमा की।

शुरुआत में निवेशकों को कुछ भुगतान किए गए, लेकिन ज़्यादातर निवेश, समीर अग्रवाल और उनके सहयोगियों द्वारा निजी फायदे के लिए किए गए थे। एजेंटों, सहयोगियों और मार्केट कमीशन के तौर पर पैसा हड़प लिया गया।

पाक सुप्रीम कोर्ट बोला-इमरान को 2 दिन में अस्पताल भेजें

कहा- बहनों से मिलना उनका अधिकार; 2023 से जेल में हैं पूर्व पीएम

इस्लामाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अस्पताल भेजने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि इमरान को 48 घंटे में शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ट्रांसफर किया जाए। उनकी सेहत की जांच और इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड भी बनाया जाएगा।

कोर्ट ने इमरान की बहनों से मुलाकात को लेकर भी सवाल उठाया। जस्टिस शाहिद वहीद ने कहा कि बहनों से मुलाकात कराना कोई एहसान नहीं, बल्कि उनका मौलिक अधिकार है।

अदालत ने पिछले तीन साल में इमरान और उनकी बहनों के बीच हुई सभी मुलाकातों की जानकारी मांगी। इमरान के बेटों से उनकी बातचीत और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जानकारी भी देने को कहा गया है। इमरान खान 3 साल से जेल में हैं। उन्हें अगस्त 2023 में भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया गया था।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अडियाला जेल प्रशासन से इमरान की पूरी मेडिकल रिपोर्ट मांगी। जस्टिस शाहिद वहीद ने इस पर नाराजगी जताई कि कोर्ट के सामने पूरी रिपोर्ट पेश करने के बजाय सिर्फ समरी दी गई है। तीन जजों की बेंच इमरान के इलाज और परिवार से मुलाकात से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। बेंच की अध्यक्षता जस्टिस शाहिद वहीद ने की। इसमें जस्टिस नईम अख्तर अफगान और जस्टिस इश्तियाक इब्राहिम शामिल थे।

'प्लीज ज्ञानेश कुमार गुप्ता को अमेरिका ले जाइए'

ट्रंप ने भारतीय चुनाव प्रणाली की तारीफ की तो पवन खेड़ा ने कसा तंज

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का हवाला देते हुए अमेरिका में हर वोटर के लिए फोटो पहचान पत्र अनिवार्य करने की मांग की है। इसको लेकर अब कांग्रेस के राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने ज्ञानेश कुमार पर तंज कसा है।

राज्यसभा सांसद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, कृपया ज्ञानेश कुमार गुप्ता को अमेरिका ले जाएं और उन्हें वहीं रखें। हम अपनी ईवीएम भी अगली उपलब्ध फ्लाइट से भेज देंगे। उन्होंने आगे कहा, आपने हमें जो भी अपमान और धमकियां दी हैं, उसके बदले में हम इतना तो कर ही सकते हैं। प्यार के साथ, भारत की ओर से।

ट्रंप ने भारतीय चुनाव प्रणाली का किया जिक्र

बता दें कि ट्रंप ने 'सेव अमेरिका एक्ट' के लिए अपनी मुहिम को आगे बढ़ाते हुए भारत की चुनाव प्रणाली का जिक्र किया था। यह अमेरिका का एक प्रस्तावित कानून है जिसके तहत वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए नागरिकता का सबूत देना होगा और वोटर की पहचान से जुड़ी जरूरतें लागू होंगी।

ट्रंप ने कहा कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ने सवाल उठाया था कि बिना वैध फोटो पहचान-पत्र के अमेरिका में चुनाव कैसे हो सकते हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, इस महीने की शुरुआत में, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा, आप बिना वैध फोटो आईडी के अमेरिका में चुनाव कैसे करा सकते हैं।

ट्रंप ने भारत के 2024 के लोकसभा चुनाव का भी जिक्र किया और कहा कि 646 मिलियन से ज्यादा लोगों ने वोट दिया, जबकि 1% से भी कम लोगों ने पोस्टल बैलेट के जरिये वोट डाला। उन्होंने कहा कि हर वोटर के पास पहचान का एक वैध फोटो डॉक्यूमेंट था।

ट्रंप ने इस पोस्ट में जोर देकर कहा कि अब सेव अमेरिका एक्ट को पास कराना जरूरी हो गया है। यह कानून अमेरिकी नागरिकों के लिए वोटर रजिस्ट्रेशन के समय नागरिकता का सबूत दिखाना अनिवार्य करेगा।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर हादसा

काजीगुंड में ट्रक ने सीआरपीएफ वाहन को मारी टक्कर, 5 जवान घायल; पुलिस जांच में जुटी

जम्मू, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर काजीगुंड के लेवदोरा इलाके में एक ट्रक की सीआरपीएफ की बंकर गाड़ी से टक्कर हो गई, जिसमें सीआरपीएफ के पांच जवान घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, यह घटना मंगलवार को हुई, जब एक ट्रक ने सीआरपीएफ बंकर वाहन को लेवदोरा के पास टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बंकर वाहन पलट गया। इस हादसे में सीआरपीएफ के पांच जवान घायल हो गए।

घायल जवानों को तत्काल काजीगुंड स्थित 163 बटालियन सीआरपीएफ के एमआई रूम में चिकित्सा उपचार के लिए ले जाया गया। उनकी चोटें मामूली बताई जा रही हैं। पुलिस मौके पर पहुंची और टक्कर की वजहों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

मौत की सजा का नहीं बदलेगा तरीका

फांसी की जगह दूसरे चार तरीकों पर विचार की बात

सुप्रीम कोर्ट में याचिका खारिज

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सजा पाए दोषियों को फांसी देने की मौजूदा व्यवस्था को खत्म करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि वर्तमान समय में मौत की सजा देने के लिए फांसी के तरीके को असंवैधानिक नहीं माना जा सकता। हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार चाहे तो मौत की सजा लागू करने के लिए फांसी के अलावा दूसरे तरीकों पर विचार कर सकती है। जानकारी के अनुसार यह मामला अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा की ओर से दाखिल जनहित याचिका से जुड़ा था।

याचिका में मौत की सजा लागू करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा गया था कि किसी व्यक्ति को फांसी पर लटकाकर उसकी मृत्यु तक इंतजार करना क्या मानवीय और गरिमापूर्ण तरीका है। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि मौत की सजा लागू करने के लिए ऐसा

तरीका अपनाया जाए, जिसमें दोषी को कम से कम दर्द और शारीरिक तकलीफ हो तथा उसकी गरिमा भी बनी रहे। मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने की। याचिका में मौत की सजा लागू करने से संबंधित कानूनी प्रावधान को भी चुनौती दी गई थी। इसमें विशेष रूप से उस व्यवस्था पर सवाल उठाया गया था, जिसके तहत मौत की सजा पाए दोषी को फांसी पर लटकाकर उसकी मृत्यु होने तक रखा जाता है। याचिकाकर्ता की ओर से फांसी के विकल्प के तौर पर अन्य तरीकों पर विचार करने की दलील दी गई।

इनमें लेथल इंजेक्शन सहित कुछ वैकल्पिक तरीकों का उल्लेख किया गया। दलील थी कि यदि कानून किसी व्यक्ति को मृत्युदंड देता है तो उसे लागू करने का तरीका अनावश्यक पीड़ा पैदा करने वाला नहीं होना चाहिए। सुनवाई के दौरान प्रोजेक्ट 39ए की ओर से भी वैकल्पिक तरीकों से जुड़े पहलुओं पर अदालत के सामने दलीलें रखी गईं। दूसरे देशों में मृत्युदंड लागू करने के लिए अपनाए जाने वाले तरीकों और उनके अनुभवों का भी उल्लेख किया गया। हालांकि, अदालत के सामने यह बात भी रखी गई कि फांसी के विकल्प के रूप में प्रस्तावित तरीकों में भी कुछ व्यावहारिक, चिकित्सकीय और मानवीय चुनौतियां मौजूद हैं। केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर। वेंकटरमण पेश हुए।

सरकार ने अदालत को बताया कि मौत की सजा लागू करने के वैकल्पिक तरीकों को लेकर विशेषज्ञ स्तर पर विचार किया जा सकता है। इसका मतलब है कि भविष्य में सरकार वैज्ञानिक और चिकित्सकीय आधार पर फांसी के विकल्प तलाश सकती है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने फांसी देने वाले जल्लाद पर पड़ने वाले मानसिक प्रभाव के पहलू पर भी ध्यान दिया। अदालत ने इस प्रक्रिया से जुड़े अन्य मानवीय पहलुओं पर भी विचार किया।

गर्लफ्रेंड ने लिव-इन पार्टनर का गला रेता

नासिक, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नासिक में एक महिला ने अपने लिव-इन पार्टनर प्रेमी की गला रेतकर की हत्या कर दी और शव को कसारा घाट में फेंका। पुलिस ने हत्या के आरोप में महिला और उसके दो दोस्तों को गिरफ्तार किया है। नासिक क्राइम ब्रांच मामले की आगे की जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, एक महिला ने अपने दोस्त की मदद से अपने लिव-इन पार्टनर की गला रेतकर हत्या कर दी। आरोप है कि सबूत मिटाने के लिए महिला ने करीब 18 घंटे तक शव को घर में ही रखा। इसके बाद आधी रात को कार में शव को ले जाकर कसारा घाट में फेंक दिया गया। क्राइम ब्रांच यूनिट-1 की टीम ने कसारा घाट से शव बरामद कर लिया है। मृतक की पहचान वसंत गोरखनाथ सतपुते (40 वर्ष), निवासी स्वराजनगर, पाथर्डी फाटा के रूप में हुई है। पुलिस को संदेह है कि हत्या की वजह मृतक की शराब और जुए की लत हो सकती है। जांच में सामने आया है कि महिला ने अपने दोस्त के साथ मिलकर वसंत को मारने की साजिश रची थी।

सीएमआरएल केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई

कोझिकोड में 8 ठिकानों पर छापेमारी

तिरुवनंतपुरम, 18 अगस्त (एजेंसियां)। केरल में सीएमआरएल केस को लेकर ईडी ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की कोच्चि जोन की टीम ने कोझिकोड में करीब 8 ठिकानों पर छापेमारी की है। ये कार्रवाई 27 मई 2026 को सीएमआरएल ग्रुप के खिलाफ हुई छापेमारी के बाद सामने आए नए सबूतों के आधार पर की जा रही है। इस कार्रवाई के दौरान सीएमआरएल से जुड़े पैसों के लेन-देन और मनी ट्रेल से जुड़े कुछ नए सबूत मिले थे। ईडी के मुताबिक, इन पैसों का एक हिस्सा पूर्व मुख्यमंत्री पी। विजयन की बेटी वीणा से जुड़ी कंपनी तक पहुंचने का आरोप है।

अब इस मनी ट्रेल में शामिल दूसरे लोगों के ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा रही है। ईडी के मुताबिक सीएमआरएल ने वीणा की कंपनी एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस को आईटी कंसल्टेंसी के नाम पर करीब 2.78 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। जांच में इन भुगतानों को लेकर सवाल उठाए गए है। ईडी का दावा है कि जांच के दौरान करीब 242 बैंक खातों में 18.36 करोड़ रुपये की रकम फ्रीज की गई है। तलाशी में दस्तावेज, बैंक खातों, निवेश और डिजिटल सबूत भी मिले है जिनकी जांच जारी है। इससे पहले 26 मई 2026 को केरल हाईकोर्ट ने सीएमआरएल की याचिका खारिज करते हुए ईडी की पीएमएलए जांच को वैध माना था। मई में तिरुवनंतपुरम में तलाशी के बाद ईडी की टीम पर हमला भी हुआ था। ईडी के मुताबिक, भीड़ ने टीम की तीन गाड़ियों पर ईंट और लोहे की रॉड से हमला किया।

जिसमें एक ड्राइवर की आंख में चोट लगी। इस मामले में पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है। ईडी अब सीएमआरएल से कथित तौर पर पैसे पाने वाले दूसरे लोगों की भी जांच कर रही है और मनी ट्रेल के जरिए पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। आपको बता दे कि सीएमआरएल केरल की एक मिनरल और केमिकल कंपनी है, जो सिंथेटिक रूटाइल बनाती है। फिलहाल ये कंपनी कथित फर्जी खर्चों, पैसों के लेन-देन और एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस को किए गए भुगतान की वजह से मनी लॉन्ड्रिंग जांच के केंद्र में है।

देह व्यापार में 3 युवतियां और युवक गिरफ्तार

मुरैना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नेशनल हाईवे-44 स्थित कान्हा पैलेस में देह व्यापार के कारोबार पर नगर पुलिस अधीक्षक दीपाली चंदौरिया ने सोमवार को छापा मारा। पुलिस कार्रवाई के दौरान जिस्मफरोशी के लिए मौजूद तीन युवतियों समेत एक युवक को तीन थानों की पुलिस वहां से पकड़कर महिला थाने ले आई। सीएसपी ने इस मामले में सात लोगों के खिलाफ देह व्यापार का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा को सूचना मिली कि सैयद नहर के पास संचालित कान्हा पैलेस में देह व्यापार का कारोबार चल रहा है। वहां पैलेस प्रबंधन की सहमति से कुछ लोग युवतियों को कान्हा पैलेस में बुलाते हैं और ग्राहकों की डिमांड पर उनको पेश करते हैं। इसके एवज में अच्छा खासा पैसा वसूल किया जाता है। एसपी ने कार्रवाई के लिए नगर पुलिस अधीक्षक दीपाली चंदौरिया को निर्देश दिए और उनके साथ कोतवाली, स्टेशन रोड थाना समेत सिविल लाइन थाना का बल दोपहर 3.30 बजे कान्हा पैलेस पर रवाना किया गया।

पुलिस पार्टी ने कान्हा पैलेस में दबिश देकर तीन युवतियों समेत देह व्यापार के एजेंट सोनू राठौर निवासी इस्लामपुरा को दबोच लिया। कार्रवाई के दौरान तीन से चार लोग मौके से भाग गए। पुलिस ने उनके नाम व पते मालूम कर लिए और उनको महिला थाने में पंजीबद्ध कराए अपराध में आरोपी बनाया है।

गोवा कांग्रेस की मीटिंग में गाया अधूरा वंदे मातरम, खरगे भी थे मौजूद

गोवा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस स्वतंत्रता दिवस के मौके पर वंदे मातरम को लेकर विवाद में घिर गई थी। अब पार्टी एक बार फिर राष्ट्रगीत को लेकर चर्चा में है। दावा किया जा रहा है कि कांग्रेस की गोवा मीटिंग में अधूरा वंदे मातरम गाया गया। पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शुरुआती दो छंद ही गाए।

अहम बात यह है कि इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद थे। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने वंदे मातरम के दौरान कुछ इशारा किया था। दावा किया गया था कि उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर ऐतराज जताया था। अब गोवा में आयोजित हुई मीटिंग में वंदे मातरम के शुरुआती दो छंद ही गाए गए। कांग्रेस इसकी वजह से फिर से विवादों में फंसती नजर आ रही है।

खरगे की मौजूदगी में गाए गए अधूरे वंदे मातरम को लेकर अभी कांग्रेस की तरफ से प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। भाजपा ने कांग्रेस को लेकर मंगलवार (18 अगस्त) को एक पोस्ट शेयर की। उसने लिखा, 'गलती नहीं, ये सोच है! 'वंदे मातरम' पर कांग्रेस का

शर्मनाक रूप! 'मैं तो कहीं तक भी नहीं गाता था और ना गाऊंगा।' जब कांग्रेस नेताओं के मुंह से राष्ट्रगीत के खिलाफ ऐसा जहर निकले, तो समझिए नफरत कितनी गहरी है।

सोनिया-राहुल की इस मानसिकता को पूरा देश देख रहा है! राष्ट्रगीत का अपमान देश कभी माफ नहीं करेगा!' गोवा कांग्रेस के एमएलए एल्टन डीकोस्टा ने अधूरे वंदे मातरम के मामले पर कहा, 'मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता हूं। हमारे अध्यक्ष पहले ही जवाब चुके हैं, हमें किसी के सामने अपनी देशभक्ति साबित करने की जरूरत नहीं है। हमें यह बताने की जरूरत नहीं है कि हमारी पार्टी के नेता कितना इस देश से प्यार करते हैं।'कांग्रेस के वंदे मातरम मामले को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पार्टी पर तंज कसा था।

उन्होंने सोनिया गांधी पर वंदे मातरम का अपमान करने का आरोप लगाया था। अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में कहा था कि कांग्रेस को इसके लिए बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की अमर आत्मा से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी ने वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुला दिया था। दरअसल 15 अगस्त के दिन कांग्रेस मुख्यालय में ध्वजारोहण किया गया। इसके बाद वंदे मातरम गाया गया। इसी दौरान सोनिया गांधी ने खरगे की ओर कुछ इशारा किया। वे थोड़ा नाराज नजर आईं। दावा किया गया कि उन्होंने पूरे वंदे मातरम को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। इस कांग्रेस ने सफाई देते हुए कहा था कि मुख्यालय में पूरा राष्ट्रगीत गाया गया।

ईडी के सामने पेश हुईं आईएएस कंवलप्रीत बराड़

मोहाली प्रोजेक्ट की कथित अनियमितताओं पर पूछताछ

जालंधर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब कैडर की आईएएस अधिकारी कंवलप्रीत बराड़ मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुईं। ईडी ने उन्हें मोहाली स्थित एक प्रोजेक्ट से जुड़ी कथित अनियमितताओं के मामले में पूछताछ के लिए समन जारी किया था। जांच का मुख्य फोकस प्रोजेक्ट के लिए जमीन के लैंड यूज बदलने (सीएलयू) की मंजूरी में कथित अनियमितताओं पर है। मामले की शुरुआत वर्ष 2020 में पल्हेरी गांव के जमीन मालिक करमजीत सिंह की शिकायत से हुई थी। आरोप लगाया गया था कि सनटेक सिटी के प्रमोटरों ने 53 कनाल जमीन समेत 14 किसानों की करीब 30.5 एकड़ जमीन से जुड़े कथित फर्जी सहमति पत्र तैयार किए।

इन दस्तावेजों पर किसानों के जाली हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान लगाए जाने के आरोप लगे थे। जांच के बाद नवंबर 2022 में मुल्लांपुर थाने में एफआईआर दर्ज हुई। इसी एफआईआर के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। जांच के दौरान मोहाली और चंडीगढ़ में कई ठिकानों पर छापेमारी की गई

और सनटेक सिटी के प्रमोटर अजय सहगल समेत संबंधित कंपनियों के अधिकारियों व निदेशकों से पूछताछ की गई। डी की कार्रवाई के दौरान कारोबारी नितिन गोहल के आवास पर भी छापेमारी हुई थी।

रिपोर्टों के अनुसार, इसी दौरान कथित तौर पर नौवीं मंजिल से 21 लाख रुपये नकद नीचे फेंके गए। मामले में अजय सहगल को गिरफ्तार कर विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया था। अब आईएएस अधिकारी कंवलप्रीत बराड़ से पूछताछ के जरिए ईडी यह पता लगाने में जुटी है कि सीएलयू मंजूरी प्रक्रिया में क्या भूमिका रही और कथित अनियमितताओं से जुड़े अन्य पहलू क्या हैं।

देह व्यापार के विरोध में उठी आवाज, मारपीट के बाद थाना पहुंचा मामला

हुगली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। हुगली इलाके में देह व्यापार बड़े पैमाने पर हो रहा है। अब इसके खिलाफ आवाज उठने लगी है। तारकेश्वर जिले के चापाडांगा इलाके में इसके खिलाफ प्रदर्शनकार हुआ। इस धंधे से जुड़े लोगों ने प्रदर्शनकारियों की बुरी तरह पिटाई कर दी। पीड़ितों ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार तृणमूल शासन के दौरान, चपाडांगा के इस इलाके में देह व्यापार का धंधा बड़े पैमाने पर होने लगा। तृणमूल नेताओं के समर्थन से वेश्यावृत्ति बेरोकटोक चल रही थी। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद वेश्यावृत्ति बंद हो गई।

आरोप है कि अब उस इलाके में फिर से वेश्यावृत्ति शुरू करने की कोशिश हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तृणमूल शासन के दौरान, मोहल्ले के लोग विरोध नहीं कर सके। लोगों का कहना है कि मोहल्ले में यह धंधा नहीं चलने दिया जा सकता है। इलाके की एक नाबालिग लड़की ने बीडीओ समेत कई सरकारी दफ्तरों में शिकायत दर्ज कराई है।

यूपी के लखीमपुर लौटते वक्त पिकअप डंपर से टकराई, 8 मजदूरों की मौत

ग्वालियर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। छिमका गांव के पास मजदूरों से भरे एक लोडिंग वाहन की सामने से आ रहे डंपर से जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, हादसा ग्वालियर-भिंड मार्ग पर गोहद चौराहे के पास छिमका गांव के पास हुआ। पिकअप गाड़ी में सवार सभी मजदूर ग्वालियर से काम करके अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने सामने से पिकअप को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एक घायल मजदूर ने बताया, हम मध्य प्रदेश के ग्वालियर से आ रहे थे और अपने घर जा रहे थे। एक ट्रक ने हमारी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हुआ। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। जेएएच के ट्रॉमा सेंटर के कैज़ुअल्टी इंचार्ज डॉ। देवेंद्र शर्मा ने बताया, यह घटना आज भिंड जिले के छिमका गांव के पास हुई, जो गोहद चौराहा के नजदीक है।

मजदूर एक पिकअप गाड़ी में जा रहे थे, तभी सामने से आ रहे एक डंपर से उनकी गाड़ी की टक्कर हो गई। डॉ। शर्मा ने बताया कि दुर्घटना के बाद सभी घायलों को पहले सीएचसी ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दो दर्जन से अधिक गंभीर घायलों को ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल रेफर किया गया। बताया जा रहा है कि 5 लोगों की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। बाकी तीन लोगों की मौत रास्ते में हो गई। बाकी घायलों का इलाज चल रहा है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

200 साल पुरानी इमारत गिरी; एक महिला की मौत 19 लोग मलबे में फंसे

कोलकाता, 18 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के उत्तरी इलाके में रातभर हुई भारी बारिश के बाद मंगलवार तड़के एक 200 साल पुरानी इमारत का एक हिस्सा गिर गया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि 19 लोग मलबे में फंस गए। मलबे से निकाला गया शव उर्मिला शॉ का है। यह घर उत्तर कोलकाता के शिमला-बेडन स्ट्रीट इलाके में ब्रजादुलाल स्ट्रीट पर स्थित है। यह जगह गिरिश पार्क और चित्तरंजन एवेन्यू के पास काफी व्यस्त इलाके में पड़ती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, उर्मिला शॉ सुबह किसी काम से घर से बाहर निकलने ही वाली थीं कि तभी पूरी इमारत धड़ाम से गिर गई और वह मौके पर ही दब गईं।

घटना की सूचना मिलते ही पश्चिम बंगाल अग्निशमन विभाग, राज्य आपदा प्रबंधन विभाग और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं। टीमें मलबे में फंसे 19 अन्य लोगों को निकालने का काम कर रही हैं। बताया जा रहा है कि यह लगभग 200 साल पुरानी तीन मंजिला इमारत थी और इसमें आने-जाने का सिर्फ एक ही रास्ता था।

अस्पताल की जगह अगर घर में कराया बच्चे का जन्म तो होगी सजा, विजय सरकार ला रही नया नियम

चेन्नई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विजय की अगुवाई वाली नई सरकार लगातार कुछ न कुछ अलग फैसले ले रही है। अब सरकार की ओर से महिलाओं के सुरक्षित प्रसव को लेकर नए नियम बनाए जा रहे हैं जिसमें घर पर बच्चे की डिलीवरी कराए जाने पर सजा का प्रावधान किया जा रहा है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केजी अरुणराज ने कल सोमवार को विधानसभा में बताया कि राज्य सरकार जल्द ही घर पर डिलीवरी और मेडिकल संस्थानों के बाहर होने वाली डिलीवरी को दंडनीय अपराध बनाने जा रही है। फिलहाल घर पर डिलीवरी करना देश में अभी कानूनन अपराध नहीं है। कई मामलों में घर पर ही लोग डिलीवरी कराना पसंद करते हैं।

अपने स्वास्थ्य विभाग के लिए अनुदान की मांग पर चर्चा के दौरान यह घोषणा करते हुए, मंत्री अरुणराज ने कहा कि तमिलनाडु पब्लिक हेल्थ एक्ट, 1939, करीब 9 दशक यानी, 87 साल पुराना है और अब यह काफी पुराना हो गया है। मंत्री ने कहा कि टीवीके सरकार मौजूदा और नई स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए एक नया तमिलनाडु पब्लिक हेल्थ एक्ट लाने जा रही है।

मिशन 2027 की तैयारी

राहुल गांधी लेंगे पंजाब कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की मीटिंग; गुटबाजी पर नकेल कसने की रणनीति तैयार?

चंडीगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही गुटबाजी के बीच पार्टी हाईकमान ने अब वरिष्ठ नेताओं को एक साथ बैठाकर चुनावी रणनीति पर मंथन की तैयारी की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के साथ पंजाब कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की दिल्ली में 19 और 20 अगस्त को अहम बैठक होने की संभावना है। बैठक में 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ प्रदेश संगठन में चल रहे मतभेदों पर भी चर्चा हो सकती है। 19 अगस्त को प्रस्तावित कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में विभिन्न राज्यों में आगामी चुनावों की रणनीति पर चर्चा होनी है। इसी दौरान पंजाब के नेताओं की राहुल गांधी के साथ अलग बैठक की संभावना है।

इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और चुनाव कैंपेन कमेटी के अध्यक्ष विजय इंदर सिंगला समेत वरिष्ठ नेता शामिल हो सकते हैं। यह पहली बार होगा जब पंजाब कांग्रेस के विभिन्न गुटों के प्रमुख चेहरे एक साथ राहुल गांधी के

सामने होंगे। ऐसे में प्रदेश संगठन में नेतृत्व, चुनाव समितियों और टिकट वितरण को लेकर चल रही खींचतान पर हाईकमान का रुख स्पष्ट होने की उम्मीद है।

खासकर वड़िंग के नेतृत्व को लेकर चन्नी खेमे की नाराजगी और रंधावा-वड़िंग के बीच हालिया मतभेद भी चर्चा में आ सकते हैं। प्रताप सिंह बाजवा ने पिछले सप्ताह राहुल गांधी से पंजाब के करीब 15 विधायकों के साथ बैठक के लिए समय मांगा था। अब प्रस्तावित दिल्ली बैठक को कांग्रेस की पंजाब इकाई में चल रहे विवाद को सुलझाने की हाईकमान की गंभीर कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

कोलकाता एयरपोर्ट के एटीसी भवन में लगी आग, बाल-बाल टला बड़ा हादसा; उड़ान सेवाएं सामान्य

कोलकाता, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार तड़के उस समय हड़कंप मच गया, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) इमारत की दूसरी मंजिल के खुले टेरेस पर अचानक आग लग गई। सुबह करीब चार बजे भड़की इस आग की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट फायर सर्विसेज ने मोर्चा संभाला और महज कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। गनीमत यह रही कि इस घटना से हवाई अड्डे के मुख्य परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा और सभी उड़ान सेवाएं निर्बाध रूप से संचालित होती रहीं। एयरपोर्ट निदेशक विक्रम सिंह ने कहा कि आग पूरी तरह से दूसरी मंजिल के खुले क्षेत्र तक ही सीमित थी। चूंकि एटीसी का मुख्य परिचालन केंद्र आठवीं मंजिल और कुछ हिस्सा तीसरी मंजिल से संचालित होता है,

इसलिए नेविगेशन उपकरण और मौसम विभाग (एमईटी) के संवेदनशील ढांचे पूरी तरह सुरक्षित रहे। घटना की सूचना मिलते ही सबसे पहले एक दमकल वाहन को मौके पर भेजा गया, जिसके बाद एयरपोर्ट परिसर से ही दो और गाड़ियां राहत कार्य में जुट गईं। लगभग दो घंटे चले कूलिंग आपरेशन के बाद सुबह छह बजे तक स्थिति को पूरी तरह सामान्य कर लिया गया।

बीरेन सिंह ने अमित शाह को जनगणना से पहले मणिपुर में एनआरसी की मांग के बारे में बताया

इंफाल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और राज्य में किसी भी जनगणना प्रक्रिया से पहले नेशनल रजिस्टर ऑफ़ सिटिज़न्स (एनआरसी) लागू करने की लोगों की मांग उनके सामने रखी। राष्ट्रीय राजधानी के दो दिन के दौरे के बाद इंफाल लौटे सिंह ने कहा कि उन्होंने आर्थिक नाकेबंदी और जवाबी नाकेबंदी के असर पर भी चर्चा की, जिससे ज़रूरी चीज़ों की सप्लाई में रुकावट आई है और कीमतें बढ़ गई हैं।

सिंह ने कहा, मैं गृह मंत्री अमित शाह से मिलने दिल्ली गया था और अपॉइंटमेंट मिलने के बाद कल उनसे मिला। उन्होंने कहा कि शाह ने उन्हें भरोसा दिलाया कि इन मुद्दों पर जल्द ही ध्यान दिया जाएगा। सिंह ने कहा कि उन्होंने गृह मंत्री को एनआरसी की मांग के बारे में भी बताया, जिसे उनकी सरकार ने फरवरी 2023 में, राज्य में जातीय हिंसा शुरू होने से पहले, उठाया था। सिंह के अनुसार, गृह मंत्रालय और रजिस्ट्रार जनरल ने तब राज्य सरकार को बताया था कि अनुरोध पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोग जनगणना के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन चाहते हैं कि पहले एनआरसी लागू किया जाए। जनगणना से पहले एनआरसी लागू करने की मांग कर रहे छात्रों ने रविवार को इंफाल में जनगणना संचालन निदेशालय के बाहर प्रदर्शन किया।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट में सैकड़ों लोगों ने 16 अगस्त को मशाल रैली भी निकाली और कथित अवैध प्रवासियों की पहचान के लिए किसी भी जनगणना गतिविधि से पहले एनआरसी की मांग की। सिंह ने कहा कि लोगों को चिंता है कि कथित अवैध प्रवासियों की मौजूदगी से राज्य की आबादी के ढांचे में बदलाव आया है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार 926 गांव मान्यता प्राप्त नहीं हैं और लोगों ने उन्हें मान्यता देने की मांग की है।

सिंह ने कहा कि शाह ने उनकी चिंताओं को धैर्यपूर्वक सुना और सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद जताई। पूर्व मुख्यमंत्री ने लोगों से यह भी अपील की कि वे निराशा में आकर बंद या हिंसा का सहारा न लें।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 19 अगस्त, 2026 3

सुविचार: कोई चीज की अति नहीं करनी चाहिए इससे रिश्ते और स्वाद में खराबी आती है।

तेलंगाना को स्वच्छ ऊर्जा विनिर्माण का केंद्र बनाएंगे : भट्टी

2035 तक 8 हजार मेगावाट ऊर्जा भंडारण क्षमता का लक्ष्य

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना को स्वच्छ ऊर्जा विनिर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा और राज्य को हर प्रकार के निवेश को प्रोत्साहित करने वाला निवेशकों का स्वर्ग बनाया जाएगा। यह बात उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कही।

उन्होंने मंगलवार को हैदराबाद स्थित हाइटेक्स और नोवोटेल में आयोजित दो दिवसीय 'इंडिया एनर्जी समिट एंड एक्सपो-2026' का उद्घाटन किया। सम्मेलन में उद्योगपतियों, निवेशकों, नवोन्मेषकों और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध है।

उन्होंने निवेशकों, नवोन्मेषकों, वैज्ञानिकों और कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए राज्य की विकास यात्रा में भागीदार बनने का आह्वान किया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन केवल बिजली उत्पादन के स्रोत को बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी आर्थिक व्यवस्था को नया स्वरूप देने वाली व्यापक प्रक्रिया है। तेलंगाना का लक्ष्य केवल स्वच्छ ऊर्जा का उपभोक्ता बनना नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के विनिर्माण का प्रमुख वैश्विक केंद्र बनना है। उन्होंने बताया कि बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने व्यापक योजनाएं तैयार की हैं। इसके तहत वर्ष 2030 तक सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 20 हजार मेगावाट और वर्ष 2035 तक 26 हजार मेगावाट से अधिक करने का लक्ष्य रखा गया है। उपमुख्यमंत्री ने ऊर्जा भंडारण को नवीकरणीय ऊर्जा के प्रभावी उपयोग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बैटरी ऊर्जा भंडारण और पंप भंडारण परियोजनाओं के माध्यम से वर्ष 2030 तक 3,800 मेगावाट तथा वर्ष 2035 तक 8 हजार मेगावाट ऊर्जा भंडारण क्षमता हासिल करने की योजना है। कार्यक्रम के बाद उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर ऊर्जा विभाग के विशेष मुख्य सचिव नवीन मित्तल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हरीश राव ने लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों की गिरफ्तारी की निंदा की

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएसएलपी के डिप्टी लीडर टी. हरीश राव ने अपनी मांगों को लेकर सर्वे भवन में शांतिपूर्ण विरोध कर रहे लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों की गिरफ्तारी की निंदा की। उन्होंने सवाल किया कि तेलंगाना भर के 6,500 सर्वेक्षक एक साल तक भुगतान न मिलने पर कैसे गुज़ारा कर सकते हैं और अपने परिवारों का पेट कैसे पाल सकते हैं।

उन्होंने इन गिरफ्तारियों को अलोकतांत्रिक बताया और हिरासत में लिए गए लोगों की तुरंत रिहाई की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार से यह भी आग्रह किया कि वे विरोध को दबाने के बजाय लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों के साथ तुरंत बातचीत करें और उनकी समस्याओं का समाधान करें।

नकली घी बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 36 टन मिलावटी सामग्री जब्त

130 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी, पाम तेल, वनस्पति और कृत्रिम सुगंध भी बरामद

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में मिलावटी घी बनाने और बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स और खाद्य सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को 130 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इनमें 39 निर्माण केंद्र और 91 बिक्री प्रतिष्ठान शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान करीब 36 टन मिलावटी घी, कच्चा माल और हानिकारक रसायन जब्त किए गए। अधिकारियों के अनुसार, जब्त सामग्री में करीब 25.5 टन मिलावटी घी, 8.7 टन दूध की मलाई, 1,200 लीटर पाम तेल, 600 लीटर वनस्पति, कृत्रिम घी की सुगंध वाले तीन प्रकार के छह बोतल रसायन और 30 किलोग्राम स्टार्च शामिल हैं। खाद्य सुरक्षा निरीक्षकों ने नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं। जांच में सामने आया कि आरोपी दूध के ठोस पदार्थों में पाम तेल, वनस्पति और कृत्रिम सुगंध मिलाकर नकली घी तैयार कर रहे थे। कुछ मामलों में बिना दूध और मक्खन के स्किम्ड मिल्क पाउडर, पाम तेल, वनस्पति, स्टार्च और रासायनिक सुगंध के मिश्रण से घी तैयार किया जा रहा था।

मिलावटी घी को प्लास्टिक के पैकेटों में भरकर '100 प्रतिशत शुद्ध घी', 'प्रीमियम घी', 'फार्म फ्रेश घी' और 'प्राकृतिक घी' जैसे नामों से बेचा जा रहा था। इन पैकेटों पर खाद्य सुरक्षा लाइसेंस संख्या, बैच संख्या तथा निर्माण और समाप्ति तिथि भी दर्ज नहीं थी। अधिकारियों के अनुसार, मिलावटी घी को पूजा और दीपक के घी के अलावा होटल, रेस्तरां, टिफिन केंद्र, मिठाई की दुकानों, आयुर्वेदिक दवा दुकानों, डेयरी प्रतिष्ठानों और खानपान सेवाओं को भी आपूर्ति किया जा रहा था। कच्ची मलाई महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु से मंगाई जा रही थी। पुलिस ने लोगों से केवल प्रमाणित और सीलबंद पैकेट में घी खरीदने तथा पैकेट पर खाद्य सुरक्षा लाइसेंस की जानकारी जांचने की अपील की है। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने मिलावटी खाद्य पदार्थों की जानकारी 112 या हैदराबाद कमिश्नर टास्क फोर्स की हेल्पलाइन 8712661212 पर देने का आग्रह किया है।

खदानों में बारिश से कोयला उत्पादन पर असर

खम्मम, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सथुपल्ली में एससीसीएल की ओपनकास्ट खदानों में बारिश के कारण कोयला उत्पादन प्रभावित हुआ। सोमवार रात सथुपल्ली और आसपास के इलाकों में मध्यम बारिश हुई। जेवीआर ओसी में 11 मिमी और किश्तराम ओसी में 15 मिमी बारिश दर्ज की गई।

इसके परिणामस्वरूप, जेवीआर ओसी में 20,000 टन कोयले के उत्पादन और 80,000 क्यूबिक मीटर ओवरबर्डन (ऊपरी मिट्टी/चट्टान) की खुदाई का काम प्रभावित हुआ।

महिला को धोखा देने के आरोप में तीन रियल एस्टेट एजेंट गिरफ्तार

आदिलाबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तीन रियल एस्टेट एजेंटों को नकली मालिकाना हक के कागजात का इस्तेमाल करके घर बनाने के लिए प्लॉट बेचकर एक महिला को धोखा देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। मंगलवार को मावला मंडल केंद्र पर आरोपियों को मीडिया के सामने पेश किया गया। दो अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए मावला इंस्पेक्टर बीडी प्रेमकुमार ने बताया कि टोकाला बुचन्ना, बोल्ली राजू और एल्टी लक्ष्मण रेड्डी (सभी ज़िले के अलग-अलग हिस्सों से) को गिरफ्तार किया गया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर और ज़मीन के नकली कागजात बनाकर शहर की रहने वाली बी. पुष्पालता को बट्टिसावरगाँव गाँव की सीमा में घर बनाने के लिए छह प्लॉट 42 लाख रुपये में बेचे थे।

रामपुर के एनुगु नवीन कुमार और कप्पार्ला गाँव के बाले नरसिम्हुलु अभी भी फरार हैं। खबरों के अनुसार, तीनों ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। उन्होंने माना कि उन्होंने रेवेन्यू अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर करके ज़मीन के नकली कागजात बनाए थे। उन्हें अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुष्पालता को तब पता चला कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है, जब वे उन प्लॉट को ढूंढ नहीं पाईं और बाउंड्री नहीं बनवा सकीं। जब एजेंटों ने अपराध कबूल किया और पैसे वापस करने में देरी की, तो वह पुलिस के पास गईं। पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। फरार दो आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया।

पुराने मेदक ज़िले में यूरिया की कमी से किसान परेशान हैं

मेदक, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने मेदक ज़िले के किसानों को यूरिया की कमी की समस्या लगातार परेशान कर रही है। जहाँ ज़िला प्रशासन बार-बार स्टॉक पॉइंट पर यूरिया की उपलब्धता के बारे में बयान दे रहा था, वहीं किसानों की मुश्किलें कुछ और ही कहानी बयां कर रही थीं।

चिन्ना शंकरमपेट मंडल के एग्रोस सेवा केंद्र पर किसान ऑनलाइन बुकिंग के बाद अपनी बोरियाँ लेने के लिए कतार में अपनी चप्पलें रखे हुए देखे गए। हालाँकि, कई किसान घंटों कोशिश करने के बाद भी ऑनलाइन बुकिंग नहीं कर पाए। जब वे मंगलवार को समस्याओं के बारे में पूछने के लिए एग्रोस सेवा केंद्रों पर पहुँचे, तो कर्मचारियों ने कहा कि सर्वर में कोई तकनीकी खराबी है। चूँकि इलाके में धान की रोपाई चल रही थी, इसलिए किसानों को यूरिया की बोरियाँ पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। नरसिंगी मंडल मुख्यालय में, किसानों की खाद की दुकान के मालिक से बहस हो गई क्योंकि बुकिंग की अनुमति मिलने के बाद भी उसने 'नो-स्टॉक' (स्टॉक नहीं है) का बोर्ड नहीं लगाया था।

इस्कॉन आबिड्स भक्ति और सेवा का प्रकाशस्तंभ : शिव प्रताप शुक्ल

श्रीश्री राधा मदनमोहन मंदिर की 50 वर्ष की आध्यात्मिक यात्रा प्रेरणादायक : राज्यपाल

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि हैदराबाद के आबिड्स स्थित श्रीश्री राधा मदनमोहन मंदिर की पांच दशक लंबी यात्रा भक्ति, सेवा, करुणा और मानव कल्याण की परंपरा पर आधारित रही है। राज्यपाल ने मंगलवार को अपनी पत्नी जानकी शुक्ला के साथ मंदिर के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया और श्रीश्री राधा मदनमोहन स्वामी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने इस्कॉन आबिड्स के संतों, भक्तों, स्वयंसेवकों और शुभचिंतकों को तेलंगाना की जनता की ओर से बधाई दी। उन्होंने कहा कि 50 वर्ष पूरे होना केवल समय की एक उपलब्धि नहीं, बल्कि निरंतर भक्ति, आध्यात्मिक अनुशासन, सेवा, करुणा और समाज कल्याण के प्रति समर्पण का उत्सव है।

राज्यपाल ने इस्कॉन के संस्थापक श्रील ए. सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के योगदान को याद करते हुए कहा कि वर्ष 1966 में स्थापित अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ ने भगवान श्रीकृष्ण की चेतना और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि श्रील प्रभुपाद ने लाखों लोगों को भगवद्गीता की शाश्वत शिक्षाओं से परिचित कराया और आत्मबोध, ईश्वरीय प्रेम तथा निस्वार्थ सेवा का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि आबिड्स जैसे व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र के बीच स्थित यह मंदिर पांच दशकों से आध्यात्मिक शांति, सद्भाव, संस्कार और सेवा का केंद्र बना हुआ है।

हरिनाम संकीर्तन, प्रसाद वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभिन्न सेवा गतिविधियों के माध्यम से इस्कॉन समाज में करुणा और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य कर रहा है।

राज्यपाल ने युवाओं से भारतीय आध्यात्मिक विरासत से जुड़ने तथा भगवद्गीता का अध्ययन कर उसके शाश्वत मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भौतिक प्रगति के साथ आध्यात्मिक संतुलन, आत्मअनुशासन, कृतज्ञता और करुणा भी सार्थक जीवन के लिए आवश्यक हैं। 'वसुधैव कुटुंबकम्' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने की भारतीय भावना को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि श्रीश्री राधा मदनमोहन स्वामी के आशीर्वाद से इस्कॉन आबिड्स आने वाले वर्षों में भी धर्म, भक्ति, सेवा और मानव कल्याण का प्रकाश फैलाता रहेगा।

समारोह के बाद इस्कॉन आयोजकों ने राज्यपाल और उनकी पत्नी को सम्मानित कर स्वर्ण जयंती स्मृति चिह्न भेंट किया। समारोह में आध्यात्मिक गुरु लोकनाथ स्वामी, वरद कृष्ण दास, महामन दास, सीताराम दास, रेवती रमन दास सहित संत, आयोजक, श्रद्धालु और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। मंदिर परिसर हरे कृष्ण महामंत्र के संकीर्तन से भक्तिमय हो उठा।

CHANGE OF NAME

I, SEEPANA LAKSHMI mother of No:15795166H L Hav (Gnr) SEEPANA KONDALA RAO presently residing with my son at Dusipeta Village, Dusi Post, Amadalavalasa Teh, Srikakulam District, Andhra Pradesh State-532484. I have changed my name from SEEPANA LAXMI to SEEPANA LAKSHMI vide affidavit dated 18.08.2026 before the court at Srikakulam.

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, A SREERAMULU ACHARI, F/o: HAV ARURU GANESH, R/o: H.No.9-51, KUMMARA PALLE, IRALA, CHITTOOR, ANDHRA PRADESH - 517130 HAS CHANGED MY NAME FROM A SREERAMULU ACHARI TO A SREERAMULU ACHARY and MY Date of Birth is 01-01-1956 VIDE AFFIDAVIT DT. 12-08-2026

I, HAV ARURU GANESH, R/o: H.No.9-51, KUMMARA PALLE, IRALA, CHITTOOR, ANDHRA PRADESH - 517130 HAS CHANGED MY SON'S NAME FROM ARURUTHANVIK TO ARURU THANVIK VIDE AFFIDAVIT DT. 12-08-2026

I, K S SARASWATHI, LEGALLY WEDDED SPOUSE HAV ARURU GANESH, R/o: H.No.9-51, KUMMARA PALLE, IRALA, CHITTOOR, ANDHRA PRADESH - 517130HAS CHANGED MY NAME FROM K S SARASWATHI TO K SARASWATHI VIDE AFFIDAVIT DT. 12-08-2026

I, Anjana Devi, W/o, No. 14654806F, Hav, Sanjay Kumar Dwivedi, R/o, Dist: Deoria, Uttar Pradesh, changed my name from Anjana Devi to Anjana Dwivedi, vide Affidavit No. 770391 dt. 11.08.2026, before, Notary Advocate, at Gorakhpur.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

महेश कुमार गौड़ ने लगाए गंभीर आरोप

तेलंगाना में मतदाता सूची पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य महेश कुमार गौड़ ने आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है और विपक्षी दलों के खिलाफ मनमाने ढंग से मामले दर्ज किए जा रहे हैं। गांधी भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। गौड़ ने कहा कि राजीव गांधी ने 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार दिलाया था, लेकिन अब मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने की आशंका है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार और पश्चिम बंगाल की तरह तेलंगाना में भी गरीबों के वोट हटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में करीब 3 करोड़ 38 लाख मतदाताओं में से 73 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। 2002 की शर्त के कारण कई लोगों को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराने में कठिनाई हो रही है।

उन्होंने दावा किया कि 32 लाख 37 हजार मतदाता बिना मानचित्र के हैं, जबकि 60 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम संदिग्ध बताए जा रहे हैं। गौड़ ने कहा कि बूथ स्तर के अधिकारियों ने 35 हजार मतों की रसीदें दीं, जबकि निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में ऐसे लोगों की संख्या 13,100 दिखाई जा रही है। उन्होंने मांग की कि केवल 2002 के विवरण के आधार पर मताधिकार से वंचित करने के बजाय सही दस्तावेज उपलब्ध होने पर पात्र नागरिकों को मतदान का अधिकार दिया जाए। उन्होंने कहा कि करीब 1 करोड़ 60 लाख मतदाताओं को संदिग्ध श्रेणी में क्यों रखा गया, इसका निर्वाचन आयोग को स्पष्ट विवरण देना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापक स्तर पर मतदाताओं के नाम हटाने की शर्तें लगाई गई हैं और निर्वाचन आयोग इस मामले में उदासीन रवैया अपना रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए अतिरिक्त समय देने की मांग करते हुए कहा कि पात्र मतदाताओं का अधिकार सुरक्षित रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्वाचन आयोग से संदिग्ध, विसंगति वाले और बिना मानचित्र वाले 1 करोड़ 60 लाख मतदाताओं की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

सरदार सर्वाई पापन्न गौड़ कमजोर वर्गों के लिए संघर्ष करने वाले महान जनयोद्धा थे : रामचंदर राव

भाजपा कार्यालय में 376वीं जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में सरदार सर्वाई पापन्न गौड़ की 376वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मलकाजगिरी सांसद ईटेला राजेंद्र, विधान परिषद सदस्य मल्का कोमरैया, प्रदेश महासचिव डॉ. एन. गौतम राव, पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आनंद गौड़ सहित पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। रामचंदर राव ने कहा कि सरदार सर्वाई पापन्न गौड़ वंचित और कमजोर वर्गों के लिए संघर्ष करने वाले महान जनयोद्धा थे। उन्होंने सामाजिक अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई लड़ी तथा आम लोगों में आत्मसम्मान और साहस की भावना पैदा की। साधारण परिवार से उठकर शासक बने पापन्न गौड़ ने तत्कालीन मुगल सत्ता को चुनौती दी और गोलकोंडा किले पर अपना अधिकार स्थापित कर मजबूत सेना का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि पापन्न गौड़ का जन्मस्थान जनगामा जिले का खिलाशापुर है। उनका जीवन, संघर्ष और उनके द्वारा निर्मित किले तेलंगाना के इतिहास में विशेष स्थान रखते हैं। कांग्रेस ने 2023 के चुनावी घोषणापत्र में जनगामा जिले का नाम सरदार सर्वाई पापन्न गौड़ के नाम पर रखने का वादा किया था, लेकिन करीब तीन वर्ष बीतने के बावजूद इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। रामचंदर राव ने कांग्रेस सरकार से मांग की कि जनगामा जिले का नाम तत्काल 'सरदार सर्वाई पापन्न गौड़ जनगामा जिला' रखा जाए। साथ ही उनके नाम पर प्रतिमा और जन्मस्थल पर उपयुक्त स्मारक स्थापित करने की मांग भी की। उन्होंने 'वंदे मातरम्' के मुद्दे पर कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रीय गीत के प्रति सभी राजनीतिक दलों को उचित सम्मान और मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि सरदार सर्वाई पापन्न गौड़ की साहस, आत्मसम्मान और अन्याय के खिलाफ संघर्ष की भावना आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। उनकी जीवनगाथा और संघर्ष को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए जन्मस्थल पर स्मारक तथा प्रतिमा स्थापित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे महान नेताओं के इतिहास को केवल जयंती समारोहों तक सीमित रखने के बजाय उनके आदर्शों और संघर्ष की भावना को समाज में आगे बढ़ाना जरूरी है।

राज्य में राजस्व नहीं, 'लूट' का शासन चल रहा : एलेटी महेश्वर रेड्डी

आम लोगों और बिल्डरों को डराकर हजारों करोड़ के भूमि घोटाले का आरोप

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक दल के नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर राज्य में बड़े पैमाने पर भूमि अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि तेलंगाना में राजस्व प्रशासन नहीं, बल्कि 'लूट' का शासन चल रहा है। उन्होंने राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी से अपनी संपत्तियों पर श्वेतपत्र जारी करने और उनके साथ खुले मंच पर बहस करने की चुनौती दी। महेश्वर रेड्डी ने आरोप लगाया कि 22-ए प्रतिबंधित सूची के नाम पर गरीब और मध्यमवर्गीय लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्षों की बचत से खरीदी गई 60 और 100 वर्ग गज की जमीनों को भी 22-ए सूची में शामिल किया जा रहा है। यहां तक कि नगर निगम, महानगरीय विकास प्राधिकरण और रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण की मंजूरी तथा बैंक ऋण स्वीकृति वाली संपत्तियों को भी प्रतिबंधित सूची में डालने के आरोप सामने आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विवाद में फंसाने के बाद सूची से नाम हटाने के लिए 30 से 40 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी जा रही है। उन्होंने मंत्री पोंगुलेटी से सवाल किया कि मंत्री बनने से पहले उनकी संपत्ति कितनी थी और पद संभालने के बाद कितनी बढ़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सरकार से कथित रूप से जुड़े फीनिक्स समूह से पोंगुलेटी परिवार की राघव कंस्ट्रक्शंस को करीब 15 हजार करोड़ रुपये की संपत्तियां हस्तांतरित हुई हैं। महेश्वर रेड्डी ने वित्तीय जिला, कोकापेट और हाईटेक सिटी में विभिन्न भूमि एवं व्यावसायिक परियोजनाओं के हस्तांतरण का आरोप लगाते हुए कहा कि इस संबंध में उनके पास दस्तावेज और प्रमाण मौजूद हैं। उन्होंने श्रीशैलम राजमार्ग-कंदुकूर क्षेत्र में करीब 400 एकड़, गाजुलरामाराम में 35 एकड़ सरकारी भूमि तथा अन्य भूमि मामलों में भी अनियमितताओं के आरोप लगाए। भाजपा विधायक दल के नेता ने कहा कि वह सभी आधिकारिक दस्तावेजों और प्रमाणों के साथ सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं। उन्होंने मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी से पूछा कि क्या वह भी खुले मंच पर चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता और किसानों की भूमि से जुड़े मामलों को लगातार उठाती रहेगी तथा कथित अनियमितताओं के जिम्मेदार लोगों को कानून के सामने लाने तक संघर्ष जारी रखेगी।

छात्रों पर एके-47 से चली थी गोली, सीवान डीएम का ट्रांसफर

भरत एनकाउंटर के बाद नए आईएएस को भोजपुर की जिम्मेदारी, बिहार में 17 अफसरों का तबादला

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सम्राट सरकार ने सोमवार देर रात बड़े स्तर पर आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। सीवान के डीएम विवेक रंजन मैत्रेय को बदला गया है। यहां स्टूडेंट प्रोटेस्ट के दौरान एके-47 से गोली चली थी। विवेक रंजन मैत्रेय फिलहाल वेटिंग फॉर पोस्टिंग पर सामान्य प्रशासन गए हैं।

भरत एनकाउंटर के बाद नए आईएएस को भोजपुर जिले की जिम्मेदारी दी गई है। तनय सुल्तानिया की जगह मनोज कुमार मीणा को नया डीएम बनाया गया है। इन दोनों के साथ ही बिहार के 5 जिलों के डीएम को बदला गया है। सरकार ने कई विभागों के प्रधान सचिव, अपर मुख्य सचिव और सचिव स्तर के अधिकारियों की जिम्मेदारी बदली है। पंकज कुमार को गृह विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है, जबकि राजेश कुमार को पटना प्रमंडल का नया आयुक्त बनाया गया है। इसके अलावा वित्त, ग्रामीण विकास, शिक्षा, निगरानी, समाज कल्याण, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण और मद्य निषेध विभाग में भी अधिकारियों की जिम्मेदारी बदली गई है।

1997 बैच के आईएएस अधिकारी पंकज कुमार, जो अब तक ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव थे, उनका ट्रांसफर कर गृह विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। वे जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त प्रभार में पहले की तरह बने रहेंगे।

पंकज कुमार के गृह विभाग में आने के बाद कुंदन कुमार गृह विभाग के सचिव के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त हो जाएंगे। कुंदन कुमार उद्योग विभाग के सचिव के साथ कई अन्य जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं।

2001 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश कुमार को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव पद से तबादला कर पटना प्रमंडल का नया आयुक्त बनाया गया है। वहीं, पटना के मौजूदा आयुक्त मयंक वरवड़े का ट्रांसफर कर निगरानी विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। 1996 बैच के आईएएस अधिकारी एचआर श्रीनिवास को समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव पद से ट्रांसफर कर ग्रामीण विकास विभाग का अपर मुख्य सचिव बनाया गया है। श्रीनिवास जांच आयुक्त, सामान्य प्रशासन विभाग के अतिरिक्त प्रभार में भी बने रहेंगे।

1995 बैच के आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं। वे अगले आदेश तक बिपार्ड के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। वे बिहार राज्य संयुक्त प्रवेश परीक्षा पर्षद के परीक्षा नियंत्रक के अतिरिक्त प्रभार में भी बने रहेंगे।

1999 बैच के आईएएस अधिकारी विनय कुमार को नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव पद से ट्रांसफर कर वित्त विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है।

पहले हाथ-पैर पकड़े फिर रेत दिया गला

बुजुर्ग हत्याकांड का 72 घंटे में बड़ा खुलासा

औरंगाबाद, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के औरंगाबाद जिले में नहर किनारे मिले वृद्ध के गला रेते शव के मामले में पुलिस ने महज 72 घंटे के भीतर हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस जांच में हत्या के पीछे अंधविश्वास और अवैध संबंध की बात सामने आई है। मामले में पुलिस ने एक महिला समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हत्या में इस्तेमाल हसुली, मोबाइल, बाइक और एक कमीज भी बरामद की गई है। मामला बंदेया थाना क्षेत्र के साव बिगहा नहर का है। 14 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि नहर किनारे एक वृद्ध व्यक्ति का गला कटा शव पड़ा हुआ है। बंदेया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतक की पहचान अरवल जिले के करपी थाना क्षेत्र के पांचकेसर गांव निवासी जनेश्वर बिंद के रूप में हुई। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम कराया और इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

भवन निर्माण के लिए हो रही खुदाई में 29 रहस्यमयी गोले मिले

पुरातत्व विभाग करेगा जांच

अमेठी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के भनौली गांव में मंगलवार को भवन निर्माण के लिए गड्ढे की खुदाई के दौरान जमीन के नीचे से 29 भारी-भरकम गोलाकार वस्तुएं बरामद हुईं।

गोले मिलने की सूचना पर पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी गोलों को कब्जे में लेकर सुरक्षित करा दिया। गोले कितने पुराने हैं और उनका ऐतिहासिक महत्व है या नहीं, इसकी जांच के लिए पुरातत्व विभाग की टीम को सूचना दी गई है। मुसाफिरखाना कस्बा निवासी इकबाल ने करीब तीन माह पहले भनौली गांव में एक व्यक्ति से भूमि का बैनामा कराया था। मंगलवार को इसी भूमि पर भवन निर्माण के लिए गड्ढा खोदा जा रहा था। खुदाई के दौरान मजदूर की नजर मिट्टी में दबे धातु के गोलों पर पड़ी। मजदूर ने खुदाई रोककर इसकी जानकारी भूमि स्वामी इकबाल को दी। इसके बाद पुलिस को मामले की सूचना दी गई।

धातु के गोले मिलने की जानकारी होते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने खुदाई वाले स्थान का निरीक्षण किया और मौके से मिले सभी गोलों को कब्जे में ले लिया। इसके साथ ही आसपास लोगों की आवाजाही को रोकते हुए स्थान को सुरक्षित कराया गया। गोले मिलने की जानकारी फैलने के बाद आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई।

गोले मिलने को लेकर ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि, इन धातु के गोलों की वास्तविकता और उनकी उम्र को लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस और राजस्व विभाग की टीम ने मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी है। एसडीएम रितेश राज ने मामले की जानकारी पुरातत्व विभाग को दी है। पुरातत्व विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर गोलों की जांच करेगी।

जांच में यह पता लगाया जाएगा कि गोले किस धातु के हैं, कितने पुराने हैं और इनका कोई ऐतिहासिक, पुरातात्विक महत्व है या नहीं।

लखनऊ समेत 30 शहरों में बारिश, 10 में स्कूल बंद

थाने-अस्पताल में घुसा पानी, काशी में मंदिर डूबे मणिकर्णिका पर अंतिम संस्कार की जगह बदली

लखनऊ/वाराणसी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। मंगलवार तड़के 3 बजे से लखनऊ, सहारनपुर, प्रतापगढ़ और संभल समेत 30 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। आसमान में काले-घने बादल छाए रहने के कारण सुबह अंधेरा छाया रहा।

संभल में तेज बारिश से रोडवेज बस अड्डा तालाब बन गया। सरकारी अस्पताल में भी पानी घुस गया। प्रतापगढ़ की लालगंज तहसील, कोतवाली, प्राइमरी स्कूल और सीएचसी में 2 फीट तक पानी भर गया। कौशांबी और भदोही में सड़कें जलमग्न हो गईं। भारी बारिश के अलर्ट को देखते हुए प्रयागराज, प्रतापगढ़, मिर्जापुर, कौशांबी, भदोही, हरदोई, अमेठी, जौनपुर समेत 10 जिलों के स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश की चेतावनी जारी की है। इधर, गंगा- यमुना समेत प्रदेश की 10 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। वाराणसी में घाट किनारे बने 100 से अधिक छोटे मंदिरों में पानी घुस गया।

मणिकर्णिका घाट स्थित रत्नेश्वर महादेव और दशाश्वमेध घाट स्थित ब्रह्मेश्वर महादेव मंदिर 70% तक डूब गए। नमो घाट की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया। सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग कर दी गई। दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती अब छत पर कराई जा रही है। मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट के शवदाह स्थलों तक पानी पहुंचने के बाद अंतिम संस्कार सीढ़ियों के ऊपरी हिस्से में कराया जा रहा है।

भाजपा ने बिहार जिताने वाले तावड़े को यूपी प्रभारी बनाया

जगदीश पटेल सह प्रभारी होंगे, सतीश पूनिया को पंजाब, तरुण चुग को गुजरात की जिम्मेदारी

विनोद तावड़े, यूपी प्रभारी

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के लिए नए राज्य प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए।

बिहार चुनाव जिताने वाले विनोद तावड़े को यूपी का प्रभारी बनाया गया है। जगदीश ईश्वरभाई पटेल को सह-प्रभारी नियुक्त किया है। पंजाब की जिम्मेदारी सतीश पूनिया को दी गई है। गुजरात का जिम्मा तरुण चुग को सौंपा गया है।

इन तीनों राज्यों में अगले साल चुनाव हैं। भाजपा अध्यक्ष ने एक दिन पहले अपनी नई टीम का ऐलान किया था। इसमें 65 पदाधिकारियों की घोषणा की थी।

विनोद तावड़ेः भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं। वे हरियाणा और बिहार के प्रभारी रह चुके हैं। नवंबर 2020 में उन्हें हरियाणा का प्रभारी बनाया गया था। सितंबर 2022 में बिहार की जिम्मेदारी दी गई। 2024 में भी वे बिहार के प्रभारी रहे। 2025 में उनके प्रभार में ही भाजपा जीती। महाराष्ट्र में वे लंबे समय तक पार्टी संगठन में सक्रिय रहे। तावड़े महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष भी रह चुके हैं।

जगदीश पटेलः गुजरात के भाजपा नेता हैं। वे 2019 में अमराईवाड़ी विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे। अहमदाबाद शहर भाजपा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

59 साल पुराने मस्जिद-मदरसे पर चला बुलडोजर

2 घंटे में 6 बुलडोजरों से गिराया, पुलिसवालों और सपाइयों के बीच धक्का-मुक्की

सिद्धार्थनगर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के सिद्धार्थनगर में मंगलवार को एक मस्जिद और मदरसे के आधे से ज्यादा हिस्से को बुलडोजर चलाकर ढहा दिया गया। 59 साल पुराना मस्जिद-मदरसा सरकारी जमीन पर बना था। सुबह 7 बजे एसडीएम और 5 थानों के लगभग 100 पुलिसकर्मी 6 बुलडोजर लेकर पिपरा रामलाल गांव पहुंचे।

14 हजार स्क्वायर फीट में बने मस्जिद-मदरसे के अवैध 9 हजार स्क्वायर फीट हिस्से पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। इस बीच, डुमरियागंज की सपा विधायक सैय्यदा खातून, सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव समेत 50 से ज्यादा कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। बुलडोजर एक्शन का विरोध कर नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने रोका तो बहस होने लगी।

उनके बीच धक्का-मुक्की भी हुई। करीब आधे घंटे तक इलाके तनाव बना रहा। बाद में पुलिस ने बैरिकेडिंग कर लोगों को दूर किया और 2 घंटे में आधी मस्जिद, आधे मदरसे, 7 कमरे और एक दुकान को ढहा दिया। मामला जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर डुमरियागंज तहसील क्षेत्र का है।

गांव के लोगों ने बताया- आरबिया जियाउल उलूम मदरसा 1938 में गांव के अंदर बना था।1967 में इसे पीपरा रामलाल गांव की मेन रोड यानी बांसी-डुमरियागंज मार्ग पर शिफ्ट कर दिया गया। मदरसे का निर्माण पहले निजी जमीन पर किया गया। उसके बाद धीरे-धीरे आगे खाली पड़ी सरकारी जमीन पर कब्जा होता चला गया। मदरसे में करीब 400 बच्चे पढ़ते थे।

अफसरों ने बताया- सरकारी रिकॉर्ड में मदरसे की जमीन सिर्फ 5 हजार स्क्वायर फीट ही है। बाकी 9 हजार स्क्वायर फीट जमीन खेल के मैदान के रूप में दर्ज है। 2022 में पांच ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से इस जमीन से कब्जा हटाने के लिए डुमरियागंज तहसीलदार कोर्ट में याचिका दायर की थी।

युवक ने फंदे से लटक कर दी जान

दरभंगा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दरभंगा में एक युवक ने घर में फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। मृतक के पिता का आरोप है कि बेटे ने सेकेंड हैंड मोबाइल 2 हजार में खरीदा था। पुलिस मोबाइल का लोकेशन ट्रेस कर घर तक पहुंची थी। बताया जा रहा कि मोबाइल चोरी का है। पुलिस गिरफ्तारी न करने के लिए बेटे पर 10 लाख रुपए देने का दबाव बना रही थी। इसी टेंशन में बेटे ने सुसाइड किया है। वहीं, सदर एसडीपीओ शुभेंद्र कुमार सुमन ने बताया कि सोमवार को टेक्निकल सेल के एएसआई इंद्रदेव कुमार और सिपाही कुंदन कुमार युवक के घर गए थे। परिजन ने दोनों पुलिसकर्मियों को घेर लिया और उनके साथ मारपीट शुरू की। भीड़ ने सर्विस पिस्टल भी छीन ली। घटना बहादुरपुर थाना क्षेत्र के खराजपुर पंचायत वार्ड-9 की है।

मृतक जोगेश्वर सहनी का बेटा मोनू सहनी (22) है। जिसकी लाश आज कमरे में फंदे से लटकी मिली। जिस वक्त मोनू ने सुसाइड किया, उस वक्त घर में मां-बहन थे। पिता घर से बाहर गए हुए थे। 3 घंटे तक किसी को पता नहीं चला था कि मोनू ने सुसाइड कर लिया है। परिवार के लोग उसे खाना देने के लिए खोज रहे थे। इसी दौरान परिजन ने कमरे के खिड़की से मोनू की लटकी लाश देखी। मौनू के पिता ने कहा कि बेटे की मौत के बाद सोमवार को दोबारा पुलिस टीम बाइक से मेरे घर आई थी। एक बाइक पर दो और दूसरी बाइक पर एक पुलिसकर्मी बैठा था। हालांकि पुलिस ने इस घटना को अलग बताया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मोनू के परिजन ने टेक्निकल सेल की टीम को फोन किया था और कहा था कि घर में और भी कई मोबाइल मिले हैं। आकर ले जाएं। पुलिस की टीम वहां पहुंची तो परिजन और स्थानीय ग्रामीणों ने घेरकर मारपीट की।

बसपा पर घिरे संकट के बादल

शर्तें पूरी न करने पर छिन सकता है राष्ट्रीय राजनीतिक दल का दर्जा

लखनऊ, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) जल्द ही लोकसभा, राज्यसभा सहित उत्तर प्रदेश विधानसभा और विधान परिषद में शून्य सदस्य वाली पार्टी बन जाएगी। उसके राज्यसभा में एक मात्र सदस्य रामजी गौतम हैं, जिनका कार्यकाल 25 नवंबर को खत्म हो जाएगा।

यूपी विधानसभा में उसके एक मात्र विधायक उमाशंकर सिंह थे, जिनका 5 अगस्त को देहावसान हो गया। लोकसभा और उत्तर प्रदेश विधान परिषद में बसपा का कोई सदस्य नहीं है। उसके फिलहाल सिर्फ तीन विधायक बिहार, पंजाब और उत्तराखंड में हैं। चुनावों में बसपा का वोट प्रतिशत काफी नीचे गिरता जा रहा है। ऐसे में चुनाव आयोग की निर्धारित शर्तें पूरी न करने पर उसका राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छिन सकता है।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव बहुजन समाज पार्टी के लिए अपना भविष्य तय करने की अग्निपरीक्षा है। अगले साल यूपी के अलावा पंजाब और उत्तराखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव बीएसपी के लिए एक ऐसा अवसर हैं, जिनमें वह अपना राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टी का दर्जा बचा सकती है। बीएसपी का लोकसभा में एक भी सांसद नहीं है। राज्यसभा में एक सांसद है, जिसका कार्यकाल नवंबर में समाप्त होने वाला है। उत्तर प्रदेश में पार्टी का न तो कोई विधायक हैस न ही कोई एमएलसी है। उसके सिर्फ पंजाब, बिहार और उत्तराखंड में एक-एक एमएलए हैं।

सभी चुनावों बीएसपी का वोट शेयर गोता लगाता गया है। इससे उसके भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। करीब 42 साल पहले 14 अप्रैल 1984 को गठित बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को सन 1996 में चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय दल का दर्जा दिया था और इसे 'हाथी' चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया था।

कांशीराम के बाद इस दल की बागडोर मायावती को मिली। मायावती ने उत्तर प्रदेश में अलग-अलग समय पर चार बार बीएसपी की सरकारें भी बनाईं। हालांकि अब बसपा का सितारा अस्त होता दिखने लगा है। वह राष्ट्रीय दल के लिए निर्धारित मापदंड पूरे करने में विफल हो रही है। इन हालात में उसका राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा छिन सकता है।

रिटायर्ड फौजी ने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनकर साले की हत्या की

3 गोलियां मारीं, पत्नी को मायके ले जाने से नाराज था, प्रतापगढ़ में भीड़ ने बांधकर पीटा

प्रतापगढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ में रिटायर्ड फौजी ने साले की हत्या कर दी। वह सुल्तानपुर से साले की मेडिकल स्टोर की दुकान पहुंचा। वहां ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जब तक साला कुछ समझ पाता, तब तक तीन गोलियां उसे लग गईं। वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा।

आरोपी पूरी तैयारी से बुलेट प्रूफ जैकेट के साथ पहुंचा था। वारदात के बाद फौजी ने मौके से भागने की कोशिश की। भीड़ ने उसे पकड़ लिया। रस्सी से बांधकर उसे जमकर पीटा। पुलिस ने किसी तरह फौजी को भीड़ के चंगुल से बचाया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया।

वहीं, आसपास के लोग साले देवेंद्र यादव (48) को जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच के मुताबिक, आरोपी फौजी कपिल यादव का पत्नी प्रियंका से विवाद चल रहा था। सोमवार को देवेंद्र सुल्तानपुर अपने जीजा के घर गया। वहां से बहन प्रियंका को साथ ले आया था। इसी बात से कपिल भड़क गया। वारदात मंगलवार दोपहर 12 बजे जिला मुख्यालय से 25 किमी दूर कोहडौर थाना क्षेत्र की है।

फौजी कपिल (43) की 15 साल पहले प्रियंका से शादी हुई थी। पिछले साल कपिल फौज से रिटायर हो गया था। वह सुल्तानपुर के जिला अस्पताल में गार्ड की नौकरी करने लगा था। 6 महीने से पति-पत्नी में विवाद चल रहा था।

सोमवार को फिर किसी बात पर कपिल का प्रियंका से विवाद हो गया। प्रियंका ने अपने भाई देवेंद्र को फोन कर दिया। देवेंद्र सुल्तानपुर प्रियंका के घर पहुंचा। वहां प्रियंका और उसके बच्चे को लेकर घर आ गया।

प्रतापगढ़ में मदाफरपुर बाजार में देवेंद्र की मेडिकल स्टोर की दुकान है। सोमवार को वह दुकान पर बैठा था। तभी कपिल सुल्तानपुर से वहां पहुंच गया। वह गार्ड की वर्दी में था। दोनों के बीच बहस हुई। कपिल ने धमकाया कि तुम प्रियंका को लेकर कैसे आ गए। इसी दौरान बात बढ़ी तो कपिल ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उसने लाइसेंसी पिस्टल से 10 राउंड फायर किए। तीन गोली कपिल को लगी। एक सिर, दूसरी कमर और तीसरी पैर पर।

दिनदहाड़े हुई हत्या से हड़कंप मच गया। मार्केट में भगदड़ जैसी मच गई। कपिल हत्या के बाद मौके से भागने लगा तो भीड़ ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। कपिल ने पिस्टल भीड़ की तरफ तान दी। हालांकि, उसमें गोलियां नहीं थी। भीड़ ने उसे दबोच लिया। वह मारपीट करने लगा तो रस्सी से उसके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद उसकी जमकर पिटाई की। उसके मुंह से खून निकलने लगा। करीब 15-20 मिनट बाद पुलिस पहुंची। कपिल को जैसे-तैसे भीड़ के चंगुल से छुड़ाया। कपिल यादव अमेठी जिले के खानापुर का रहने वाला है।

आरोपी कपिल यादव ने अस्पताल में बताया- मैं सुबह अपने बच्चों और पत्नी प्रियंका को लेने गया था। पत्नी के पास लड़का और लड़की हैं, जिनकी पढ़ाई का नुकसान हो रहा था।

चाइनीज मांझे से किसान का गला कटा, 7 टांके लगे

बाइक से सब्जी लेने जा रहा था

गोरखपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। गोरखपुर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार किसान का गला कट गया। किसान सब्जी लेने के लिए मार्केट जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में मांझा उसकी गर्दन में फंस गया। मांझे से गर्दन कटते ही खून निकलने लगा और किसान बाइक समेत सड़क पर गिर गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे उठाया।

हादसा गीडा थाना क्षेत्र के नौसड़ में हुआ। किसान ने किसी तरह अपनी टी-शर्ट उतारकर गर्दन पर बांधी और खून रोकने की कोशिश की। इसके बाद वह इलाज के लिए डॉक्टर के पास पहुंचा। डॉक्टर ने उसकी गर्दन पर 7 टांके लगाए।

हादसे के बाद इलाके के लोगों का कहना है कि सड़क पर बाइक और स्कूटी से चलने वालों के लिए यह मांझा बड़ा खतरा बना हुआ है।

उन्होंने प्रशासन से इसकी बिक्री और इस्तेमाल पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है।

मिड डे मील में नमक की जगह सर्फ डाल परोस दिया खाना

नूरसराय में 24 से ज्यादा बच्चे बीमार

नालंदा, 18 अगस्त (एजेंसियां)। नूरसराय थाना क्षेत्र के मध्य विद्यालय परासी में मंगलवार को मिड डे मील खाने के बाद 2 दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों ने उल्टी और चक्कर आने की शिकायत की। इसके बाद विद्यालय में अफरातफरी मच गई। आनन-फानन में बच्चों को इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सकों की निगरानी में सभी का इलाज किया जा रहा है। सूचना मिलने पर सिविल सर्जन डॉ. जयप्रकाश सिंह भी सदर अस्पताल पहुंचे और बच्चों का हाल जाना। उन्होंने बताया कि सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं।

विद्यालय के प्राचार्य शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मध्याह्न भोजन (मिड डे मील) पास के एक एनजीओ से आता है। मंगलवार को मेनू के अनुसार बच्चों को सोयाबीन-चावल परोसा गया था। कुछ बच्चे खाना खा चुके थे। इसके बाद दूसरी पंक्ति में बैठे छात्र-छात्राएं भोजन कर रहे थे। इसी दौरान बच्चों ने खाने में नमक कम होने की शिकायत की। रसोईघर में नमक और सर्फ का डिब्बा एक ही जगह रखा हुआ था। बच्चों की शिकायत के बाद रसोइया ने गलती से नमक की जगह सर्फ डालकर भोजन परोस दिया। भोजन खाने के कुछ देर बाद बच्चों को उल्टी और चक्कर आने लगे। विद्यालय स्तर पर प्राथमिक उपचार का प्रयास किया गया, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं होने पर बच्चों को सदर अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में भर्ती बच्चों में प्रीति कुमारी (11) पिता धर्मेंद्र मालाकार, आयुषी कुमारी (12) पिता राजनीति कुमार, लक्ष्मी कुमारी (11) पिता जितेंद्र बिंद, नीतू कुमारी, शिवानी कुमारी (10) पिता रमेश मालाकार, चांदनी कुमारी (13) पिता चंदन कुमार, सजनी कुमारी, सुहानी (13) पिता मनीष कुमार, अनु कुमारी (15) पिता महेश प्रसाद, राखी कुमारी (11) पिता राकेश मालाकार और वैष्णवी कुमारी समेत दो दर्जन से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हैं। बच्चों के सदर अस्पताल पहुंचने की जानकारी मिलते ही उनके अभिभावक भी अस्पताल पहुंचने लगे।

मेंटेनेंस न देना पड़े इसलिए पहली पत्नी को मारी गोली

महीने के 15 हजार कमाता, 4 हजार देने होते महिला बोली- मेरी हत्या की प्लानिंग थी

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पटना में एक शख्स ने ससुराल पहुंचकर अपनी पहली पत्नी को गोली मार दी।

हालांकि महिला की किस्मत अच्छी रही और गोली का छर्रा उसके हाथ में लगा, जिससे वो मामूली रूप से घायल हो गई।

दरअसल, आरोपी पति सूरज कुमार (27) और पत्नी रंजू कुमारी (26) के बीच शादी के बाद से ही विवाद चल रहा था। पति को अवैध संबंध का शक है। दंपती का विवाद कोर्ट पहुंचा, जिसके बाद रंजू मायके में रहने लगी। कोर्ट ने सूरज को हर महीने मेंटेनेंस के रूप में 4 हजार रुपए देने का निर्देश दिया। पिछले 2 साल से वो मेंटेनेंस दे रहा था, लेकिन अपने पैसे बचाने के लिए उसने पत्नी पर गोली चलाई।

मामला रविवार रात का है, सोमवार को आरोपी पति को पुलिस ने खगौल से गिरफ्तार किया। घटना पिपरा थाना क्षेत्र की है।

किसानों की जरूरतों के अनुरूप हों बागवानी अनुसंधान : मंत्री तुम्मला

तीन-चार वर्षों में10 लाख एकड़ तक ऑयल पाम का विस्तार करने का लक्ष्य

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के कृषि, विपणन, सहकारिता, हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि बागवानी अनुसंधान किसानों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप होना चाहिए और अनुसंधान के परिणाम आधुनिक तकनीक के माध्यम से सीधे किसानों तक पहुंचाए जाने चाहिए। उन्होंने श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना बागवानी महाविद्यालय परिसर में बागवानी अनुसंधान परिसर की आधारशिला रखी। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि यह अनुसंधान परिसर तेलंगाना के बागवानी क्षेत्र को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम है। वैज्ञानिकों, विश्वविद्यालयों, अनुसंधान केंद्रों और बागवानी विभाग को मिलकर काम करते हुए अनुसंधान परिणाम वीडियो, लघु फिल्मों और सामाजिक माध्यमों के जरिए किसानों तक पहुंचाने चाहिए। उन्होंने बताया कि राज्य की कुल कृषि भूमि में बागवानी फसलों का हिस्सा करीब छह प्रतिशत है, लेकिन कृषि के सकल मूल्य में इनका योगदान 26 प्रतिशत यानी लगभग 30,346 करोड़ रुपये है। राज्य में सब्जियों की करीब 70 प्रतिशत कमी को दूर करने के लिए प्रत्येक जिले और मंडल मुख्यालय में प्रदर्शन खेत विकसित करने की आवश्यकता है। तुम्मला ने कहा कि राज्य के करीब 70 लाख किसानों में लगभग 90 प्रतिशत छोटे किसान हैं। इसलिए कम लागत, छोटी जोत में उपयोगी तकनीक, कृषि उपकरण और खेती की पद्धतियों पर अनुसंधान को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। ग्रामीण युवाओं के नए कृषि उपकरणों और नवाचारों को भी प्रोत्साहित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अगले तीन-चार वर्षों में तेलंगाना में ऑयल पाम का क्षेत्रफल 10 लाख एकड़ तक बढ़ाने का लक्ष्य है। कोको और जावित्री जैसी अंतरवर्ती फसलों से किसानों की अतिरिक्त आय बढ़ाई जा सकती है। मंत्री ने सूक्ष्म सिंचाई, संतुलित उर्वरक उपयोग, एकीकृत कीट प्रबंधन और फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने पर भी अनुसंधान बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों से जिलों में भी गतिविधियां बढ़ाने तथा हर तीन वर्ष के स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर अनुसंधान परिणामों को खेतों तक पहुंचाने का आग्रह किया।

बस्ती दवाखानों में स्टाफ़ और दवाइयों की कमी

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दम्माईगुडा-नागारम इलाके के एक बस्ती दवाखाने में सपोर्ट स्टाफ़ के तौर पर काम करने वाले कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी झुंझलाहट में मरीज़ों का रजिस्टर अपनी मेज़ पर पटक देते हैं। मेडिकल ऑफ़िसर (ड्यूटी डॉक्टर) एक ऑफ़िशियल मीटिंग में गए हैं और नर्स लंबी छुट्टी पर हैं, जिससे मरीज़ों को संभालने के लिए वह अकेले रह गए हैं। वे इसलिए नाराज़ नहीं हैं कि डॉक्टर और नर्स बाहर गए हैं, बल्कि इसलिए हैं क्योंकि उन्हें अभी तक अपनी 13,000 रुपये प्रति माह की सैलरी नहीं मिली है, जो पिछले तीन महीनों से रुकी हुई है। वे अपनी झुंझलाहट मरीज़ों पर निकालते हैं, जो खुद भी नाराज़ हैं क्योंकि डॉक्टर नहीं हैं और उनकी ब्लड प्रेशर और डायबिटीज़ की महीने भर की दवाइयां स्टॉक में नहीं हैं। ऐसे में उन्होंने मरीजों से कहा कि आप मुझसे मोटिवेटेड रहने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? स्टाफ़ की हमेशा कमी रहती है, बीपी और डायबिटीज़ की दवाइयां हर समय उपलब्ध नहीं होतीं, और हमें समय पर सैलरी नहीं मिलती, जिससे हमें प्राइवेट लेंडर से लोन लेना पड़ता है।

सीएम ने टैंकबंड पर सरदार सर्वाई पापन्ना गौड़ की प्रतिमा का अनावरण किया

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को हैदराबाद के टैंक बंड पर 18वीं सदी के महान बहुजन नायक सरदार सर्वाई पापन्ना गौड़ की प्रतिमा का अनावरण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पापन्ना गौड़ को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।मुख्यमंत्री ने कहा कि मुगल वर्चस्व और सामंती उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष करने वाले सरदार सर्वाई पापन्ना गौड़ की आत्मसम्मान, समानता और सामाजिक न्याय की विरासत आज भी प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि पापन्ना गौड़ के आदर्श राज्य के शासन और सामाजिक न्याय की दिशा में सरकार को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।रेवंत रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार तेलंगाना की क्षेत्रीय ऐतिहासिक हस्तियों और महान विभूतियों को उचित सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

टैंक बंड पर अन्य प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्वों के साथ पापन्ना गौड़ की प्रतिमा स्थापित किया जाना तेलंगाना के इतिहास में उनके महत्वपूर्ण योगदान को उचित पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश गौड़, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, तुम्मला नागेश्वर राव, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, डी. श्रीधर बाबू और सीताक्का, सरकारी सलाहकार वी. हनुमंत राव, सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी और अनिल कुमार यादव, सचेतक बीरला इलैया और बालमुर वेंकट, विधायक नवीन यादव, श्री गणेश, प्रकाश गौड़, मंडुला सामेल, कुंभम अनिल कुमार रेड्डी और राजेश रेड्डी, पूर्व सांसद मधु यशकी सहित बीसी समुदाय के नेता और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आदिवासी कांग्रेस संगठन मजबूत करने पर मंथन

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गांधी भवन में तेलंगाना आदिवासी कांग्रेस की राज्य कार्यकारिणी और जिला अध्यक्षों के चुनाव को लेकर कार्यकारी बैठक हुई। प्रदेश आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष केतावत शंकर नायक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि आदिवासी, अनुसूचित जनजाति और लम्बाडा वर्गों को कांग्रेस में उचित प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने व्यक्तिगत मतभेद भुलाकर पार्टी को गांव से राज्य स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति वर्ग को निगम अध्यक्ष पदों और विभिन्न समितियों में उचित प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और मेहनत करने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को उचित पहचान व जिम्मेदारी दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

जीएचएमसी की नगर नियोजन पर्यवेक्षक रिश्वत हुए पकड़ी गई

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के एक नगर नियोजन पर्यवेक्षक को मंगलवार को भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। एसीबी के अनुसार, आरोपी अधिकारी श्रीमती सी.एच. प्रभावाती, टाउन प्लानिंग सुपरवाइजर, जीएचएमसी संतोष नगर सर्कल-25, चारमीनार जोन ने एक शिकायतकर्ता से भवन निर्माण अनुमति फाइल को संसाधित करने और भवन निर्माण अनुमति आदेश और कार्य प्रारंभ पत्र सौंपने के बदले में रिश्वत की मांग की और स्वीकार की। सिटी रेंज-1 के एसीबी अधिकारियों ने अधिकारी को पकड़ लिया और उसकी सूचना पर उसके पास से 20,000 रुपये बरामद किए। एसीबी का आरोप है कि उसने अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए गलत और बेईमानी से काम किया था। आरोपी अधिकारी को न्यायिक हिरासत के लिए नामपल्ली स्थित विशेष न्यायाधीश (एसपीई एवं एसीबी मामले) के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से एसीबी ने शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी है।

एसीबी के जाल में फंसे वन अधिकारी

नागरकर्नूल, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । नागरकर्नूल जिले के लिंगाला वन कार्यालय से जुड़े दो वन अधिकारियों को नल्लामाला वन से लकड़ी ले जा रहे एक व्यक्ति से कथित तौर पर रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) के शिकंजे में लाया गया है। आरोपियों की पहचान राम बाबू , वन अनुभाग अधिकारी, और मुरली कृष्णा , वन बीट अधिकारी के रूप में हुई है। एसीबी के अनुसार, आरोपी अधिकारियों ने 23 जुलाई, 2026 को शिकायतकर्ता और अन्य लोगों को उस समय रोका जब वे लकड़ी ले जा रहे थे और कथित तौर पर रिश्वत न देने पर वन विभाग के खिलाफ मामला दर्ज करने और उनके बैलगाड़ियों को जब्त करने की धमकी दी।अधिकारियों ने शुरू में 1.20 लाख रुपये की मांग की, जिसे बाद में घटाकर 50 हजार रुपये कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने कथित तौर पर फोन पे के माध्यम से 28,000 रुपये और नकद में 22,000 रुपये का भुगतान किया। एसीबी ने बताया कि अधिकारियों ने बाद में आधिकारिक रसीद जारी करने के लिए 6,000 रुपये की अतिरिक्त मांग की। एसीबी ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में अनुचित और बेईमानी से काम किया ताकि वे अपने लिए अनुचित लाभ प्राप्त कर सकें।दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत के लिए नामपल्ली स्थित विशेष न्यायाधीश (एसपीई एवं एसीबी मामले) के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

मंत्री ने अर्जुन पुरस्कार के लिए धनुष श्रीकांत, गायत्री गोपीचंद की सराहना की

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । खेल मंत्री वकिति श्रीहरि ने तेलंगाना के निशानेबाज धनुष श्रीकांत और बैडमिंटन खिलाड़ी गायत्री गोपीचंद को प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर खुशी व्यक्त की है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और उत्कृष्टता का प्रदर्शन करके राज्य को गौरवान्वित किया है।धनुष श्रीकांत और गायत्री गोपीचंद को बधाई देते हुए श्रीहरि ने कहा कि उनकी उपलब्धि उनके समर्पण, दृढ़ संकल्प और खेल में उत्कृष्टता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा खिलाड़ियों को हर तरह का समर्थन और प्रोत्साहन देगी। उन्होंने बताया कि सरकार खेल अवसंरचना, खेल के मैदानों और प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दे रही है ताकि तेलंगाना के अधिक से अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। मंत्री ने कहा कि सरकार तेलंगाना को खेल के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में से एक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि तेलंगाना के खिलाड़ियों की उपलब्धियां युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी।

तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल ने फिलीपींस की प्रवासन नीति का अध्ययन किया

खाड़ी देशों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए पहल

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना एनआरआई सलाहकार समिति का एक प्रतिनिधिमंडल फिलीपींस की प्रवासन नीति और प्रवासी कामगारों के लिए कल्याणकारी तंत्रों की जांच करने के लिए तीन दिवसीय अध्ययन दौरे पर है। सरकारी सचेतक और विधायक आदि श्रीनिवास के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में समिति के अध्यक्ष डॉ. बीएम विनोद कुमार, उपाध्यक्ष मंधा भीम रेड्डी, विधायक डॉ. आर भूपति रेड्डी और अन्य सदस्य शामिल हैं। मनीला में एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने फिलीपींस के श्रम प्रवासन शासन, प्रवासी कल्याण प्रणालियों, नागरिक समाज की भागीदारी, ट्रेड यूनियन की भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन प्रथाओं का अध्ययन किया।

प्रतिनिधिमंडल ने पाया कि फिलीपींस ने दुनिया के सबसे सफल प्रवासन नीति ढांचों में से एक विकसित किया है और कहा कि तेलंगाना अपनी प्रस्तावित खाड़ी और प्रवासी कामगार कल्याण नीति के लिए उपयुक्त सर्वोत्तम प्रथाओं की जांच करेगा। यह अध्ययन यात्रा मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के उस दृष्टिकोण का हिस्सा है जिसके तहत तेलंगाना में खाड़ी देशों के प्रवासी भारतीयों के लिए एक समर्पित नीति और "खाड़ी देशों और अन्य प्रवासी कामगारों के कल्याण बोर्ड" की स्थापना की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल से फिलीपींस के अनुभव के आधार पर एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करने की उम्मीद है, जिसका उद्देश्य खाड़ी देशों और अन्य विदेशी गंतव्यों में कार्यरत लगभग 15 लाख तेलंगाना श्रमिकों के लिए सुरक्षा, कल्याण और सहायता प्रणालियों को मजबूत करना है।

राज्यपाल को 'सुनहरी मिट्टी अभियान' के शुभारंभ का निमंत्रण

निजामाबाद में 25 अगस्त को होगा हल्दी बाजार संपर्क कार्यक्रम

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद तथा राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को लोकभवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात कर उन्हें 25 अगस्त को निजामाबाद में आयोजित होने वाले 'सुनहरी मिट्टी अभियान' के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण दिया। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य हल्दी उत्पादकों को बाजार से बेहतर तरीके से जोड़ना है। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की अध्यक्ष पल्ले गंगारेड्डी और सचिव भवानी सहित प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को कार्यक्रम की जानकारी दी। निजामाबाद दौरे के दौरान राज्यपाल को 'नशा मुक्त युवा फॉर निजामाबाद' अभियान तथा धर्मपुरी अरविंद फाउंडेशन की ओर से आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भी शामिल होने का निमंत्रण दिया गया।

कई टॉलीवुड सेलेब्रिटीज़ ने वोटिंग का अधिकार छोड़ा

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में रहने वाले फिल्म इंडस्ट्री के कई सेलेब्रिटीज़ और जानी-मानी हस्तियों ने पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में अपने मूल स्थानों पर वोटिंग का अधिकार बनाए रखने का फैसला किया है। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (एसआईआर) के दौरान, टॉलीवुड के ज़्यादातर सेलेब्रिटीज़ और दूसरी इंडस्ट्रीज़ के प्रमुख लोगों ने, जिनके पास जुबली हिल्स में वोटिंग का अधिकार था, अपने मूल स्थानों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें छोड़ने का फैसला किया है।

इस बात की पुष्टि करते हुए, तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि कई टॉलीवुड सेलेब्रिटीज़, जिनमें बड़े फिल्मी परिवारों के लोग भी शामिल हैं, ने आंध्र प्रदेश में अपने मूल स्थानों को प्राथमिकता दी है।

अधिकारियों ने कहा, जब हमारे अधिकारियों और बीएलओज ने उनसे संपर्क किया, तो सेलेब्रिटीज़ ने बताया कि वे आंध्र प्रदेश में अपने गृहनगर में अपने वोट बनाए रखना चाहते हैं। हालाँकि सेलेब्रिटीज़ ने वहाँ अपने वोटिंग अधिकार का इस्तेमाल नहीं किया, लेकिन उन्होंने यहाँ अपने वोट छोड़ते हुए आंध्र प्रदेश में उन्हें बनाए रखा है।

जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के एक बड़े हिस्से का घर है, जिसमें एक्टर और डायरेक्टर से लेकर प्रोड्यूसर तक शामिल हैं, जो कई दशकों से इस इलाके में रह रहे हैं। असल में, उनमें से कई लोगों के पास यहाँ घर हैं और वे अपनी ज़्यादातर प्रोफेशनल और पर्सनल ज़िंदगी यहीं बिताते हैं।

जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र में, जहाँ कई टॉलीवुड सेलेब्रिटीज़ अपने वोटिंग अधिकार का इस्तेमाल करते रहे हैं, एसआईआर की जानकारी से पता चलता है कि 1,48,859 वोटर स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए हैं, जो हैदराबाद के 15 निर्वाचन क्षेत्रों में सबसे ज़्यादा है। इसी तरह, 8,232 वोटरों की मौत की सूचना है, 13,500 का पता नहीं चल पाया है, और 7,279 वोटर पहले से ही रजिस्टर्ड हैं।

तेलंगाना सीईओ के अधिकारियों ने कहा कि अपने गृहनगर से जुड़े रहने की इच्छा के कारण कई सेलेब्रिटीज़ ने वहाँ अपने वोटिंग अधिकार बनाए रखे हैं। इस फैसले की वजह उनके मूल स्थानों पर खेती की ज़मीन और दूसरी प्रॉपर्टीज़ का होना भी बताया जा रहा है।

केंद्रीय विद्यालय पिकेट, सिकंदराबाद में कला उत्सव का समापन समारोह संपन्न

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । केंद्रीय विद्यालय पिकेट, सिकंदराबाद में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ आयोजित कला उत्सव का समापन समारोह हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा, रचनात्मकता और सांस्कृतिक विरासत का शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह में केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के उपायुक्त संतोष कुमार, विद्यालय के प्राचार्य रूपिंदर सिंह तथा कर्नल पी. नागराजू बतौर अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों की उपस्थिति ने प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया और उन्हें आगे भी अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित किया। समारोह का मुख्य आकर्षण पुरस्कार वितरण समारोह रहा।

विभिन्न कला उत्सव प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के साथ प्रतिभागी विद्यार्थियों को भी पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। अतिथियों ने विद्यार्थियों की मेहनत, प्रतिभा और उत्साह की सराहना करते हुए उन्हें उपलब्धियों के लिए बधाई दी। प्राचार्य रूपिंदर सिंह ने कला उत्सव को सफल बनाने में योगदान देने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को रचनात्मक गतिविधियों में निरंतर भाग लेने और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

समारोह का समापन आनंदमय एवं प्रेरणादायक वातावरण में हुआ। कला उत्सव ने विद्यार्थियों को कला, संस्कृति, रचनात्मकता और प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया और उनके लिए यादगार अनुभव छोड़ गया।

तिरुमाला में कमरे हथियाने के लिए फर्जी आईडी का इस्तेमाल

दलालों के गिरोह का भंडाफोड़ हुआ

तिरुमला, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । तिरुमला टाउनशिप के सतर्कता अधिकारियों ने फर्जी पहचान दस्तावेजों का उपयोग करके तिरुमला आवास की खरीद और बाद में इसे श्रद्धालुओं को अधिक कीमतों पर बेचने वाले एक कथित दलाली रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

यह रैकेट 16 अगस्त को तब सामने आया जब सीआरओ के कर्मचारियों ने एक ऐसे व्यक्ति को देखा जिसने पहले ही कमरा बुक कर लिया था और वह दूसरी पहचान के साथ कतार में वापस आ रहा था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया और उसकी पहचान केरल के मलप्पुरम निवासी आशिक अली पीएम (32) के रूप में हुई। सतर्कता अधिकारियों ने उसके पास से दो फर्जी आधार कार्ड, एक कमरा पंजीकरण पर्ची, 800 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन जब्त किया। पूछताछ के दौरान, आशिक अली ने कथित तौर पर खुलासा किया कि वह रंजीत नामक एक दलाल के लिए काम करता था और फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके बुक किए गए प्रत्येक कमरे के लिए उसे 1,000 रुपये मिलते थे। कथित गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने के लिए जांच जारी है।टीटीडी सतर्कता विभाग की शिकायत के बाद, पुलिस ने तिरुमाला-2 टाउन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है और जब्त किए गए आधार कार्डों के तकनीकी साक्ष्य और प्रामाणिकता की जांच कर रही है। टीटीडी ने श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि वे दलालों से संपर्क न करें और अजनबियों के साथ आधार कार्ड विवरण, फोटो, फोन नंबर या अन्य व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। आवास केवल आधिकारिक सीआरओ काउंटर, टीटीडी वेबसाइट या मोबाइल ऐप के माध्यम से ही प्राप्त किया जाना चाहिए।

बिजली का झटका लगने से दुकानदार की मौत

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात बालानगर में अपनी दुकान पर साइनबोर्ड ठीक करने की कोशिश करते समय 26 साल के दुकानदार की बिजली का झटका लगने से मौत हो गई। मृतक संजू चौधरी गुजरात का रहने वाला था और करीब दस साल पहले अपने परिवार के साथ हैदराबाद आया था। परिवार बालानगर में कांच और हार्डवेयर की दुकान चलाता है और दुकान के ऊपर वाली मंजिल पर रहता है।

पुलिस के मुताबिक, संजू दुकान का काम-काज संभाल रहा था। उसने देखा कि दुकान की दीवार पर लगा साइनबोर्ड ढीला हो गया है, तो वह उसे बाइंडिंग वायर से ठीक करने के लिए ऊपर चढ़ा। ऐसा करते समय, वह ऊपर मौजूद हाई-टेंशन बिजली की तारों के संपर्क में आ गया। उसे बिजली का जोरदार झटका लगा और वह बेहोश हो गया। उसे तुरंत पास के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 19 अगस्त - 2026

हेमंत ने सीबीआई जांच के अलावा सभी मांगें मानी

संजय सक्सेना

झारखंड में छात्रों के चौतरफा और ऐतिहासिक आंदोलन के आगे आखिरकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार झुक गई है और उसने राज्य की सबसे विवादित झारखंड कर्मचारी चयन आयोग-संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा को रद्द करने के साथ ही साल 2014 से अब तक निजी एजेंसी टीडीपीएल द्वारा ली गई सभी भर्ती परीक्षाओं और नियुक्तियों को पूरी तरह खारिज कर दिया है।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कैबिनेट की एक मैराथन बैठक बुलाई और इस बड़े फैसले पर मुहर लगा दी। छात्रों की इस अभूतपूर्व जीत के बाद राज्य भर के परीक्षा केंद्रों और प्रदर्शन स्थलों पर जश्न का माहौल है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में एक बड़ा पेंच अभी भी फंसा हुआ है। छात्र संगठन इस पूरे घोटाले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो यानी सीबीआई जांच की मांग पर अड़े हुए हैं, जिसे राज्य सरकार ने फिलहाल सिरे से खारिज कर दिया है। मुख्यमंत्री सोरेन ने इस पूरे मामले की कमान राज्य की अपराध अनुसंधान विभाग और विशेष जांच दल को सौंपते हुए वर्ष 2014 से हुई गड़बड़ियों की व्यापक जांच का आदेश दिया है, लेकिन वह केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार से सीबीआई जांच की सिफारिश करने से साफ बच रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों और जानकारों का मानना है कि राज्य सरकार को डर है कि अगर यह जांच सीबीआई के हाथों में चली गई, तो जांच की आंच सीधे सरकार के शीर्ष अधिकारियों और सत्ता के गलियारों तक पहुंच जाएगी, जिससे उनकी राजनीतिक गर्दन पूरी तरह से दिल्ली में बैठी केंद्र सरकार के हाथों में आ जाएगी। इस पूरे विवाद की जड़ में वह परीक्षाएं हैं, जिन्हें लेकर पिछले कई महीनों से राज्य का युवा सड़कों पर उतरा हुआ था। छात्रों के भारी दबाव के बाद झारखंड सरकार ने जिन प्रमुख परीक्षाओं को रद्द किया है, उनमें सबसे बड़ी जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा शामिल है। इसके अलावा, एक विवादित और दागी आउटसोर्सिंग एजेंसी 'टीआरएस डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड' (टीडीपीएल) के जरिए वर्ष 2014 से लेकर अब तक जितनी भी परीक्षाएं आयोजित की गई थीं, उनके परिणाम जारी हुए थे या जिन अभ्यर्थियों का चयन हुआ था, उन सभी प्रक्रियाओं को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। इतना ही नहीं, सरकार ने इससे पहले ही छात्रों के भारी विरोध को देखते हुए 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की प्रारंभिक परीक्षा और वर्ष 2023 और 2025 में आयोजित जेपीएससी की बैकलॉग परीक्षाओं को भी रद्द करने का फैसला लिया था। इन परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर प्रश्नपत्र लीक होने, डिजिटल धांधली करने और पैसों के लेन-देन के गंभीर आरोप लगे थे, जिसके बाद तीन जेपीएससी सदस्यों को अपने पदों से इस्तीफा तक देना पड़ा था। सरकार ने अब परीक्षाओं के आयोजन में सुधार लाने और पूरी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमिताभ कौशल के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय परीक्षा सुधार समिति का गठन भी कर दिया है।पिछले 24 दिनों का घटनाक्रम झारखंड के इतिहास में युवाओं के सबसे बड़े और संगठित विद्रोह की कहानी बयां करता है। आंदोलन की शुरुआत जुलाई के आखिरी हफ्तों में हुई थी, जब जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा के आयोजन और उसके नतीजों में भारी विसंगतियां और धांधली के सबूत सोशल मीडिया पर तैरने लगे थे। इसके बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने रांची की सड़कों पर उतरकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन शुरू कर दिया।

देखते ही देखते इस आंदोलन ने एक उग्र रूप ले लिया और छात्र नेताओं ने जयपाल सिंह स्टेडियम और अन्य प्रमुख स्थलों पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। पिछले दो हफ्तों से छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो और राहुल क्रांति समेत कई अन्य अभ्यर्थी आमरण अनशन पर बैठ गए थे। भूख हड़ताल की वजह से कई छात्रों की तबीयत इस कदर बिगड़ गई कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इसके बावजूद छात्रों का हौसला नहीं डगमगाया और उन्होंने सरकार से साफ कह दिया कि जब तक परीक्षाएं रद्द नहीं होंगी और पारदर्शी जांच की गारंटी नहीं मिलेगी, वे पीछे नहीं हटेंगे। छात्रों ने 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने और राज्य विधानसभा तक एक विशाल पैदल मार्च निकालने का भी एलान कर दिया था, जिसने सोरेन सरकार के भीतर एक राजनीतिक घबराहट पैदा कर दी थी। आंदोलन के बढ़ते दबाव और छात्रों की बिगड़ती सेहत को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अपने मंत्रियों के साथ एक आपातकालीन बैठक करनी पड़ी। इस बैठक में राज्य के खुफिया इनपुट और पुलिस विभाग की रिपोर्ट को सामने रखा गया, जिसमें यह साफ हो गया था कि छात्रों का यह गुस्सा राज्य सरकार के लिए आगामी चुनावों में भारी नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने खुद सामने आकर घोषणा की कि सीआईडी और एसआईटी की जांच में कुछ बेहद चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं, जिन्हें इस मोड़ पर उजागर नहीं किया जा सकता। उन्होंने माना कि परीक्षाओं का संचालन करने वाली बाहरी एजेंसियां एक बड़े रैकेट का हिस्सा हैं, जो झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही थीं। सरकार ने तुरंत टीडीपीएल को ब्लैकलिस्ट करते हुए उसके द्वारा कराए गए पिछले दस साल के सभी कामों को शून्य घोषित कर दिया। मंत्रियों की मौजूदगी में अस्पताल में भर्ती अनशनकारी छात्रों को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म कराया गया, जिसे छात्र संगठनों ने अपनी आधी और ऐतिहासिक जीत माना। हालांकि, परीक्षाओं के रद्द होने से आंदोलन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि इसने एक नया राजनीतिक और कानूनी मोड़ ले लिया है। छात्र संगठन और विपक्षी दल अब भी इस बात पर अड़े हैं कि राज्य की सीआईडी या एसआईटी इस विशाल सिंडिकेट और उसके असली सरगनाओं को कभी नहीं पकड़ पाएगी।

छात्रों का तर्क है कि जब तक इस पूरे मामले की जांच देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी सीबीआई नहीं करेगी, तब तक पर्दे के पीछे बैठे असली 'मास्टरमाइंड' और सफेदपोश राजनेता कभी बेनकाब नहीं होंगे। दूसरी तरफ, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का सीबीआई जांच से इनकार करना उनकी राजनीतिक मजबूरी और केंद्रीय एजेंसियों के डर को दर्शाता है। सोरेन सरकार का मानना है कि केंद्र की भाजपा सरकार सीबीआई का इस्तेमाल विपक्षी दलों को कुचलने और राज्य सरकारों को अस्थिर करने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में करती रही है। मुख्यमंत्री खुद भूमि घोटाले से जुड़े एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद महीनों जेल में बिताकर हाल ही में जमानत पर बाहर आए हैं। ऐसे में वे भली-भांति जानते हैं कि अगर उन्होंने इस परीक्षा घोटाले की चाबी सीबीआई को सौंप दी, तो केंद्र सरकार इस जांच का दायरा बढ़ाकर उनके करीबियों और सरकार के मंत्रियों तक पहुंचा देगी, जिससे पूरी सरकार संकट में आ सकती है।

नई जमावट, नई चुनौती

भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में अपनी नई संगठनात्मक टीम का ऐलान कर दिया है। इसे महज पदों की अदला-बदली मानना भूल होगी। 65 सदस्यीय टीम में 51 नए चेहरों से लबरेज भाजपा ने संगठन में बड़े बदलाव का संकेत दिया है। साथ ही अनुभवी नेताओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर निरंतरता बनाए रखने की कोशिश की गई है। साफ है कि पार्टी नई ऊर्जा और पुराने अनुभव के सहारे आने वाली राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने की तैयारी में है। नई टीम में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश भी साफ दिखाई देती है। दस महिलाओं और छह अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को जगह दी गई है। इसका उद्देश्य केवल प्रतिनिधित्व का आंकड़ा बढ़ाना नहीं होना चाहिए। असली सवाल यह है कि इन नेताओं को संगठन और चुनावी रणनीति में कितनी प्रभावी भूमिका मिलती है। विविधता तभी राजनीतिक ताकत बनेगी, जब उसका असर पार्टी के संगठनात्मक ढांचे और जमीन पर दिखाई दे। नई टीम में कुछ नाम विशेष रूप से राजनीतिक संदेश देते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है, जबकि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। रणनीतिक राजनीति और संगठनात्मक अनुभव के लिए पहचाने जाने वाले राम माधव की भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी हुई है। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। यानी भाजपा ने नए चेहरों के बीच अनुभवी नेताओं की उपयोगिता को भी तरजीह दी है। आईटी और सोशल मीडिया के मोर्चे पर हुआ बदलाव भी महत्वपूर्ण है। लगभग 11 वर्षों के लंबे समय से भाजपा के डिजिटल अभियान का प्रमुख चेहरा रहे अमित मालवीय अब नई राष्ट्रीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह दीपक म्हास्के को सोशल मीडिया की जिम्मेदारी दी गई है। यह बदलाव बताता है कि पार्टी अपने डिजिटल संचार तंत्र को भी नए सिरे से व्यवस्थित करना चाहती है। आज चुनावी राजनीति में सोशल मीडिया केवल प्रचार का माध्यम नहीं, बल्कि जनमत निर्माण का बड़ा हथियार बन चुका है। बता दें कि संगठन की असली ताकत पदाधिकारियों की सूची से नहीं, उनके प्रदर्शन से तय होगी। लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली पार्टी के सामने कार्यकर्ताओं में सक्रियता बनाए रखना, राज्यों के नेतृत्व के साथ बेहतर तालमेल करना और जनता के बीच अपनी स्वीकार्यता को लगातार मजबूत करना बड़ी चुनौती होती है। भाजपा को भी इस चुनौती से गुजरना होगा। नितिन नवीन के सामने इसलिए दोहरी परीक्षा है। उन्हें एक ओर युवा नेतृत्व की ऊर्जा को संगठन की ताकत बनाना होगा, तो दूसरी ओर वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का सही इस्तेमाल करना होगा। आगामी विधानसभा चुनाव इस नई टीम की पहली बड़ी कसौटी होंगे। खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राजनीतिक रूप से निर्णायक राज्य में संगठन की क्षमता परखी जाएगी। नई टीम ने बदलाव का संदेश दे दिया है। अब असली सवाल यह नहीं कि किसे कौन-सा पद मिला, बल्कि यह है कि यह टीम भाजपा को कितनी मजबूती से जमीन पर उतार पाती है। संगठन की यह नई जमावट तभी सफल मानी जाएगी, जब इसका असर कागज से निकलकर कार्यकर्ता, मतदाता और चुनावी मैदान पर दिखाई दे।

बदइंतजामी :आस्था की कीमत जीवन देकर चुकाते श्रद्धालु!

मनोज कुमार अग्रवाल

देश भर के धार्मिक तीर्थ स्थलों मंदिरों पर बदइंतजामी चरम पर है कमोवेश सभी जगह एक सी हालत है कुप्रबन्ध का फायदा उठा कर व्यवस्था में लगे सेवादार सुविधा शुल्क लेकर अपनी जेब भरते हैं और चोर रास्ते से लाइन तोड़ कर दर्शन कराते हैं जबकि आम श्रद्धालु घंटों भूख प्यास सह कर भी लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करता है। अधिकांश बड़े मंदिरों पर तो बाकायदा पैसे देकर वीआईपी दर्शन की सुविधा को ही वैधता दे दी गई है। बहरहाल इस सब बदइंतजामी के चलते अब आस्था का मोल श्रद्धालु अपनी जान देकर चुकाने को मजबूर हैं श्रावण मास का तीसरा सोमवार 17 अगस्त 2026 श्रद्धालुओं के जीवन पर भारी पड़ गया। इस दिन विभिन्न राज्यों में धार्मिक स्थलों पर हुई भगदड़ और हादसों में कुल 27 लोगों की मौत हो गई। बिहार के लखीसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में भगदड़ से 7 श्रद्धालुओं की जान चली गई, जबकि कई अन्य हादसों में कम से कम बीस जान गयीं हैं जबकि हताहतों की तादाद सैकड़ों की संख्या में है। घायल हुए। दरअसल यह हादसों की पहली बार नहीं है हिन्दू धर्म स्थानों पर कुप्रबन्ध अव्यवस्था रखरखाव में गड़बड़ी संकीर्ण गलियारे और श्रद्धालुओं की बढ़ती तादाद असंयमित व्यवहार के साथ ही अफवाहों की साजिशें हर पर्व त्योहार दर्शन स्नान मेलों में हादसों की श्रृंखला बना रहे हैं।

आपको बता दें कि बिहार के अशोकधाम मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर जलाभिषेक के दौरान बिजली का खंभा गिरने और अफवाह फैलने से मची भगदड़ में 7 श्रद्धालुओं की मौत और 19 से अधिक घायल हुए। वहीं मध्य-प्रदेश में उज्जैन के महाकाल मंदिर सहित चार राज्यों में विभिन्न हादसों और भीड़ के दबाव के कारण कुल 27 लोगों की जान चली गई।अभी दो माह पहले ही महाराष्ट्र के परभणी जिले की मानवत तहसील स्थित यशवाड़ी मारुति मंदिर में शनिवार को हुआ दर्दनाक हादसा पूरे देश को झकझोर दिया । मंदिर परिसर के सामने बना सभा मंडप अचानक भरभराकर गिर पड़ा, जिसके कारण कई श्रद्धालु मलबे में दब गए छह लोगों की मौत हो गई थी।

आपको याद होगा कि महाकुंभ मेला, प्रयागराज जनवरी 2025 मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर संगम में पवित्र स्नान के लिए लाखों श्रद्धालु एकत्र हुए थे। अखाड़ा मार्ग पर तीर्थयात्रियों के अत्यधिक दबाव से अचानक बैरिकेड्स ढह गए। इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों की मौत हुई और 60 से ज्यादा घायल हुए।इसी तरह तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर, आंध्र प्रदेश में जनवरी 2025 वैकुंठ एकादशी त्योहार के दौरान वीआईपी और सामान्य दर्शन टिकट लेने के लिए हजारों श्रद्धालुओं के बीच धक्का-मुक्की शुरू हुई। इस भीड़ के अनियंत्रित होने से मची भगदड़ में 6 श्रद्धालुओं की मौत हुई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए। वहीं हाथरस सत्संग, उत्तर प्रदेश 2 जुलाई 2024 को एक धार्मिक आयोजन में बरती गयी लापरवाही सैकड़ों श्रद्धालुओं की जान ले गयी। यह हाल के वर्षों की सबसे भीषण घटनाओं में से एक है। क्षमता से तीन गुना अधिक यानी करीब 2.5 लाख लोग एक अस्थायी टेंट में जमा हो गए थे। बाबा के जाने के बाद धूल छूने की होड़ और अत्यधिक गर्मी व उमस के कारण मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई। माता वैष्णो देवी भवन जनवरी 2022 को नए साल के मौके पर जम्मू-कश्मीर के कटरा में स्थित वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच हुई रेलमपेल में 12 लोगों की जान चली गई थी।रतनगढ़ माता मंदिर, दतिया मध्य-प्रदेश में अक्टूबर 2013 नवरात्रि के दौरान मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं के बीच पुल टूटने की अफवाह उड़ी, जिससे मची भगदड़ में 89 लोगों की मौत हुई थी। छठ घाट पर नवंबर 2012 में बिहार की राजधानी पटना में छठ पर्व के दौरान नदी घाट पर अचानक मची अफरा-तफरी के कारण 20 व्रतियों और श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।

दिमागी नक्सली वाले बयान पर क्यों भड़का विपक्ष?

अजय कुमार

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिया गया भाषण देश की राजनीति में एक नया मोड़ ले आया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार ने हथियार उठाने वाले नक्सलियों को लगभग समाप्त कर दिया है, लेकिन देश के भीतर अब एक नया खतरा पैदा हो गया है, जिसे उन्होंने 'दिमागी नक्सली' कहा। उनके अनुसार, ये लोग बंदूकों से नहीं, बल्कि अपनी विचारधारा और विमर्श से देश को नुकसान पहुंचाने और युवाओं को गुमराह करने की ताक में रहते हैं। इस बयान के आते ही भारतीय राजनीति में एक भूचाल-सा आ गया। विपक्षी दलों ने इस शब्दावली को एक बड़े हथियार के रूप में लपक लिया और सरकार के खिलाफ एक अनोखा विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस विरोध की शुरुआत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के एक बड़े बयान से हुई, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से खुद को 'दिमागी नक्सली' घोषित कर दिया। इसके बाद देखते ही देखते आम आदमी पार्टी और कई अन्य क्षेत्रीय दलों के नेताओं ने भी खुद को इस श्रेणी में खड़ा करना शुरू कर दिया। नेताओं द्वारा खुद को दिमागी नक्सली बताने की यह होड़ सिर्फ एक तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरी राजनीतिक बिसात और रणनीतियां छिपी हुई हैं, जो आने वाले समय में देश की राजनीति की दिशा और दशा तय करेंगी। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे पहला और गहरा असर राजनीतिक विमर्श के स्तर पर देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'दिमागी नक्सली' शब्द का इस्तेमाल उन लोगों को घेरने के लिए किया था, जो सरकार की नीतियों का विरोध करते हैं और जिनके बारे में सत्ता पक्ष का मानना है कि वे देश के विकास में बाधा डालते हैं। लेकिन विपक्ष ने इस आक्रामक हमले को एक रक्षात्मक कवच में बदल दिया। पी. चिदंबरम और आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा खुद को दिमागी नक्सली कहना वास्तव में सरकार की परिभाषा का मज़ाक उड़ाना और उसकी धार को कुंद करना है। विपक्ष का यह कदम यह संदेश देने की कोशिश है कि अगर सरकार पर सवाल उठाना, नीतियों की आलोचना करना और युवाओं को जागरूक करना नक्सलवाद है, तो वे गर्व से इस ठप्पे को स्वीकार करते हैं। इससे देश की राजनीति में एक नया ध्रुवीकरण पैदा हो गया है, जहां एक तरफ सरकार देशभक्ति और राष्ट्रवाद के नाम पर असहमति को दबाने का प्रयास करती दिख रही है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष इस असहमति को लोकतंत्र की आत्मा बताकर खुद को पीड़ित और क्रांतिकारी के रूप में पेश कर रहा है।

इस राजनीतिक उठापटक का दूसरा बड़ा पहलू युवाओं और देश के बौद्धिक वर्ग पर पड़ने वाला प्रभाव है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में विशेष रूप से युवाओं का जिक्र किया था कि उन्हें ये दिमागी नक्सली भटका रहे हैं। भारत एक युवा-प्रधान देश है और युवाओं की राय चुनाव के नतीजों को पलटने की ताकत रखती है। विपक्ष द्वारा खुद को दिमागी नक्सली बताना युवाओं के एक बड़े वर्ग को आकर्षित कर सकता है, खासकर उन छात्रों और बुद्धिजीवियों को, जो विश्वविद्यालयों में सरकार की शिक्षा नीतियों, बेरोजगारी और अभिव्यक्ति की आज़ादी पर बहस करते हैं। जब बड़े नेता खुद पर यह ठप्पा लगाते हैं, तो वे युवाओं को यह अहसास कराते हैं कि स्थापित व्यवस्था के खिलाफ सोचना या सवाल पूछना कोई अपराध नहीं है। इसके विपरीत, सत्ता पक्ष इस विमर्श को स्थापित करने में जुटेगा कि विपक्ष देश के विकास को पटरी से उतारने वाली ताकतों के साथ खड़ा है। यह खींचतान देश के युवाओं के बीच वैचारिक विभाजन को और गहरा करेगी, जिससे वे रचनात्मक विमर्श के बजाय राजनीतिक खेमेबाजी का हिस्सा बनने लगेंगे।

तीसरा बड़ा असर देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की राजनीति पर पड़ेगा। अब तक नक्सलवाद को एक भौगोलिक और हथियारबंद समस्या के रूप में देखा जाता था, जिसे पुलिस और सेना के जरिए हल किया जा रहा था। लेकिन अब जब यह लड़ाई 'दिमाग' और 'विचारधारा' के स्तर पर आ गई है, तो सरकार की जांच एजेंसियों की भूमिका पर भी सवाल उठेंगे। विपक्ष का डर यह है कि 'दिमागी नक्सली' की आड़ में सरकार अपने आलोचकों, पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विपक्षी नेताओं को निशाना बना सकती है। जब विपक्ष के नेता खुद आगे बढ़कर यह टैग अपना रहे हैं, तो वे एक तरह से सरकार को यह चुनौती दे रहे हैं कि यदि वे नक्सली हैं, तो सरकार उन पर कार्रवाई करके दिखाए। यह स्थिति देश की न्यायपालिका और सुरक्षा एजेंसियों के लिए भी एक परीक्षा की घड़ी होगी, क्योंकि उन्हें विचार की स्वतंत्रता और देश के खिलाफ साजिश के बीच एक बहुत ही महीन रेखा खींचनी होगी। राजनीति के इस खेल में अगर कानूनी कार्रवाइयां बढ़ती हैं, तो इससे राजनीतिक प्रतिशोध की भावना और बढ़ेगी, जिससे लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर हो सकती है।

चौथा महत्वपूर्ण प्रभाव आम चुनाव और क्षेत्रीय राजनीति के समीकरणों पर दिखाई देगा। इस नए विवाद ने विपक्ष को एक ऐसा साझा मंच दे दिया है, जहां विचारधाराओं के मतभेद भूलकर कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और अन्य दल एक सुर में बोल रहे हैं। 'दिमागी नक्सली' शब्द अब एक राजनीतिक पहचान बन रहा है, जिसका इस्तेमाल विपक्ष सरकार-विरोधी वोटों को एकजुट करने के लिए करेगा। आम आदमी पार्टी जैसी पार्टियां, जो हमेशा से खुद को आम आदमी की आवाज़ और व्यवस्था-विरोधी बताती रही हैं, इस विमर्श का उपयोग अपने कैडर को और अधिक आक्रामक बनाने के लिए करेंगी। वहीं दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी इस पूरे मामले को राष्ट्रवाद बनाम देश-विरोधी ताकतों के पुराने और परखे हुए नैरेटिव में ढालने की कोशिश करेगी। भाजपा अपने मतदाताओं को यह समझाने का प्रयास करेगी कि विपक्ष के नेता खुद स्वीकार कर रहे हैं कि उनकी मानसिकता नक्सली है, जो देश की अखंडता के लिए खतरा है। यह चुनावी जंग को और अधिक तीखा और व्यक्तिगत बना देगा, जहां नीतियों पर बहस कम और एक-दूसरे के चरित्र और राष्ट्रभक्ति पर सवाल ज्यादा उठाए जाएंगे। अंततः, इस पूरे विवाद का देश की लोकतांत्रिक संस्कृति पर बहुत गहरा और दूरगामी असर पड़ने वाला है। जब देश की राजनीति में शब्दों की मर्यादा टूटने लगती है और सर्वोच्च पदों से दिए गए बयानों को मज़ाक या ढाल बना लिया जाता है, तो जनता का राजनीतिक व्यवस्था से भरोसा डगमगाने लगता है। प्रधानमंत्री और विपक्ष के बीच चल रही यह 'शब्दों की जंग' यह दिखाती है कि भारतीय राजनीति अब मुद्दों से हटकर पूरी तरह से नैरेटिव और धारणाओं के खेल पर टिकी हुई है।

शीशे का चश्मा

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

सदर तहसील कार्यालय के मुख्य प्रांगण में पचहत्तर साल के जगन्नाथ जी हर दिन सुबह ठीक दस बजे आकर खड़े हो जाते थे। वह कार्यालय जहाँ ईमानदारी केवल नोटिस बोर्ड पर चिपकी रहती है और भ्रष्टाचार फाइलों के भीतर एयरकंडीशंड हवा खाता है वहां उनका आगमन किसी पुराने पाप की तरह लगता था। उनके हाथ में प्लास्टिक का एक पुराना ऐनक का ढांचा होता था जिसका बायां शीशा गायब था और दाहिनी तरफ केवल एक धुंधला कांच बचा हुआ था जिसे देखकर लगता था कि व्यवस्था ने उनकी एक आंख का मोतियाबिंद तो ठीक किया पर दूसरी आंख का वजूद ही डकार लिया। तहसील का नया चपरासी जो साहबों की जूठन और अहंकार चाटकर खुद को आधा तहसीलदार समझने लगा था उन्हें धूप में खड़ा देखता तो चुटकी लेते हुए कहता कि बाबा जब चश्मे का एक शीशा फूट ही गया है तो इसे रोज़ अपनी हथेली पर सजाकर यहाँ अफ़सरों का रास्ता क्यों रोकते हो क्या अपनी दरिद्रता का विज्ञापन कर रहे हो। जगन्नाथ जी अपनी झुर्रियों से ढकी धुंधली आँख से उस एक शीशे के पार देखने की कोशिश करते और बहुत शांत स्वर में उत्तर देते कि बेटा यह टूटा हुआ चश्मा केवल कांच का टुकड़ा नहीं है बल्कि इस पूरे महकमे की वो एकतरफा दृष्टि है जिसे दुनिया का सच कभी पूरा दिखाई ही नहीं देता क्योंकि सच देखने के लिए ज़मीर की ज़रूरत होती है और यहाँ ज़मीर कब्ज़ का शिकार होकर फाइलों में दफन है। दफ़्तर में आने वाले तमाम मुंशी जो मुवक्किलों का खून चूसकर लाल हो रहे थे और फरियादी जिनका खून सूख चुका था उनका उपहास उड़ाते हुए कहते कि लगता है बूढ़े का दिमाग पूरी तरह सठिया चुका है जो एक आंख से सरकारी इमारत को घूरकर अपना काम कराना चाहता है जबकि यहाँ तो चार आंखों वाले भी अंधे होकर मेज़ के नीचे हाथ फैलाते हैं। जगन्नाथ जी किसी की कड़वी बात का बुरा माने बिना उस एक शीशे वाले चश्मे को अपनी फटी हुई धोती के कोने से पोंछते जो खुद व्यवस्था की तरह तार तार हो चुकी थी और चुपचाप पीपल के पेड़ की छांव में खड़े रहकर फ़ाइलों का इंतज़ार करते रहते थे मानों वह फाइलें न होकर मोक्ष का मार्ग हों। जगन्नाथ जी की यह अनूठी दिनचर्या पिछले दो सालों से बिना किसी नागा के जारी थी क्योंकि सरकारी तंत्र में काम रुकने की गारंटी होती है पर चलने की कोई उम्मीद नहीं होती। दफ़्तर का बड़ा बाबू जब भी अपनी चमकती कार से उतरता जो दरअसल आम जनता की हड्डियों के चूरे से बनी सड़क पर दौड़ती थी तो जगन्नाथ जी उसके सामने वही टूटा हुआ चश्मा आगे बढ़ा देते और कहते कि बाबू जी क्या आज मेरी ज़मीन के उस टुकड़े का सही नक्शा बन गया। बाबू चिढ़कर चश्मा ठीक करता और गुस्से में चिल्लाकर कहता कि अरे बूढ़े जब तक सर्वेक्षण की टीम दोबारा गाँव नहीं जाएगी और पटवारी की रिपोर्ट दर्ज नहीं होगी जिसे दर्ज करने के लिए पटवारी को दक्षिणा की ज़रूरत है तब तक कागज़ में एक इंच भी बदलाव नहीं होगा और तुम इस टूटे ऐनक को लेकर ताउम्र यहाँ चक्कर काटते रहोगे क्योंकि यहाँ कागज़ नहीं बल्कि नोट बोलते हैं। जगन्नाथ जी बिना कोई विरोध दर्ज कराए उस ऐनक को अपने पुराने सूती झोले में सहेजते और गाँव की ओर जाने वाली कच्ची सड़क पर चुपचाप पैदल ही निकल पड़ते थे जो सड़क शायद कागज़ों पर तीन बार पक्की बनकर अफ़सरों के पेट में पच चुकी थी।

तुलसीदास की राम भक्ति में है अजब सी शक्ति

योगेश कुमार गोयल

रामचरित मानस के जरिये समूची मानव जाति को श्रीराम के आदर्शों से जोड़ते हुए श्रीराम को जन-जन के राम बना देने वाले गोस्वामी तुलसीदास को जन-जन के कवि कहा जाता है। तुलसीदास को आखिर गोस्वामी क्यों कहा जाता है, यह जानना दिलचस्प है। दरअसल गोस्वामी का अर्थ है, इंद्रियों का स्वामी अर्थात जिसने अपनी इंद्रियों को वश में कर लिया हो यानी जितेन्द्रिय। तुलसीदास जी पत्नी के धिक्कारने पर सांसारिक मोहमाया से विरक्त होकर संन्यासी अर्थात जितेन्द्रिय या गोस्वामी हो गए थे। इसी परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास जी को गोस्वामी की उपाधि से विभूषित किया जाने लगा। महान ग्रंथ 'श्री रामचरित मानस' के रचयिता और मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त तुलसीदास जी की जयंती विक्रमी संवत के अनुसार हर साल श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी को मनाई जाती है, जो इस वर्ष 19 अगस्त को मनाई जा रही है। विक्रमी संवत 1554 में उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के राजापुर नामक गांव में जन्मे तुलसीदास ने जीवन की मुसीबतों से हार मानने के बजाय तमाम कठिनाईयों का डटकर मुकाबला किया।

तुलसीदास जी का विवाह दीनबंधु पाठक की अत्यंत विदुषी पुत्री रत्नावली से हुआ था। तुलसीदास रत्नावली पर अत्यंत मुग्ध थे और उससे बहुत प्रेम करते थे। एक दिन की बात है, रत्नावली अपने मायके गई हुई थी लेकिन तुलसीदास को उसकी याद सता रही थी। रात का समय था, मूसलाधार बारिश हो रही थी, ऐसे मौसम में भी तुलसीदास उफनती नदी को पार कर पत्नी से मिलने देर रात उसके मायके जा पहुंचे। रत्नावली अपने पति तुलसीदास के इस कृत्य पर बहुत लज्जित हुई और ताना मारते हुए तुलसीदास को कहा कि जितना प्रेम हाड़-मांस के मेरे इस शरीर से कर रहे हो, यदि उतना ही प्रेम प्रभु श्रीराम से किया होता तो भवसागर पार हो गए होते। लज्जित अवस्था में पत्नी द्वारा मारे गए ताने ने तुलसीदास के जीवन की दिशा बदल डाली। उसके बाद उनके मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया और वे भगवान राम की भक्ति में रम गए।

उसी दौरान एक दिन स्वामी नरहरिदास उनके गांव आए, जिन्होंने तुलसीदास को दीक्षा देते हुए आगे के जीवन की राह दिखाई। उसके बाद तुलसीदास ने रामकथा में ही सुखद समाज की कल्पना करते हुए इसे आदर्श जीवन का मार्ग दिखाने का माध्यम बना लिया। गुरु नरहरिदास से शिक्षा-दीक्षा लेने के बाद ही उन्हें रामचरित मानस लिखने की प्रेरणा मिली। गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित इसी 'रामचरित मानस' को आज भी देशभर में एक महान ग्रंथ के रूप में बड़े ही आदर और सम्मान से साथ देखा जाता है। तुलसीदास जी ने वैसे अपने जीवनकाल में कवितावली, दोहावली, हनुमान बाहुक, पार्वती मंगल, रामलला नहछू, विनयपत्रिका, कवित्त रामायण, बरवै रामायण, वैराग्य संदीपनी इत्यादि कुल 12 पुस्तकों की रचना की किन्तु उन्हें सर्वाधिक ख्याति रामचरित मानस के जरिये ही मिली। हालांकि जब उन्होंने रामचरित मानस की रचना की थी, उस जमाने में संस्कृत भाषा का प्रभाव बहुत ज्यादा था, इसलिए आंचलिक भाषा में होने के कारण शुरूआत में इसे मान्यता नहीं मिली थी लेकिन सरल भाषा में होने के कारण कुछ ही समय बाद यह ग्रंथ जन-जन में बहुत लोकप्रिय हुआ।

गोस्वामी तुलसीदास भारतीय भक्ति साहित्य के ऐसे अमर कवि हैं, जिनकी वाणी ने भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और लोकमंगल की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का अद्वितीय कार्य किया। अनेक विद्वान तुलसीदास को महर्षि वाल्मीकि का अवतार भी मानते हैं। महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में 'रामायण' की रचना कर श्रीराम के जीवन, चरित्र और आदर्शों को साहित्य के अमर पटल पर अंकित किया था। इसी महान परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोस्वामी तुलसीदास ने लोकभाषा अवधी में 'रामचरितमानस' की रचना की और रामकथा को राजमहलों तथा विद्वानों के सीमित संसार से निकालकर गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचा दिया। उस समय संस्कृत मुख्यतः विद्वानों और धर्मशास्त्र के गंभीर अध्येताओं की भाषा थी जबकि अवधी उत्तर भारत के विशाल जनसमुदाय के दैनिक जीवन से जुड़ी सहज और आत्मीय भाषा थी। तुलसीदास ने इसी लोकभाषा को अपनी अभिव्यक्ति का माध्यम बनाकर ऐसी काव्यकृति रची, जिसमें गहन आध्यात्मिक चिंतन के साथ लोकजीवन की सरलता, भावनात्मकता और मानवीय संवेदनाएं भी सहज रूप से समाहित हैं। यही कारण है कि 'रामचरितमानस' केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं रही बल्कि भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना और लोकआस्था का अभिन्न हिस्सा बन गई। तुलसीदास की भाषा ने उन्हें जन-जन का कवि और 'कविराज' बना दिया। उनकी रचनाओं में उनकी ऐसी आत्मीय निष्ठा दिखाई देती है कि वे अपनी काव्य-सृष्टि को ही अपने माता-पिता के समान मानते थे। यही विशिष्ट भाव उन्हें भारतीय साहित्य परंपरा में अद्वितीय और कालजयी बनाता है।

रामचरित मानस के जरिये मनुष्य के संस्कार की कथा लिखकर तुलसीदास ने इस रामकाव्य को भारतीय संस्कृति का प्राण तत्व बना दिया। तुलसीदास के अनुसार तुलसी के राम सब में रमते हैं और वे नैतिकता, मानवता, कर्म, त्याग द्वारा लोकमंगल की स्थापना करने का प्रयास करते हैं।

तारापीठ में अघोरी और तांत्रिकों का रहता है डेरा

महाश्मशान में स्थित तारापीठ अघोरी और तांत्रिकों के लिए स्वर्ग के समान ही माना जाता है क्योंकि, तारा देवी दस महाविद्याओं में से एक है। वहीं, कहते हैं कि यहां साधना से सिद्धि जल्दी प्राप्त होती है। इस स्थान पर देवी सती के तीसरे नेत्र गिरे थे। तारा देवी का रूप उग्र भी है और सौम्य भी और ऐसे ही स्वभाव के थे उनके महान साधक बामखेपा। जो बचपन से ही माता की साधना में लीन रहते थे और उन्हें आसपास की दुनिया व सुबह-शाम का भी आभास नहीं रहता था। तो चलिए विस्तार से जानें बामाखेपा का तारापीठ से नाता और तारा पीठ की कथा।

पश्चिम बंगाल बीरभूम जिले में स्थित तारा पीठ वह स्थान है, जो तांत्रिक और साधकों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं हैं। यहां आपको रिद्धि सिद्धि प्राप्त करने के लिए कई तांत्रिक साधना करते हुए नजर आ जाएंगे। कहते हैं यहां साधना से जल्दी सिद्धि प्राप्त होती है। पुराणों के अनुसार, देवी सती के तीसरे नेत्र इसी स्थान पर गिरे थे और इसलिए इसे नयन तारा के नाम से भी जाना जाता है। यह सिद्ध पीठ द्वारका नदी के तट पर स्थित एक महाश्मशान भूमि है। जहां दस महाविद्याओं में से एक तारा देवी का निवास है। यह देवी उग्र भी हैं व सौम्य भी। यहां देवी श्रद्धा भाव के साथ आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी करती हैं। वहीं, मन में किसी भी प्रकार का लालच व बुरे विचार रखने वालों को उनका उग्र रूप देखने को मिल सकता है। ऐसे ही स्वभाव वाले थे देवी के साधक बामाखेपा जिनका तारा देवी से गहरा नाता था। जो श्मशान भूमि में साधना करते हुए प्रसिद्ध साधक बन गए। इनके बारे में कई प्रसिद्ध कथाएं भी हैं। आइए विस्तार से जानें क्या था तारा देवी से बामाखेपा का नाता।

लाल फूल देख तारा देवी की उपासना में लीन हो जाते थे बामाखेपा

बामाखेपा का जन्म तारापीठ के पास अल्ता गांव में हुआ था। इनका वास्तविक नाम तो बामा था लेकिन, बचपन से ही ये दुनियादारी से अलग रहते थे और इनका रहन-सहन का तरीका भी बहुत अलग था। इसी के चलते वहां के लोग इन्हें पागल कहने लगे और बामा का नाम पड़ा बामाखेपा। उन्होंने अपना एकमात्र उद्देश्य बनाया था, जो माता तारा की पूजा करना था। लाल गुड़हल का फूल देखते ही वह देवी तारा की उपासना करने में लग जाते थे। इस दौरान उन्हें इस बात की कोई खबर नहीं रहती थी की आसपास क्या हो रहा है।

तारापीठ में पाया गुरु ज्ञान

एक बार बामाखेपा नदी तैरकर और पैदल चलकर तारापीठ पहुंच गए। वहां उन्होंने कैलाशपति बाबा के बारे में काफी सुना था, जो प्रसिद्ध तांत्रिक थे और उन्हें ज्ञान प्राप्त था। बामखेपा उन्हीं के पास गए और उन्हें वहां गुरु ज्ञान मिल गया। जिसके बाद बामा वहीं रहने लगे और वहां वो पूरे समय तारा देवी की आराधना करने में लीन रहा करते थे। उन्हें इस बात का भी आभास नहीं रहता था की दिन हो रही है या रात, सर्दी है या गर्मी। बामाखेपा श्मशान घाट में साधना किया करते थे। बामाखेपा इस प्रकार के व्यवहार के कारण उनकी माता बहुत परेशान रहा करती थीं। लंबे समय तक उनका बामाखेपा से कोई संपर्क नहीं हो पाता था। हालांकि, बामखेपा के मन में अपनी माता के लिए बहुत आदर और प्रेम था।

जहां हुआ बामाखेपा की मां का अंतिम संस्कार, वहां हुआ ऐसा चमत्कार

बामाखेपा के पास जब यह खबर पहुंची की उनका माता का निधन हो गया है और बाढ़ आने के कारण उनके पार्थिव शरीर को श्मशान तक नहीं लाया जा सकता, तो बामखेपा खुद ही उफनती हुई नदी में कूद गए और तैरकर अपनी मां के पार्थिव शरीर को तारापीठ महा श्मशान भूमि लेकर पहुंचे। वहां उन्होंने अपने भाई से माता का अंतिम संस्कार करने के लिए कहा। उस समय की परिस्थिति ऐसी थी कि हर ओर आसमान में काले बादल छाए हुए थे और बारिश बहुत तेज थी। चारों ओर पानी ही पानी था लेकिन, अंतिम संस्कार के स्थान पर बारिश की एक भी बूंद नहीं गिरी और न ही वहां उपस्थित किसी के ऊपर भी बारिश की बूंद पड़ी।

बामखेपा ने वहीं रहकर अपनी तांत्रिक साधना पूरी की थी और उनके बारे में कई प्रसिद्ध कथाएं भी देखने को मिलती हैं। कहते हैं कई बीमार लोग उनके आशीर्वाद से ठीक हुए हैं। वहीं, लालच के भाव से तारापीठ पहुंचे लोगों को उनका क्रोध का भी सामना करना पड़ा है।

सींग में आक्रमण है और पूंछ में सुरक्षा दोनों का महत्व है

किसी बात को मुहावरे में समझाने में तुलसीदास जी को महारत हासिल थी। गरुड़ जी से बात करते हुए उन्होंने कहा था- रामचंद्र के भजन बिनु जो चह पद निर्बान, ज्ञानवंत अपि सो नर पसु बिनु पूँछ बिषान। राम जी के भजन बिना जो मोक्ष-पद चाहता है, वह मनुष्य ज्ञानवान होने पर भी बिना पूंछ और सींग का पशु है।

मोक्ष का अर्थ यहां यह न ले लिया जाए कि मरने के बाद की कोई स्थिति। जीते जी भी मोक्ष मिल सकता है। दुर्गुणों से मुक्ति हो जाए, जीवन में शांति उतर आए, परमात्मा की अनुभूति बनी रहे तो यही मोक्ष है। लेकिन इसके लिए तुलसीदास जी की शर्त है कि भगवान का भजन करते रहना चाहिए।

यहां उन्होंने पशु को पूंछ और सींग से जोड़ा है। सींग में आक्रमण है, पूंछ में सुरक्षा है। उनका कहना है कि यदि ये दोनों नहीं हैं तो वह पशु भी किसी काम का नहीं है। मनुष्य में भी ये दो खूबी होनी चाहिए। प्रतिस्पर्धा के युग में आक्रामक होना भी आवश्यक है, लेकिन विनम्रता बनी रहे। सुरक्षा भी करनी पड़ेगी। युवा पीढ़ी को इस पंक्ति को समझना होगा।

कल सावन की दुर्गाष्टमी

पंचांग के अनुसार, सावन की दुर्गाष्टमी 20 अगस्त 2026 को मनाई जाएगी. इस दिन भक्तगण मां दुर्गा की पूजा करने के साथ -साथ परिवार की सुख-शांति, समृद्धि तथा मनोकामना पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं।

सावन का पवित्र महीना भगवान शिव के साथ-साथ शक्ति की उपासना के लिए भी बहुत फलदायी माना जाता है. सावन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को सावन मासिक दुर्गाष्टमी का व्रत रखा जाता है. इस दिन माता दुर्गा की पूजा-अर्चना करने से साधक को भय, संकट और रोगों से मुक्ति मिलती है और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है।

सावन मासिक दुर्गाष्टमी कब है?

सावन मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मासिक दुर्गाष्टमी का व्रत रखा जाता है. पंचांग के अनुसार इस बार श्रावण शुक्ल अष्टमी तिथि 19 अगस्त 2026 को शाम 7:19 बजे शुरू होगी और 20 अगस्त को रात 9:18 बजे समाप्त होगी. इसलिए उदया तिथि के आधार पर सावन मासिक दुर्गाष्टमी का व्रत 20 अगस्त को रखा जाएगा।

दुर्गाष्टमी पर पूजा के लिए क्या-क्या चाहिए?

मां दुर्गा की पूजा के लिए बहुत ज्यादा सामग्री की जरूरत नहीं होती. घर में उपलब्ध सामान्य पूजा सामग्री से भी माता की आराधना की जा सकती है. पूजा के लिए मां दुर्गा की तस्वीर या प्रतिमा, लाल या पीले रंग का कपड़ा, रोली, कुमकुम, अक्षत, लाल फूल, माला, सिंदूर, धूप, दीपक, घी या तेल, कपूर, कलावा, नारियल और मौसमी फल रख सकते हैं. इसके अलावा मां को मिठाई, पंचामृत और अपनी श्रद्धा के अनुसार भोग लगाया जा सकता है. अगर कलश स्थापना करनी हो तो तांबे या मिट्टी का कलश, जल, आम या अशोक के पत्ते और नारियल की जरूरत होगी।

मां दुर्गा को कौन सा भोग लगाएं?

दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा को मिठाई, फल, खीर, हलवा या घर में बना कोई सात्विक पकवान भोग के रूप में अर्पित किया जा सकता है. माता को लाल रंग के फल या मिठाई भी श्रद्धा के साथ चढ़ाई जा सकती है. भोग लगाने के बाद इसे प्रसाद के रूप में परिवार के सदस्यों में बांटें. अपनी श्रद्धा के अनुसार जरूरतमंदों को भोजन कराना या दान करना भी इस दिन बहुत ही शुभ माना जाता है।

सावन में दुर्गाष्टमी का महत्व

सावन भगवान शिव की आराधना का महीना माना जाता है, लेकिन इस दौरान शक्ति की उपासना का भी विशेष महत्व बताया गया है. दुर्गाष्टमी पर मां दुर्गा की पूजा करके भक्त शक्ति, साहस और सकारात्मक ऊर्जा की कामना करते हैं. धार्मिक मान्यता के अनुसार मां दुर्गा अपने भक्तों की रक्षा करती हैं और जीवन की परेशानियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करती हैं. इसलिए इस दिन श्रद्धा से माता की पूजा करना विशेष फलदायी माना जाता है।

सावन दुर्गाष्टमी की आसान पूजा विधि

दुर्गाष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें. इसके बाद पूजा स्थान की सफाई करके वहां चौकी रखें और उस पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं. चौकी पर मां दुर्गा की तस्वीर या प्रतिमा स्थापित करें. सबसे पहले भगवान गणेश का ध्यान करके पूजा शुरू करें. इसके बाद कलश स्थापित करके मां दुर्गा का ध्यान करें. मां को जल अर्पित करने के बाद रोली, कुमकुम, अक्षत, सिंदूर और लाल फूल चढ़ाएं. इसके बाद धूप और दीप जलाकर माता की पूजा करें. पूजा के दौरान मां दुर्गा की आरती और दुर्गा चालीसा का पाठ भी कर सकते हैं।

अश्लेषा नक्षत्र कितना शक्तिशाली? जहां आज सुबह कदम रखेंगे देवगुरु बृहस्पति

बृहस्पति 19 अगस्त 2026 को सुबह 3:37 बजे अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। गुरु 31 अक्टूबर तक इसी नक्षत्र में रहेंगे, जिसका स्वामी बुध है। इस गोचर से मिथुन और कर्क समेत 5 राशियों का भाग्योदय हो सकता है।

ज्योतिष में देवगुरु बृहस्पति को ज्ञान, समृद्धि, भाग्य और धर्म का कारक माना जाता है. जब भी गुरु ग्रह अपनी चाल बदलते हैं या नक्षत्र परिवर्तन करते हैं, तो इसका प्रभाव सभी राशियों और संपूर्ण मानव जीवन पर गहरा पड़ता है. इसी क्रम में द्रिक पंचांग के अनुसार, देवगुरु बृहस्पति 19 अगस्त 2026 की सुबह 3 बजकर 37 मिनट पर पुष्य नक्षत्र से निकलकर बहुत ही शक्तिशाली और रहस्यमयी अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं. गुरु इस नक्षत्र में 31 अक्टूबर 2026 तक विराजमान रहेंगे. ज्योतिष में गुरु को ज्ञान, शिक्षा, धन, संतान, विवाह, धर्म और सौभाग्य का कारक ग्रह माना जाता है. वहीं अश्लेषा नक्षत्र की अपनी अलग प्रकृति है. ऐसे में गुरु का इस नक्षत्र में प्रवेश कई राशियों के लिए महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आ सकता है।

कितना शक्तिशाली है अश्लेषा नक्षत्र?

अश्लेषा 27 नक्षत्रों में नौवां नक्षत्र है. इसे कर्क राशि के क्षेत्र में स्थित माना जाता है. इस नक्षत्र के अधिष्ठाता देवता नाग या सर्पराज हैं, जबकि इसके स्वामी ग्रह बुध हैं. अश्लेषा शब्द का संबंध लिपटने या बांधने से माना जाता है. यही वजह है कि इस नक्षत्र को गहराई, रहस्य, आकर्षण और रणनीति से जोड़कर देखा जाता है।

अश्लेषा नक्षत्र के देवता कौन हैं?

अश्लेषा नक्षत्र के अधिष्ठाता देवता नाग देवता माने जाते हैं. हिंदू धर्म में नागों का संबंध भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों से जुड़ा हुआ है. भगवान शिव के गले में नाग विराजमान हैं, जबकि भगवान विष्णु शेषनाग की शैया पर विराजते हैं. इसी कारण अश्लेषा नक्षत्र में नाग शक्ति का विशेष महत्व माना जाता है।

इन 5 राशियों के लिए शुभ हो सकता है गुरु का नक्षत्र परिवर्तन

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के लिए गुरु का अश्लेषा नक्षत्र में प्रवेश आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में सकारात्मक बदलाव ला सकता है. नौकरी और कारोबार में नए अवसर मिल सकते हैं. रुके हुए काम आगे बढ़ने की संभावना है.इस दौरान आपकी बातचीत और समझदारी आपके लिए लाभ का कारण बन सकती है।

कर्क राशि

अश्लेषा नक्षत्र कर्क राशि से संबंधित है, इसलिए इस राशि के जातकों के लिए गुरु का यहां प्रवेश विशेष माना जा सकता है. आत्मविश्वास बढ़ सकता है और महत्वपूर्ण फैसले लेने की क्षमता मजबूत हो सकती है. करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं. परिवार और सामाजिक जीवन में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

कन्या राशि

कन्या राशि के स्वामी बुध हैं और अश्लेषा नक्षत्र का स्वामित्व भी बुध के पास है. ऐसे में गुरु का इस नक्षत्र में प्रवेश कन्या राशि के जातकों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है.नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है. व्यापार करने वाले लोगों को नए संपर्कों से फायदा हो सकता है. शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लोगों के लिए भी समय अनुकूल रह सकता है।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए गुरु का यह नक्षत्र परिवर्तन आर्थिक मामलों में लाभकारी साबित हो सकता है. अचानक धन लाभ के अवसर बन सकते हैं और पुरानी आर्थिक परेशानियां कम हो सकती हैं. लेकिन इस अवधि में निवेश से जुड़े फैसले सोच-समझकर लेना जरूरी होगा।

मीन राशि

मीन राशि के स्वामी स्वयं देवगुरु बृहस्पति हैं. इसलिए गुरु का नक्षत्र परिवर्तन इस राशि के जातकों के लिए खास माना जा सकता है. करियर और व्यक्तिगत जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं.आपके ज्ञान और अनुभव का फायदा आपको कार्यक्षेत्र में मिल सकता है।

तुलसी भरोसे राम के, निर्भय होकर सोए

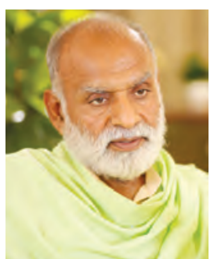

राजेश कुमार

संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जी के नाम से हम परिचित हैं। श्री राम जी की कथा लिखने वाले संत वाल्मीकि, जिन्होंने त्रेतायुग में इसे संस्कृत में लिखा था, उसी रामायण को इस कलयुग के अंदर आज से चार सौ साल पहले तुलसीदास जी ने फिर से ज़िंदा किया। तुलसीदास जी ने अपने अन्दर भक्ति से श्री राम को प्रकट किया और फिर से "रामचरितमानस " संसार को दी उनकी काम वासना से राम वासना जग गयी और श्री राम को प्रकट कर दिया। "हनुमान चालीसा"भी संसार को तुलसीदास जी ने दी है। भक्ति के अंदर श्री राम के मार्ग पर चलते हुए जब उनके अंदर श्री राम प्रकट हुए, तो उन्होंने संसार को कहा कि श्री राम के दास बन जाओ। तभी नाम भी रखा गया तुलसी 'दास'। जो श्री राम का दास है ,वो सिर्फ़ भक्ति में नहाता है; वो संसार की मोतियों की मालाएँ नहीं माँगता, भीख नहीं माँगता। श्वाँस-श्वाँस में हो सिमरन 'श्री राम 'का और उस 'श्री राम 'को प्रकट किया हनुमान जी ने। तुलसीदास जी ने "हनुमान चालीसा"संसार को बताई कि तुम्हें हनुमान होना है, क्योंकि ज़िन्दा श्री राम तो तभी आएँगे जब तुम्हारी श्वाँस-श्वाँस में श्री राम होंगे। जब संसार की कोई कंचन, कीर्ति, कामिनी, किसी में इच्छा न हो, तब मनुष्य अंदर से खाली हो जाता है। "तुलसी भरोसे श्री राम के, निर्भय होकर सोए; अनहोनी होनी नहीं, होनी हो सो होए।"प्यारे तुलसीदासजी इस दोहे में बता रहे हैं कि, "तुलसी भरोसे श्री राम के"। तुलसीदासजी ने कहा कि मेरा भरोसा श्री राम हैं, अब और कोई नहीं बचा; अब जीवन में जो कुछ भी है, श्री राम हैं। श्री राम ही हैं सब कुछ करने वाले। श्री राम केवल धनुष- बाण वाले श्री राम नहीं, बल्कि सत' का साक्षात स्वरूप हैं- 'श्री राम नाम सत है!' सत यानी जिसके अंदर माया नहीं है, जिसके अंदर पूरा खालीपन है, वही है तुम्हारा श्री राम। जैसे इस संसार के अंदर हनुमान जी के लिए श्री राम हुए, या जैसे तुलसीदास जी अपने गुरु नरहरिदास के हनुमान बने, वैसे ही उन्होंने कहा कि मेरा भरोसा अब किसी पर नहीं, सिर्फ मेरे प्रभु प्यारे पर है। "तुलसी भरोसे श्री राम के", तुम कब कहोगे? तुम हनुमान कब बनोगे? कब श्री राम को प्रकट करोगे? श्री राम तो सदा (रेडी) तैयार हैं आने के लिए, लेकिन तुम अंदर से खाली नहीं हो। तुम्हारी भक्ति पूर्ण नहीं हो रही है; अपनी भक्ति जगाओ, यदि तुम खाली हो जाओ तो श्री राम दौड़े-दौड़े आएँगे! इसीलिए कहा गया है, "तुलसी भरोसे श्री राम के निर्भय होकर सोए"। जिसने सब श्री राम के भरोसे कर दिया, वे निश्चिंत होकर सो जाते हैं। अब जो तुम्हें अच्छा लगे वो करो, क्योंकि अनहोनी होनी नहीं", होनी हो सो होए" अगर मौत लिखी है, तो आएगी ! जो होना है, वो होने ही वाला है। यदि दिवाला पीटना है तो दिवाला पीटेगा; बर्बादी होनी है तो बर्बादी होगी; मौत लिखी है तो मौत आएगी। क्यों? क्योंकि ये तुम्हारे संचित कर्म हैं। इसलिए जागो प्यारों, जागो! सिर्फ रामायण पढ़ने से कुछ न होगा, अगर रामायण के श्री राम जीवन में न उतरे। यदि तुम काम में ही फँसे रह गए, वासनाओं में अटके रह गए और संसार के मोतियों को ही चुनते रह गए, तो फिर श्री राम न आयेंगे। ज़िन्दा श्री राम को ज़िंदगी में लाना पड़ेगा । तुलसीदास जी ज़िंदा श्री राम को लेकर आए और संसार को "श्री राम चरितमानस"दी । कब तुम अपने अन्दर श्री राम को प्रकट करोगे? क्योंकि जो अंदर से हनुमान हो गया, उसी में श्री राम आएँगे। हनुमान जी अंदर से खाली हो गए थे; उनके अंदर से कंचन-कीर्ति-कामिनी गायब हो गई थी। जिसके अंदर से काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार गायब हो गया, वही हनुमान हैं और उन्ही में श्री राम आकर बसते हैं जिनकी श्वाँस-श्वाँस में सिर्फ़ एक ही चलता है, इसलिए जागो !

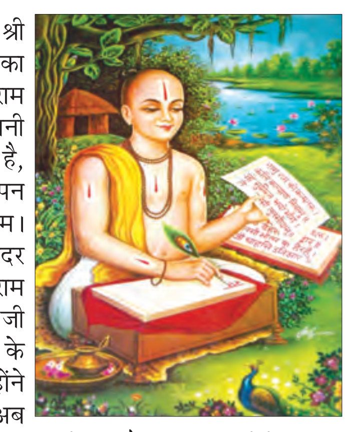

अगर श्री राम को जीवन में नहीं लाए और संसार के कामों में ही फँसे रहे, तो अंत समय में पछताना होगा और कुछ ना होगा, "जब चिड़िया चुग जाएगी ये खेत", जब तुम मर जाओगे। इसलिए तब तक मौका है, जब तक जीवन बाकी है। तुलसीदास जी के इन शब्दों को अपने अंदर गहराई से उतारो। तुम ज़िंदगी डर में ही जीते हो और डर में ही मर जाते हो। क्यों? डर क्यों है? क्योंकि तुमने अपने को श्री राम के भरोसे अभी नहीं छोड़ा है। जिस दिन श्री राम के भरोसे छोड़ दोगे, सब डर खत्म हो जाएगा। "तुलसी भरोसे श्री राम के निर्भय होकर सोये, अनहोनी होनी नहीं, होनी हो सो होए"- जो होना है वो होकर रहेगा, इसलिए समझो! ये संतों के वचन हैं। तुलसीदास जी ने जो वचन दिए तुम्हारे लिए, वो उनके हृदय के भाव थे ताकि तुम अपने अंदर हनुमान जी को प्रकट कर सको, भक्ति को जगा सको और श्री राम जी को लाकर तुम इस संसार से मुक्त हो सको। तभी ये जन्म सफल होगा !

समर्पण की असली ताकत

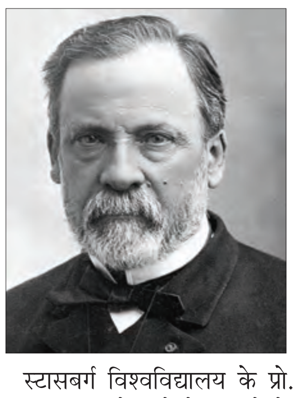

स्टासबर्ग विश्वविद्यालय के प्रो. लुई पास्चर ने कुत्ते के काटने के इलाज की खोज की। वह विश्वविद्यालय के ही एक अधिकारी की बेटी को पसंद करते थे और उससे विवाह करना चाहते थे। लड़की और उसके माता-पिता की ओर से विवाह की मंजूरी मिल गई। निश्चित समय पर मित्र व संबंधी चर्च पहुंच गए, लेकिन पास्चर नहीं पहुंचे। कुछ लोग खुसर-फुसर करने लगे कि शायद पास्चर विवाह नहीं करेगा। इतने में एक मित्र पास्चर की प्रयोगशाला में गया, तो देखा कि वह प्रयोग करने में अत्यंत व्यस्त थे। मित्र बोला- ्यार हद हो गई, आज तो तुम्हारा विवाह है, चर्च में तुम्हारा इंतजार हो रहा है। बंद करो यह प्रयोग, यह तो बाद में भी हो जाएगा।

पास्चर ने उसकी ओर देखे बिना ही कहा- जरा रुको! कई दिनों से मैं जो प्रयोग कर रहा था उसके परिणाम निकल रहे हैं। ऐसा न हो कि मेरी वर्षों की मेहनत बेकार हो जाए। पास्चर अपना प्रयोग पूरा करने के बाद ही चर्च के लिए रवाना हुए। उनकी शादी भी खूब धूमधाम से सम्पन्न हुई। लेकिन महान कार्य यूं ही पूरे नहीं होते, उन्हें करने के लिए जरूरत पड़ने पर अपनी सर्वाधिक प्रिय व्यक्तिगत इच्छाओं को भी किनारे करना होता है।

इस प्रसंग की सबसे बड़ी सीख यही है कि बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए व्यक्ति को अपने समय और प्राथमिकताओं के प्रति बेहद सजग रहना पड़ता है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आती हैं, जब हमें अपनी पसंद या सुविधा से ऊपर अपने उद्देश्य को रखना पड़ता है। हालांकि निजी जीवन और रिश्तों का महत्व भी कम नहीं होता, लेकिन जब कोई व्यक्ति किसी बड़े उद्देश्य के लिए पूरी निष्ठा से काम करता है, तो उसकी एकाग्रता और समर्पण ही उसकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत बन जाते हैं।

जीवन में एक शुभ लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर आगे बढ़ें

शुभ काम करते हुए जीवन में एक बड़ा और ऊंचा लक्ष्य निर्धारित करें। उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर आगे बढ़ें। आशावादिता व्यक्ति को सफलता की ओर ले जाती है। मन में विजय का भाव और संकल्प की पवित्रता बनाए रखें। छोटे और नकारात्मक विचारों में उलझने के बजाय सकारात्मक सोच के साथ अपने उद्देश्य पर ध्यान लगाएं। ईर्ष्या और द्वेष को मन में स्थान न दें, क्योंकि ये भीतर से दुर्बल बना देते हैं। जो लोग हमारे अनुकूल नहीं हैं, उनके प्रति द्वेष रखने के बजाय धैर्य, संयम और सद्भाव बनाए रखें, तभी जीवन श्रेष्ठ बन सकता है।

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

'फ्रॉम पिंक टू पावर' पैनल में शामिल होंगी तापसी पन्नू
सिनेमा में महिलाओं की रूढ़ियों पर होगी बात

अभिनेत्री तापसी पन्नू एक फिल्म फेस्टिवल में 'फ्रॉम पिंक टू पावरः ब्रेकिंग स्टीरिओटाइप थ्रू सिनेमा' नाम के पैनल का हिस्सा बनने वाली हैं। अभिनेत्री का मानना है कि सिनेमा तब और दिलचस्प बन जाता है जब महिला किरदारों को पेचीदा और बेधड़क दिखाया जाता है। स्पेशल सेशन में शामिल होने पर अभिनेत्री ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मेरे लिए, स्टीरियोटाइप्स को तोड़ना हमेशा एक रिस्क लेने और एक ऐसी महिला का किरदार अदा करने से हुआ है, जो शायद उस वर्जन में फिट न हो जिसकी लोग उम्मीद करते हैं। इस सेशन में बात होगी कि कैसे सिनेमा गहराई से जमी हुई रूढ़ियों पर सवाल उठा सकता है।

कैसे ये पर्दे पर महिलाओं को दिखाने का तरीका बदल सकता है और दर्शकों को घिसी-पिटी कहानियों से आगे सोचने के लिए प्रेरित कर सकता है। अभिनेत्री ने बताया कि फेस्टिवल में वे खुद की जर्नी, करियर बनाने वाले फैसलों और पारंपरिक सोच से अलग हटकर काम करने के रिस्क के बारे में बातें करेंगी। साथ ही वो ये भी बताएंगी कि सिनेमा के जरिए सवाल उठाना, लोगों को सोचने पर मजबूर करना और प्रेरित करना कितनी बड़ी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, पिंक और थप्पड़ जैसी फिल्में एक बड़ी बहस का हिस्सा बनी थीं क्योंकि उन फिल्मों में मेरे द्वारा निभाए गए किरदारों को एक तय सांचे पर फिट करने के लिए नहीं बनाया गया था। मैं हमेशा से मानती हूं कि सिनेमा तब और ज्यादा दिलचस्प होता है, जब हम महिलाओं को कम कमजोरियों वाली, पेचीदा, महत्वाकांक्षी और बेधड़क अपने जैसी दिखाने की इजाजत देते हैं। इस फिल्म फेस्टिवल में इन फैसलों और इनसे शुरू हुई बातचीत पर चर्चा करने के लिए मैं बहुत ज्यादा उत्सुक हूं।

यह फिल्म फेस्टिवल 20 अगस्त से 23 अगस्त 2026 तक नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। अभिनेत्री तापसी पन्नू की हाल ही में फिल्म अस्सी में नजर आई थीं। अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित इस कोर्टरूम ड्रामा फिल्म में तापसी एक निडर वकील की भूमिका में हैं जो गैंगरेप सर्वाइवर को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करती है।

'108 बेस हॉस्पिटल–उरी' में एरिका फर्नांडिस का नया अवतार

'कसौटी जिंदगी की' और 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी' जैसे सीरियल में अपनी अलग पहचान बना चुकीं अभिनेत्री एरिका फर्नांडिस अपने नए शो '108 बेस हॉस्पिटल–उरी' में बिल्कुल अलग तरह के किरदार में नजर आ रही हैं। शो में वह डॉ. मेजर नैना का रोल निभा रही हैं। इस किरदार को लेकर उन्होंने काफी तैयारी की। उन्होंने अपने अभिनय के तरीके के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि जब वह सेट पर होती हैं तो पूरी तरह अपने किरदार में चली जाती हैं। लेकिन जैसे ही शूटिंग खत्म होती है, वह आसानी से उस किरदार को छोड़कर अपनी सामान्य जिंदगी में लौट आती हैं। एरिका फर्नांडिस ने कहा, मेरे लिए किसी किरदार में जाना और फिर उससे बाहर निकलना ज्यादा मुश्किल नहीं है। मैं जब सेट पर पहुंचती हूं, तो उस समय मैं अपने किरदार की दुनिया का हिस्सा बन जाती हूं, लेकिन काम खत्म होते ही मुझे अपनी असल जिंदगी में वापस आना होता है। एक कलाकार के लिए शूटिंग के दौरान किरदार उसकी प्राथमिकता होती है, लेकिन कैमरा बंद होने के बाद वह खुद को उस भूमिका से अलग कर लेते हैं।

अभिनेत्री ने कहा, शो '108 बेस हॉस्पिटल – उरी' की शूटिंग के दौरान ऐसा कोई खास सीन नहीं आया, जिसकी वजह से मुझे शूटिंग खत्म होने के बाद अपने किरदार से बाहर निकलने में परेशानी हुई हो। शो में दिखाए गए मेडिकल केस जरूर काफी दिलचस्प थे और इनसे मुझे बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। कई मामले और परिस्थितियां ऐसी थीं, जो आम जिंदगी से अलग थीं और इन्हीं वजहों से शो का अनुभव मेरे लिए काफी अच्छा रहा।

एरिका ने अपने किरदार की तैयारी के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, डॉक्टर मेजर नैना को पर्दे पर सही तरीके से दिखाने के लिए मैंने काफी रिसर्च की। करीब एक महीने तक मैंने मेडिकल से जुड़े कई शो और वीडियो देखे। इस दौरान मेरे ध्यान सिर्फ डॉक्टरों के काम पर नहीं था, बल्कि यह भी समझना था कि डॉक्टर किस तरह खड़े होते हैं, कैसे मरीजों से बात करते हैं और किसी गंभीर स्थिति में उनका व्यवहार कैसा होता है।

एरिका फर्नांडिस ने बताया कि वह अपने किरदार की तैयारी में इतनी ज्यादा शामिल हो गई थीं कि सेट पर मौजूद लोग उन्हें मजाक में 'डॉ. फर्नांडिस' कहने लगे थे।

उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि डॉक्टर बनने के लिए की गई मेरी मेहनत दर्शकों को स्क्रीन पर भी दिखाई देगी। मेरे लिए इस शो की खास बात यह भी रही कि मेडिकल केस और अलग-अलग परिस्थितियों के जरिए मुझे कई नई चीजें सीखने को मिलीं।

'108 बेस हॉस्पिटल – उरी' में एरिका के साथ गश्मीर महाजनी, निखिल खुराना, आयोशी तालुकदार, हितेन तेजवानी और स्मिता बंसल भी अहम भूमिकाओं में हैं। मिलिट्री और मेडिकल दुनिया को साथ लेकर बनाया गया यह शो 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शुरू हुआ है। शो का प्रसारण हर शनिवार और रविवार को कलर्स और जियो हॉटस्टार पर किया जा रहा है।

'अगर देश से प्यार करना अंधभक्ति है तो मुझे गर्व है': ईशा कोप्पिकर

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने उन्हें दिए गए 'अंधभक्त' टैग पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत से प्यार करना और उस पर विश्वास करना 'अंधभक्ति' कहलाता है, तो उन्हें इस लेबल को अपनाने में गर्व है। ईशा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह देशभक्ति, राष्ट्रवाद और देश के लिए कुछ करने की जरूरत पर बात करती नजर आईं। अभिनेत्री ने कहा, अगर अपने देश से प्यार करना, भारत पर विश्वास करना और उसकी तरक्की चाहना भक्ति है, तो हां, मुझे भक्त कहिए, अंधभक्त कहिए। लेकिन मेरी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश, अपने भारत के लिए है। राष्ट्र सबसे पहले है। ईशा ने कहा, इंसान जहां रहता है, उसे उस जगह का सम्मान करना चाहिए और उसे बेहतर बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। सिर्फ यह कह देना कि हमें अपने देश से प्यार है, देशभक्ति नहीं है। असली देशभक्ति तब है, जब कोई व्यक्ति अपने काम से देश को बेहतर बनाने की कोशिश करे।

अभिनेत्री ने बच्चों का उदाहरण देते हुए आगे कहा, "दो तरह के बच्चे होते हैं। एक बच्चा ऐसा होता है जो पूरी जिंदगी यह हिसाब लगाता रहता है कि उसके माता-पिता ने उसे क्या दिया और क्या नहीं दिया। वहीं दूसरा बच्चा ऐसा होता है जो माता-पिता से मिलने वाली चीजों को सिर्फ अपने तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उससे अपने माता-पिता की जिंदगी को भी बेहतर बनाने की कोशिश करता है।

ईशा ने कहा, "दोनों के बीच फर्क सिर्फ परिस्थितियों का नहीं, बल्कि सोच का है। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें हर समय यह पूछने के बजाय कि देश ने हमें क्या दिया, यह सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे सकते हैं। हमें यह विचार करना चाहिए कि अपने काम और सोच के जरिए भारत के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा, भारत बदल रहा है और अब समय आ गया है कि लोगों की सोच भी बदले। मेरी लोगों से अपील है कि वह नए भारत के निर्माण का हिस्सा बने। मुझे भक्त कहिए, अंधभक्त कहिए या राष्ट्रवादी कहिए, मैं अपने विचारों को लेकर पीछे नहीं हटूंगी।

वीडियो के आखिर में ईशा ने भारत के प्रति अपने प्यार को दोहराते हुए कहा, मैं अपने देश से प्यार करती हूं और भारत पर विश्वास करती हूं। जय हिंद।

ईशा ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, अगर भारत से प्यार करना 'अंधभक्ति' है, तो मैं इस पहचान को गर्व से अपनाती हूं। मुझे जो गलत लगता है, उस पर सवाल उठाती हूं और जो सही लगता है, उसकी तारीफ भी करती हूं। मेरे लिए मेरा देश सबसे ऊपर रहेगा।

रवि तेजा की 'इरुमुडी' को मिला यू/ए सर्टिफिकेट

साउथ सिनेमा के मशहूर निर्देशक शिव निर्वाण की आगामी तेलुगू फिल्म 'इरुमुडी' को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) ने अब यू/ए सर्टिफिकेट के साथ रिलीज के लिए मंजूरी दे दी है। यह एक गहन पारिवारिक और भावनात्मक ड्रामा है, जिसमें एक्टर रवि तेजा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मैथ्री मूवी मेकर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने लीड रोल निभा रहे अभिनेता रवि तेजा की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, फिल्म 'इरुमुडी' को यू/ए सर्टिफिकेट मिल गया है। इमोशनल फैमिली थ्रिलर के लिए टिकट बुक करने के लिए तैयार हो जाइए। 'इरुमुदी' 21 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।₹ शिव निर्वाण द्वारा निर्देशित और लिखित फिल्म में रवि तेजा, प्रिया भवानी शंकर, साई कुमार और बेबी नक्षत्रा जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। नवीन येरनेनी और वाई. रवि शंकर (मैत्री मूवी मेकर्स) मिलकर फिल्म के निर्माण कार्य में भूमिका अदा करते दिखेंगे।

फिल्म का शीर्षक 'इरुमुडी' भगवान अयप्पा की यात्रा और परंपरा से जुड़ा है। रवि तेजा इसमें एक आम और सहज पारिवारिक व्यक्ति के रूप

में दिखाई देंगे, जिन्होंने अय्यप्पा की माला पहनी हुई है। फिल्म 21 अगस्त को रिलीज की जाएगी। हालांकि, पहले अफवाहें उड़ी थीं कि 'इरुमुडी' 21 अगस्त को रिलीज नहीं हो पाएगी, लेकिन प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी करके इन अफवाहों पर विराम लगा दिया। पोस्टर में साफ लिखा था कि फिल्म तय तारीख 21 अगस्त को ही सिनेमाघरों में आएगी।

यह फिल्म रवि तेजा की 77वीं फिल्म है और इसलिए इसे 'इरुमुडी' टाइटल दिए जाने तक कुछ समय के लिए 'आरटी77' कहा जा रहा था।

मुख्य कलाकार रवि तेजा को फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने इसी साल जुलाई के दूसरे हफ्ते में फिल्म के लिए अपनी डबिंग शुरू की थी। इसी दौरान मेकर्स ने डबिंग स्टूडियो का एक वीडियो भी शेयर किया था। उस वीडियो में रवि तेजा डायलॉग बोलते दिखे - ₹मेरी सिर्फ एक बेटी है और उसका नाम मनम्मा है। इस वीडियो में बेबी नक्षत्रा और डायरेक्टर शिवा निर्वाण भी नजर आए।

कार्तिक आर्यन ने लॉन्च किया डोपामिन स्टूडियोज़, कबीर खान की प्रेरणादायक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म के साथ बने निर्माता

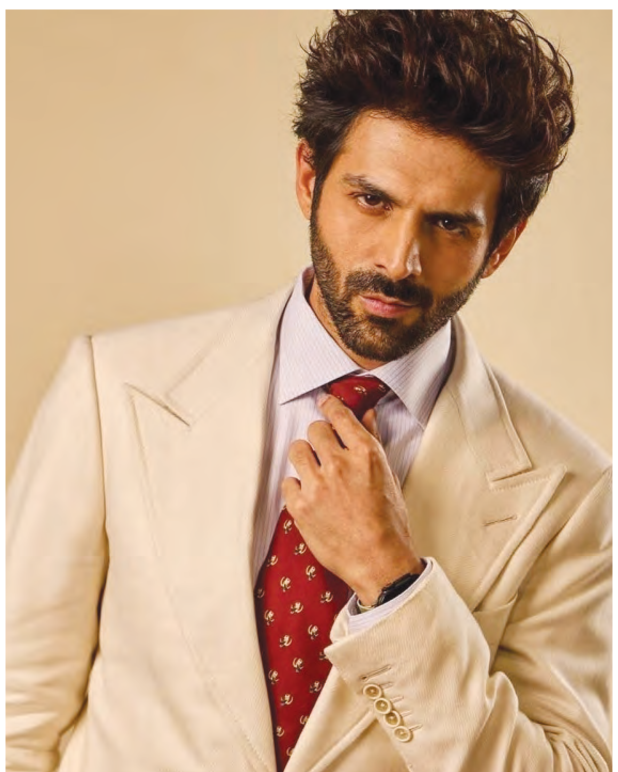

मुंबई कार्तिक आर्यन ने अभिनय से आगे बढ़ते हुए अपने प्रोडक्शन बैनर डोपामिन स्टूडियोज़ की शुरुआत की है। यह बैनर अब मशहूर फिल्म निर्देशक कबीर खान के साथ उनकी आगामी फिल्म से आधिकारिक रूप से जुड़ गया है। यह अभी तक बिना शीर्षक वाली फिल्म कार्तिक और कबीर खान की 2024 की बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा 'चंदू चैंपियन' के बाद दूसरी साझेदारी है।

गौरतलब है कि 'चंदू चैंपियन' भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित थी, जिसके लिए कार्तिक को हाल ही में भारत के 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला है। असाधारण सच्ची घटना से प्रेरित इस फिल्म में कार्तिक एक किकबॉक्सिंग कोच की भूमिका निभा रहे हैं, जो कश्मीर की एक युवा लड़की के सफर को दिशा देने में मदद करता है।

माना जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी युवा कश्मीरी एथलीट तजामुल इस्लाम के जीवन से प्रेरित है, जिन्होंने किकबॉक्सिंग चैंपियन के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। कहानी सुनने के बाद से ही कार्तिक इससे इस कदर गहराई से जुड़ गए कि इसकी भावनात्मकता, संघर्ष, दृढ़ता और जज्बे से प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाए। इसी जुड़ाव के चलते उन्होंने फिल्म में अभिनय करने के साथ ही डोपामिन स्टूडियोज़ के माध्यम से निर्माता के रूप में भी जुड़ने का फैसला कर लिया।

इस संदर्भ में फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, "कहानी सुनते ही कार्तिक इससे बहुत गहरे स्तर पर जुड़ गए थे। वास्तविक जीवन की इस कहानी में मौजूद साहस, जुनून और दृढ़ विश्वास ने उन्हें काफी प्रभावित किया। उन्हें लगा कि यह ऐसी कहानी है, जिसे ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचना चाहिए। निर्माता के रूप में जुड़ने का उनका फैसला इसी विश्वास और फिल्म को रचनात्मक स्तर पर और गहराई से समर्थन देने की इच्छा से आया।"

डोपामिन स्टूडियोज़ की शुरुआत कार्तिक आर्यन के करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत है, जहां वह अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी अपनी रचनात्मक भागीदारी बढ़ा रहे हैं। कबीर खान के साथ उनकी यह दूसरी फिल्म भी संघर्ष, महत्वाकांक्षा, दृढ़ संकल्प और मानवीय जज्बे की जीत जैसी भावनाओं पर केंद्रित है।

दिलचस्प बात यह है कि इस भूमिका के लिए कार्तिक ने किस बॉक्सिंग की ट्रेनिंग भी ली है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है और इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग मुंबई और कश्मीर में की जा रही है। इसके अलावा फिल्म का शीर्षक, बाकी कलाकारों और रिलीज़ डेट से जुड़ी अन्य जानकारियां आने वाले समय में आधिकारिक रूप से सामने आने की उम्मीद है।

सामंथा रुथ प्रभु के लिए अब 'कंप्रेशन सॉक्स' ही हैं फैशन

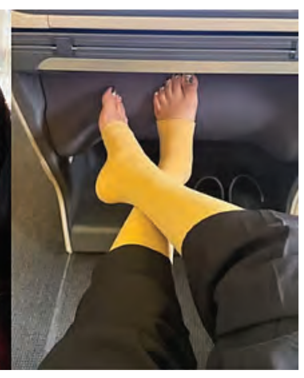

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने पहले बच्चे के स्वागत की तैयारी में जुटी हुई हैं और इसी बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बदलते फैशन को लेकर एक ऐसी पोस्ट साझा की, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया। दरअसल, उन्होंने पैरों में पहने जाने वाले कंप्रेशन सॉक्स को ही अपना नया फैशन बता दिया। सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में उनके पैर सूजे हुए नजर आ रहे हैं और उन्होंने कंप्रेशन सॉक्स पहने हुए है। इसी तस्वीर के साथ सामंथा ने बेहद छोटे लेकिन मजेदार अंदाज में लिखा, "अब जिसे मैं फैशन कहती हूं- कंप्रेशन सॉक्स।"

दरअसल, आमतौर पर फैशन को कपड़ों, जूतों और गहनों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन सामंथा ने अपनी मौजूदा स्थिति में आराम देने वाले सॉक्स को ही फैशन का नया नाम दे दिया। गर्भावस्था के दौरान पैरों और पंजों में सूजन की समस्या आम होती है। ऐसे में कंप्रेशन सॉक्स पैरों में आराम देने और ब्लड सुर्कुलेशन को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं।

दरअसल, सामंथा ने जून 2026 में अपनी प्रेग्नेंसी की आधिकारिक पुष्टि की थी। अभिनेत्री और उनके पति फिल्मकार राज निदिमोरु, अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। सामंथा ने यह खबर अपनी फिल्म 'मा इंटी बंगाराम' की सफलता के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में साझा की थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया था कि वह कुछ समय के लिए अभिनय से दूरी बनाएंगी और मातृत्व अवकाश लेंगी।

मीडिया से बातचीत में सामंथा ने कहा था कि 'मा इंटी बंगाराम' के बाद उन्हें अपनी मौजूदा स्थिति को देखते हुए थोड़ा ब्रेक लेना पड़ेगा और इसके बाद वह एक और फिल्म के साथ अपने फैंस के बीच वापस लौटेंगी। कपल की बात करें, तो सामंथा और राज निदिमोरु ने 1 दिसंबर 2025 को शादी की थी। इस शादी में करीबी लोग ही शामिल हुए थे। दोनों की पहली मुलाकात 'द फैमिली मैन 2' के दौरान हुई थी। सामंथा ने इस चर्चित सीरीज में राजी नाम की दमदार भूमिका निभाई थी। शुरुआत में दोनों का रिश्ता पूरी तरह पेशेवर था। 'द फैमिली मैन 2' के बाद सामंथा और राज ने एक बार फिर साथ काम किया।

18 साल की उम्र में आमिर खान ने किया था सनी देओल के साथ काम, बोले- 'तब वह बड़े स्टार थे'

आमिर खान और सनी देओल आज हिंदी सिनेमा के उन बड़े नामों में शामिल हैं, जिनकी अपनी अलग पहचान है। दोनों ने अपने लंबे करियर में कई यादगार फिल्में दी हैं और अब सालों बाद एक बार फिर पर्दे से जुड़े एक प्रोजेक्ट को लेकर साथ आए हैं। लेकिन इन दोनों कलाकारों का रिश्ता सिर्फ हाल के वर्षों का नहीं है। आमिर खान का सनी देओल से जुड़ाव उस समय का है, जब उन्होंने खुद बतौर अभिनेता बॉलीवुड में कदम भी नहीं रखा था। आमिर ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प किस्सा सुनाया और बताया कि वह महज 18 साल की उम्र में सनी देओल की फिल्मों में सहायक निर्देशक के तौर पर काम कर चुके थे। आमिर खान ने यह खुलासा क्विज-आधारित रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के 18वें सीजन में किया। इस खास मौके पर आमिर के साथ सनी देओल और प्रीति जिंटा भी मौजूद थे। शो में जब दर्शकों के साथ सवाल-जवाब चल रहा था, तब आमिर से सनी देओल के साथ पहली बार काम करने के बारे में पूछा गया। इसी सवाल के जवाब में आमिर ने अपने पुराने दिनों को याद किया और बताया कि सनी देओल के साथ उनका पहला काम उस समय हुआ था, जब वह सहायक निर्देशक थे।

आमिर ने कहा, जब मैंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा, तब मेरी शुरुआत एक सहायक निर्देशक के तौर पर हुई थी। इसी दौरान मेरी मुलाकात सनी देओल से हुई। मेरे चाचा और मशहूर फिल्मकार नासिर हुसैन उस समय 'मंजिल मंजिल' और 'जबरदस्त' नाम की दो फिल्मों पर काम कर रहे थे। दोनों फिल्मों में सनी देओल मुख्य भूमिका में थे, और मैं इन फिल्मों में सहायक निर्देशक की जिम्मेदारी संभाल रहा था।

आमिर ने आगे कहा, मैंने करीब तीन साल तक सनी देओल के साथ सहायक के रूप में काम किया। उस वक्त मेरी उम्र महज 18 साल थी, जबकि सनी देओल इंडस्ट्री में अपनी जगह बना चुके थे और बड़े सितारे माने जाते थे। सनी जैसे बड़े स्टार के साथ काम करने को लेकर मैं और मेरी टीम काफी उत्साहित रहती थी। मेरे लिए यह फिल्म इंडस्ट्री को करीब से समझने और सीखने का दौर था। आमिर ने जिस फिल्म का पहले जिक्र किया, वह फिल्म 'मंजिल मंजिल' साल 1984 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का निर्देशन नासिर हुसैन ने किया था। फिल्म में सनी देओल के साथ डिंपल कपाड़िया मुख्य भूमिका में थीं। डैनी डेंजोंगपा, प्रेम चोपड़ा और कुलभूषण खरबंदा जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा थे। फिल्म का संगीत आर.डी. बर्मन ने दिया था, जबकि इसके गीत मजरूह सुल्तानपुरी ने लिखे थे। फिल्म के 'ओ मेरी जान' और 'लूट गए हम तो राहों में' जैसे गाने भी लोगों के बीच लोकप्रिय हुए थे।

वहीं आमिर ने नासिर हुसैन की एक और फिल्म 'जबरदस्त' का जिक्र किया था, वह फिल्म 1985 में रिलीज हुई थी। इसमें सनी देओल के अलावा संजीव कुमार, जया प्रदा, राजीव कपूर, रति अग्निहोत्री, तनुजा और अमरीश पुरी जैसे कलाकार नजर आए थे। इसमें सनी देओल ने सुंदर कुमार का किरदार निभाया था, जो अपने परिवार और पिता के अतीत से जुड़े सच को जानने की कोशिश करता है।

अब सालों बाद आमिर खान और सनी देओल एक बार फिर साथ आए हैं। दोनों हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बंटवारा 1947' से जुड़े। फिल्म में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं और आमिर खान इसके निर्माता हैं। फिल्म 14 अगस्त को रिलीज हुई है।

दिल्ली एनसीआर में गर्मी और उमस से राहत

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इन दिनों मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलता नजर आ रहा है। लगातार बारिश और बादलों की आवाजाही के कारण लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली है। तापमान में बहुत अधिक बढ़ोतरी नहीं होने से दिन के समय भी मौसम सुहावना बना हुआ है। मौसम में आए इस बदलाव का असर लोगों की दिनचर्या पर भी दिखाई दे रहा है। सुबह और शाम के समय वातावरण में गर्मी का असर कम महसूस हो रहा है, जबकि दोपहर में भी पहले जैसी तेज गर्मी परेशान नहीं कर रही।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहने और सुबह से दोपहर के बीच कहीं-कहीं बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। 19 और 20 अगस्त को भी कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है। 21 अगस्त को कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। यानी आने वाले दिनों में भी मौसम पूरी तरह शुष्क रहने के बजाय बादलों और बारिश की गतिविधियों से प्रभावित रह सकता है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक सफदरजंग क्षेत्र में 18 अगस्त के दौरान सामान्य अधिकतम तापमान करीब 33.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। 19 से 23 अगस्त के बीच सामान्य अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री और न्यूनतम 26.5 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। वहीं 24 से 28 अगस्त के दौरान अधिकतम तापमान का सामान्य स्तर 34.1 डिग्री और न्यूनतम 26.4 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में भी बादलों की आवाजाही और बारिश का असर मौसम पर देखने को मिल रहा है। इससे लगातार धूप और उमस से परेशान लोगों को काफी राहत मिली है। बारिश के बाद कई इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, हालांकि बारिश रुकने के बाद नमी बढ़ने से कुछ समय के लिए उमस महसूस हो सकती है। मौसम में बदलाव का सकारात्मक असर वायु गुणवत्ता पर भी दिखाई दे रहा है। बारिश और हवा की गतिविधियों के कारण वातावरण में मौजूद धूल और प्रदूषक कणों के फैलाव में मदद मिलती है। यही वजह है कि एनसीआर के कई हिस्सों में हवा की गुणवत्ता फिलहाल बेहद खराब श्रेणी में नहीं पहुंची है। दिल्ली का एक्यूआई हालांकि अलग-अलग समय और मॉनिटरिंग स्टेशन के अनुसार बदलता रहता है। उपलब्ध ताजा आंकड़ों में दिल्ली का एक्यूआई 109 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है।

विशेषज्ञों के अनुसार एक्यूआई लेकर राहत को स्थायी सुधार नहीं माना जा सकता, क्योंकि मौसम, हवा की दिशा, वाहनों से होने वाला उत्सर्जन और स्थानीय प्रदूषण जैसे कारक वायु गुणवत्ता को लगातार प्रभावित करते हैं। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार 21 अगस्त तक दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में बादल और बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। 19 और 20 अगस्त को कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर भी आ सकता है। ऐसे में आने वाले दिनों में तापमान पर नियंत्रण रहने और लोगों को तेज गर्मी से राहत जारी रहने की उम्मीद है।

जम्मू एनआईए कोर्ट ने पाकिस्तानी हैंडलर के खिलाफ जारी किया गैर जमानती वारंट

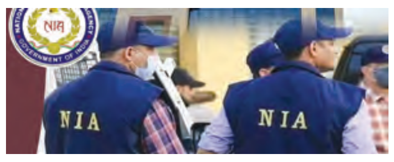

जम्मू, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू की एनआईए कोर्ट ने पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर मोहम्मद याकूब उर्फ अबू सुमामा उर्फ सुमामा इलियास उर्फ वारिस अली के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी किया है। कोर्ट ने माना कि आरोपी फरार है और जांच एजेंसी उसे सामान्य तरीके से पेश करने में असमर्थ रही है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक, आरोपी को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून (यूएपीए) की धारा 35 के तहत नामित आतंकवादी घोषित किया गया है । एनआईए के सीआईओ डिप्टी एसपी अमित शर्मा द्वारा दी गई अर्जी में बताया गया कि यह केस जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा गुज्जर टेंट पांडाच में नाका चेकिंग के दौरान शुरू हुआ था। जांच के दौरान जाकुरा, श्रीनगर की तरफ आ रही मोटरसाइकिल नंबर जेके01एएच/8264 को रोका गया। तलाशी में सवार व्यक्ति के पास से एक चीनी ग्रेनेड और 15 कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में उसने अपना नाम मोहम्मद नकीब भट्ट बताया, जो श्रीनगर के फजल हक कॉलोनी, बटपोरा का रहने वाला है। वह हथियार और गोला-बारूद रखने का कोई वैध कारण नहीं बता सका।

इसके बाद पुलिस थाना जाकोड़ा में एफआईआर दर्ज की गई। इसमें यूएपीए की धारा 23, आर्म्स एक्ट 1959 की धारा 7/25 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 की धारा 4 के तहत मामला दर्ज हुआ। जांच के दौरान सामने आया कि इस साजिश के पीछे पाकिस्तान में बैठा हैंडलर मोहम्मद याकूब उर्फ अबू सुमामा उर्फ सुमामा इलियास उर्फ वारिस अली का हाथ है। एनआईए के अनुसार, गिरफ्तार किए गए पाकिस्तानी आतंकियों अब्दुल्ला राजपूत उर्फ कामरान अहमद और खुबैब उर्फ उस्मान जट्ट ने पूछताछ में इसका नाम बताया।

बाल उगाने के नाम पर 17 हजार करोड़ का खेल

बिना प्रमाण 90 दिन में बाल उगाने का दावा

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बाल झड़ने और गंजेपन की चिंता के बीच देश में करीब 17 हजार करोड़ रुपये का हेयर-केयर बाजार खड़ा हो गया है। इसी बाजार में 48 घंटे में बाल झड़ना रोकने, 90 दिन में नए बाल उगाने और गारंटी के साथ नतीजे देने वाले उत्पादों की भरमार है। तेल, सीरम और शैंपू से लेकर टैबलेट और हेयर ग्रोथ किट तक के दावे सोशल मीडिया पर किए जा रहे हैं।

लेकिन कई दावों के समर्थन में पर्याप्त चिकित्सकीय प्रमाण नहीं हैं। भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) की 2025-26 की समीक्षा में व्यक्तिगत देखभाल श्रेणी के 639 मामलों की जांच हुई। इनमें करीब 90 फीसदी विज्ञापनों में बदलाव की जरूरत पाई गई। तेजी से परिणाम, गारंटी और दिखने वाले नतीजों के दावे प्रमुख आपत्तियां रहे। करीब 45 फीसदी मामले इन्फ्लुएंसर विज्ञापनों से जुड़े थे। हेयर ट्रीटमेंट और ट्रांसप्लांट के दावों से परेशान उपभोक्ताओं के मामले आयोगों तक पहुंचे हैं। अहमदाबाद के एक उपभोक्ता ने उपचार पर 53 हजार रुपये खर्च किए। अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर आयोग ने रकम नौ फीसदी ब्याज के साथ लौटाने और 40 हजार रुपये मुआवजे का आदेश दिया।

बंगलूरू के एक मामले में 55 हजार रुपये लेकर ट्रांसप्लांट के बजाय विग देने की शिकायत भी सामने आई। 48 घंटे और 90 दिन वाले दावे भी फेल। एएससीआई की कार्रवाई में एक लोशन के फेसबुक विज्ञापन में 48 घंटे में रूसी और बाल झड़ना नियंत्रित करने का दावा किया गया। जांच में इसे पर्याप्त आधार नहीं मिला। एक अन्य हेयर फॉल कंट्रोल किट को क्लीनिकली प्रूवन बताते हुए 90 दिन में बाल उगाने का दावा किया गया, लेकिन कंपनी इसके समर्थन में पर्याप्त प्रमाण नहीं दे सकी।

19 अगस्त को राजभवन मार्च

तेजस्वी के बाद लालू ने भी भरी हुंकार; छात्र-युवाओं से की पटना पहुंचने की अपील

पटना, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पेपरलीक, बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और सिवान फायरिंग के मुद्दे को लेकर राजद ने सरकार के खिलाफ आंदोलन का एलान किया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आह्वान पर 19 अगस्त को पटना में राजभवन मार्च निकाला जाएगा। अब राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी छात्र-युवा शक्ति से इस आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। लालू प्रसाद ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट कर छात्र-युवाओं से 19 अगस्त को पटना में एकजुट होने का आह्वान किया। सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक मांगों को सुनने के बजाय आंदोलनकारियों पर एके-47 से गोलियां बरसाई जा रही हैं।

लालू प्रसाद ने अपने पोस्ट में कहा कि पेपरलीक, शिक्षा व्यवस्था और रोजगार से जुड़े सवालों को लेकर छात्र और युवा लगातार परेशान हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग रखने वाले युवाओं की आवाज सुनी जानी चाहिए। उन्होंने छात्र-युवाओं से अपील करते हुए कहा कि इस तानाशाही के विरुद्ध सभी लोग 19 अगस्त को पटना में एकजुट हों और आंदोलन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इससे पहले तेजस्वी यादव ने भी 19 अगस्त के राजभवन मार्च को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर सरकार से कई सवाल पूछे। तेजस्वी ने पूछा कि बिहार में कोई भी परीक्षा बिना पेपरलीक के क्यों नहीं होती? क्या नौकरी में निष्पक्ष और पारदर्शी चयन होता है? बिहार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार पीछे क्यों है? क्या भर्ती प्रक्रिया में भेदभाव और पक्षपात नहीं होता? तेजस्वी यादव ने बेरोजगारी के मुद्दे को भी उठाते हुए पूछा कि देश के सबसे युवा प्रदेश के नौजवान सबसे अधिक बेरोजगार क्यों हैं।

उन्होंने सिवान फायरिंग की घटना का जिक्र करते हुए सरकार से सवाल किया कि लोकतांत्रिक तरीके से हक-अधिकार मांगने वाले छात्रों पर एके-47 से गोलियां किसने चलवाईं। तेजस्वी यादव ने कहा कि इन सभी सवालों का जवाब लेने के लिए युवाओं को एकजुट होना होगा। उन्होंने 19 अगस्त को पटना में अपनी ताकत का प्रदर्शन करने और सरकार की जवाबदेही तय करने की अपील की। राजद की ओर से इस आंदोलन को छात्र-युवा मुद्दों से जोड़कर सरकार को घेरने की तैयारी की जा रही है। लालू प्रसाद के समर्थन के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और छात्र-युवा समर्थकों की सक्रियता बढ़ने की उम्मीद है।

दो बंदूकें लेकर स्कूल पहुंचा छात्र, पहले टीचर पर चलाई गोली फिर साथी छात्र की हत्या कर की खुदकुशी

मनीला, 18 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिणी फिलीपींस में एक हाई स्कूल में मंगलवार को दो बंदूकें लिए एक छात्र ने अपने ही एक साथी छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद फिर खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जाम्बोआंगा शहर के मेयर खाइमर अदान ओलासो ने कहा कि हमलावर ने शायद हमले की लाइव-स्ट्रीमिंग के लिए बॉडी कैमरा पहना हुआ था। यह हमला उनके शहर में एटेनिओ डी जाम्बोआंगा यूनिवर्सिटी कैंपस के हाई स्कूल में हुआ। उन्होंने बताया कि दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। ओलासो ने डीजेडबीबी रेडियो नेटवर्क को बताया कि हमलावर ने पहले एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन यह साफ नहीं है कि टीचर को गोली लगी या नहीं। इसके बाद उसने अपने एक साथी छात्र को गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई, और फिर उसने खुद को गोली मार ली।

सफाईकर्मी की हत्या पर बवाल

आप बोली–जबरन हो रहा अंतिम संस्कार, हमारे विधायक को सुबह 4 बजे पुलिस ने उठाया

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में सफाई कर्मचारी की हत्या कर दी गई थी। आरोपी ने ड्यूटी के दौरान एमसीडी के सफाई कर्मचारी पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए थे, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। वहीं इस मामले पर राजनीति भी शुरू हो गई है। आम आदमी पार्टी ने घटना को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है, साथ ही दिल्ली पुलिस पर भी आरोप लगाए हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि पुलिस जबरदस्ती मृत सफाई कर्मचारी का दाह संस्कार करवा रही है ।उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि सफाई कर्मचारी की निर्मम हत्या के बाद दो दिन से हजारों सफाई कर्मचारी धरने पर बैठे थे।

उनका कहना था कि सरकार 1 करोड़ मुआवजा दे, मगर अब पुलिस मृत शरीर को ज़बरदस्ती अस्पताल से घर ले आई है। नेता ने कहा कि पुलिस परिवार को धमका रही है कि मृतक का अभी दाह संस्कार करो। इसके साथ ही सौरभ भारद्वाज ने आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार को अगवा में किए जाने का भी दावा किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि आज सुबह 4:00 बजे सादे कपड़ों में आए करीब 20 पुलिसकर्मियों ने आप विधायक कुलदीप कुमार को अगवा कर लिया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कुलदीप कुमार सफाई कर्मचारियों के लिए और उनके परिवारों को मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर आवाज उठा रहे थे।

उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से परिवार की मुलाकात कराने की मांग की थी, लेकिन प्रदर्शनकारियों से मिलने के बजाय विधायक कुलदीप कुमार को अगवा कर लिया गया और उन्हें किसी अज्ञात जगह पर ले जाया गया है। घटना के दिन ही विधायक कुलदीप कुमार ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि कल्याणपुरी में खुलेआम एक सफाई कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना देश की राजधानी दिल्ली की है, जहां आज आम आदमी की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने उत्तर कोरिया को भेजी चिट्ठी

लिखा- 'हम दोनों अब एक ही मोर्चे पर लड़ रहे'

सोल, 18 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेन युद्ध में रूस को उत्तर कोरिया की सैन्य मदद और सैनिकों की तैनाती की सराहना करते हुए दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने का संकल्प लिया है। उनके मुताबिक दोनों देशों की लड़ाई का मोर्चा एक ही है। योनहाप ने उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया एजेंसी केसीएनए के हवाले से बताया कि लावरोव ने यह बात उत्तर कोरिया के मुक्ति दिवस की 81वीं वर्षगांठ के मौके पर अपनी उत्तर कोरियाई समकक्ष चो सोन हुई को भेजे पत्र में कही। उन्होंने याद दिलाया कि रूस और नॉर्थ कोरिया ने 1945 में जापानी सैन्यवाद को हराने के लिए मिलकर लड़ाई लड़ी थी और दूसरे विश्व युद्ध को जल्दी खत्म करने में मदद की थी।

इसके बाद लावरोव ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में नॉर्थ कोरिया की मदद की तारीफ करते हुए कहा, कुर्स्क इलाके में नॉर्थ कोरिया की सेना की तैनाती पिछली बहादुर पीढ़ियों की पहल पर कायम हुई दोस्ती का साफ सबूत है। लावरोव ने पत्र में कहा, रूस और उत्तर कोरिया अब एक ही मोर्चे पर लड़ रहे हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच बहुआयामी सहयोग को आगे बढ़ाने का भरोसा जताया और इसे बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था तथा राष्ट्रीय संप्रभुता पर आधारित नई वैश्विक व्यवस्था के निर्माण से जोड़ा। रूस और उत्तर कोरिया के संबंध यूक्रेन युद्ध के बाद तेजी से मजबूत हुए हैं। प्योंगयांग ने रूस को हथियार और गोला-बारूद उपलब्ध कराने के साथ सैनिक भी भेजे हैं।

रूस ने अप्रैल 2025 में पहली बार उत्तर कोरियाई सैनिकों की तैनाती की आधिकारिक पुष्टि की थी। इसके बाद दोनों देशों के सैन्य और रणनीतिक सहयोग में लगातार विस्तार हुआ है। योनहाप के अनुसार, लावरोव का ताजा बयान इसी बढ़ते सैन्य सहयोग को सार्वजनिक समर्थन देने के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने उत्तर कोरिया के रूस के समर्थन को दोनों देशों के बीच विकसित हो रहे रणनीतिक संबंधों का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। मास्को और प्योंगयांग ने जून 2024 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसने दोनों देशों के सुरक्षा संबंधों को नई दिशा दी।

खूंखार आतंकी संगठन अल-शबाब का हमला नाकाम सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 30 आतंकी ढेर

मोगादिशू, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सोमाली नेशनल आर्म्ड फोर्सेज (एसएनएएफ) ने तड़के सोमालिया के मध्य शहर बैदोआ में हुए एक हमले को नाकाम करने के बाद अल-शबाब के कम से कम 30 आतंकियों को मार गिराया और कई अन्य को पकड़ लिया। सोमालिया के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सुबह 5 बजे हथियारबंद लोगों ने गाड़ियों में लगे इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का इस्तेमाल करके एसएनएएफ की चौकियों पर हमला किया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने कहा कि हमलावर गुट में अल-शबाब के चरमपंथी और साउथवेस्ट स्टेट के राष्ट्रपति अब्दिअजीज हसन मोहम्मद लाफ्टागरीन के वफादार उग्रवादी शामिल थे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'एसएनएएफ ने पेशेवर और निर्णायक ढंग से जवाबी कार्रवाई की, हमले को नाकाम किया और बैदोआ की सुरक्षा और स्थिरता को अस्थिर करने की हमलावरों की कोशिश को विफल कर दिया।'

बयान में कहा गया है कि सैन्य बलों ने हमले में इस्तेमाल किए गए हथियार और गाड़ियां जब्त कर ली हैं और शहर को सुरक्षित करने तथा बैदोआ के कुछ हिस्सों में बचे हुए लड़ाकों का पता लगाने के लिए क्लीयरेंस ऑपरेशन चला रहे हैं। इसमें कहा गया, 'रक्षा मंत्रालय ऑपरेशन पूरा होने के बाद हमले और ऑपरेशन के नतीजों के बारे में सोमालिया की जनता को और जानकारी देगा।' सोमाली सैनिकों का मार्च से ही शहर पर नियंत्रण है, जब उन्होंने बैदोआ पर कब्जा किया और लाफ्टागरीन को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया।

स्थानीय लोगों ने पुष्टि की कि सुबह बैदोआ में जबरदस्त लड़ाई हुई, जिसमें एसएनएएफ बलों की भिड़ंत लाफ्टागरीन के वफादार हथियारबंद मिलिशिया और अल-शबाब के लोगों से हुई। हालांकि स्थानीय विपक्षी नेताओं ने शहर पर कब्जा करने का दावा किया, लेकिन सैन्य अधिकारियों ने इस दावे को खारिज कर दिया और पुष्टि की कि सुरक्षा अभियान जारी है। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के समर्थन से सोमालिया की नेशनल इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी एजेंसी (एनआईएसए) ने रविवार को मध्य क्षेत्र में एक टारगेटेड ऑपरेशन में अल-शबाब के आठ चरमपंथियों को मार गिराया, जिनमें तीन सीनियर कमांडर भी शामिल थे।

दाभोलकर हत्याकांड

हाई कोर्ट ने दूसरे आरोपी सचिन अंदुरे को दी जमानत अप्रैल में पहले हत्यारोपी को मिली थी बेल

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने डॉ. नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड के आरोपी सचिन अंदुरे को जमानत दे दी है। डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की 20 अगस्त 2013 को पुणे में सुबह की सैर के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बता दें कि, इससे पहले पुणे की सेशंस कोर्ट ने इस मामले में शरद कलस्कर और सचिन अंदुरे को दोषी ठहराया था और 2024 में दोनों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। वहीं, अप्रैल महीने में बॉम्बे हाई कोर्ट ने 29 अप्रैल को 2013 में तर्कवादी नरेंद्र दाभोलकर की हत्या मामले में दोषी ठहराए गए शरद कलस्कर को जमानत दी।

अदालत ने हमलावर के रूप में उनकी पहचान को लेकर संदेह जताया था। जबकि, पिछले साल अदालत ने वाम नेता गोविंद पंसारे की हत्या के मामले में भी कलस्कर को जमानत दी थी। 67 साल के दाभोलकर अंधविश्वास के खिलाफ काम करने वाले प्रमुख कार्यकर्ता थे। उन्होंने महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति की स्थापना की थी। 20 अगस्त 2013 को पुणे में मोटरसाइकिल पर आए दो हमलावरों ने उन्हें गोली मार दी थी। 2014 में बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद जांच अपने हाथ में लेने वाली सीबीआई ने सचिन अंदुरे और शरद कलस्कर को इस अपराध का आरोपी बताया था। साल 2024 में एक विशेष अदालत ने इस मामले में शरद कलस्कर और सचिन अंदुरे को दोषी ठहराया। अदालत ने हत्या के लिए उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी। शरद कलस्कर ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। उसने अपील पर अंतिम सुनवाई और फैसले तक जमानत देने की मांग की थी।

इस दौरान जस्टिस अजय गडकरी और जस्टिस रणजीत सिंह भोंसले की खंडपीठ ने रिहाई का आदेश देते हुए शरद कलस्कर को 50 हजार रुपये का जमानत बांड भरने का निर्देश दिया था। अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की उस मांग को भी खारिज कर दिया, जिसमें जमानत आदेश को चार हफ्ते तक रोकने की मांग की गई थी। जस्टिस गडकरी ने कहा, जब हम पहले ही याचिकाकर्ता कलस्कर की हमलावर के रूप में पहचान पर संदेह जता चुके हैं, तो इस आदेश पर रोक लगाने का सवाल ही नहीं उठता।

कोलाबा चोरी मामले में अभिनेत्री रूपा दत्ता को मिली जमानत

50 हजार के निजी मुचलके पर कोर्ट ने किया रिहा

मुंबई, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अभिनेत्री रूपा दत्ता को मुंबई के कोलाबा में कथित 1.48 लाख रुपए की चोरी के मामले में बड़ी राहत मिली है। मामले में गिरफ्तार बंगाली अभिनेत्री को मुंबई की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने जमानत दे दी है। अदालत ने उन्हें 50 हजार रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दी। साथ ही कोर्ट ने कुछ शर्तें भी लगाई हैं। रूपा दत्ता को निर्देश दिया गया है कि वह मामले से जुड़े सबूतों के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं करेंगी और अदालत की अनुमति के बिना देश छोड़कर नहीं जा सकेंगी। मामला मरीन ड्राइव की रहने वाली डिंपल सिंघवी की शिकायत से जुड़ा है। शिकायत के मुताबिक, 12 जुलाई 2026 को वह बाबुलनाथ मंदिर से कोलाबा की तरफ जा रही थीं।

इस दौरान रास्ते में काफी भीड़ थी। इसी भीड़भाड़ वाले इलाके के बीच उनका पर्स चोरी हो गया। शिकायत में बताया गया कि पर्स में काफी कीमती सामान मौजूद था। इसमें करीब 1.20 लाख रुपए कीमत का डायमंड जड़ित सोने का ब्रेसलेट, 10 हजार रुपए नकद और करीब 15 हजार रुपए कीमत के एप्पल एयरपॉड्स शामिल थे। इसके अलावा पर्स में वॉलेट और कुछ जरूरी निजी दस्तावेज भी रखे हुए थे। कुल मिलाकर चोरी हुए सामान की कीमत करीब 1.48 लाख रुपए बताई गई है। पर्स गायब होने के बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस से संपर्क किया और कोलाबा पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस के मुताबिक, फुटेज में रूपा दत्ता कथित तौर पर शिकायतकर्ता का पीछा करती हुई नजर आईं। इसी आधार पर पुलिस ने अभिनेत्री को मामले से जोड़ते हुए उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस ने दावा किया कि रूपा दत्ता के कब्जे से चोरी की गई कुछ संपत्ति बरामद हुई है। हालांकि, मामले में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों पर अभी अदालत का अंतिम फैसला नहीं आया है। जमानत की सुनवाई के दौरान रूपा दत्ता की ओर से उनके वकील सुनील पांडे ने अदालत में अभिनेत्री का पक्ष रखा। बचाव पक्ष ने दलील दी कि रूपा दत्ता को मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है और वह परिस्थितियों की शिकार हैं।

कांग्रेस नेत्री सुप्रिया और नेहा राठौर पर बीजेपी ने दर्ज कराई एफआईआर

भ्रामक वीडियो वायरल करने का आरोप

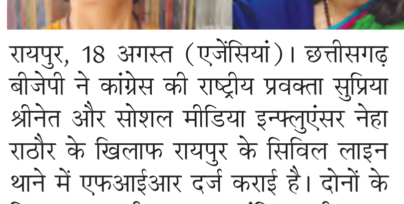

रायपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ बीजेपी ने कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नेहा राठौर के खिलाफ रायपुर के सिविल लाइन थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। दोनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 336(4), 353(2) और 196 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में लगाए गए आरोपों, सोशल मीडिया पोस्ट और उनसे जुड़े अन्य तथ्यों की जांच करेगी। इस दौरान संबंधित डिजिटल सामग्री और उसके प्रसारण से जुड़े पहलुओं को देखा जायेगा।

छत्तीसगढ़ भाजपा प्रवक्ता उज्जवल दीपक की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सौंपे गए शिकायत पत्र में कांग्रेस कमेटी की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नेहा सिंह राठौर की ओर से धमतरी जिले के कुरुद में 22 मार्च 2026 को हुए 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' के दौरान बीजेपी का ध्वज फहराए जाने के फोटो एवं वीडियो को 15 अगस्त 2026 का बताकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप है। उक्त हैंडल्स ने झूठा दावा करते हुए कहा कि भाजपा जनप्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय ध्वज की जगह पार्टी का झंडा फहराया है। इस पुराने वीडियो को स्वतंत्रता दिवस पर वायरल किया गया। इससे जनता के बीच भ्रम, राजनीतिक तनाव और अशांति फैलाने की आशंका है।

फिलहाल, पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। बीजेपी ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल एवं संबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से इस प्रकार की भ्रामक सामग्री को तुरंत हटाने और संबंधित हैंडल्स पर कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं पुलिस के अनुसार, शिकायत में सोशल मीडिया के माध्यम से किए गए कथित आपत्तिजनक और विवादित प्रचार-प्रसार को लेकर आपत्ति जताई गई है। शिकायतकर्ता की ओर से आरोप लगाया गया है कि संबंधित पोस्ट और बयानों के जरिए ऐसी सामग्री प्रसारित की गई, जिससे सामाजिक स्तर पर भ्रम और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

एनवीडिया प्रमुख जेन्सन हुआंग को चिंता

बोले- अब एल्गोरिदम नहीं इन चीजों पर निर्भर एआई का भविष्य

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की दुनिया जितनी तेजी से आगे बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से उसकी राह में एक नया रोड़ा खड़ा हो गया है। हैरानी की बात यह है कि यह अड़चन कोई स्मार्ट एल्गोरिदम की कमी या कंप्यूटर चिप्स की किल्लत नहीं है। एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग ने चेतावनी दी है कि अब एआइ की रफ्तार एल्गोरिदम से नहीं, बल्कि जमीन, बिजली और विशाल डेटा सेंटरों जैसे बुनियादी भौतिक संसाधनों की उपलब्धता से तय होगी। उन्होंने 'एआइ फैक्ट्रियों' को इस नए युग का सबसे महत्वपूर्ण ढांचा बताया है, जहां कंप्यूटिंग तकनीक बिजली और डेटा को व्यावसायिक बुद्धिमत्ता (इंटेलीजेंस) में बदल देती है।

आखिर क्यों एल्गोरिदम और चिप्स के बजाय बिजली-जमीन बन गए हैं सबसे बड़ा रोड़ा?

एआइ के विकास के अगले चरण में भौतिक बुनियादी ढांचे (फिजिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर) की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। जेन्सन हुआंग के अनुसार, अग्रणी एआइ लैबोरेट्रीज की कंप्यूटिंग क्षमता की मांग उनकी बुनियादी ढांचा जुटाने की स्वतंत्र क्षमता से कहीं अधिक तेजी से बढ़ रही है। अब कंपनियों का विस्तार इस बात पर निर्भर करेगा कि वे कितनी जल्दी एआइ फैक्ट्रियों के लिए उपयुक्त जमीन, बिजली और डेटा सेंटर शेल्स (एलपीएस) हासिल कर पाती हैं। यह स्थिति एआइ को पूरी तरह से एक इन्फ्रास्ट्रक्चर-गहन उद्योग बना रही है, जहां सेमीकंडक्टर्स के साथ-साथ बिजली और जमीन रणनीतिक संसाधन बन चुके हैं।

एनवीडिया का ओहायो प्रोजेक्ट क्या है और ओपनएआई की इसमें क्या भूमिका है?

बुनियादी ढांचे की इसी कमी को दूर करने के लिए एनवीडिया ने जमीन और बिजली के सौदों में सीधे उतरने की अनोखी रणनीति अपनाई है। कंपनी ने पोर्ट्समाउथ, ओहायो में 'पोर्ट्स-पाइक टेक्नोलॉजी कैंपस' में जमीन, बिजली और शेल क्षमता को सुरक्षित करने के लिए 'एसबी एनर्जी' के साथ एक बड़ा समझौता किया है।

इस नए इन्फ्रास्ट्रक्चर मॉडल से एनवीडिया को कितनी बंपर कमाई होगी?

एनवीडिया की यह रणनीति उसके भविष्य के राजस्व का एक बहुत बड़ा जरिया बनने जा रही है। ओहायो के इस विशाल केंद्र में तैनात होने वाले कंप्यूटिंग सिस्टम की प्रत्येक पीढ़ी (जेनरेशन) में लगभग 15 लाख एनवीडिया जीपीयू का उपयोग हो सकता है। एनवीडिया का अनुमान है कि यह बुनियादी ढांचा प्रत्येक पीढ़ी के कंप्यूटिंग प्रणालियों के माध्यम से कंपनी के लिए लगभग 150 से 200 अरब डॉलर का रिकॉर्ड राजस्व उत्पन्न कर सकता है।

क्या बुनियादी ढांचे के लिए एनवीडिया की वित्तीय मदद कोई 'सर्कुलर फाइनेंसिंग' है?

बाजार में यह चिंता जताई जा रही थी कि एनवीडिया द्वारा बुनियादी ढांचे को सुरक्षित करने में वित्तीय सहायता देना केवल अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए किया गया एक वित्तीय चक्रव्यूह हो सकता है। इस पर जेन्सन हुआंग ने पूरी तरह विराम लगाते हुए कहा, ₹नहीं, यह कोई सर्कुलर फाइनेंसिंग नहीं है। ओपनएआई खुद अपनी लीज का भुगतान करेगी।₹ उन्होंने साफ किया कि एनवीडिया केवल अपने बड़े पैमाने और ग्राहकों की मांग की स्पष्ट दृश्यता का उपयोग करके उस महत्वपूर्ण भौतिक बुनियादी ढांचे को आरक्षित कर रही है, जो भविष्य में एनवीडिया की कंप्यूटिंग क्षमता को होस्ट करेगा।

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर में आज फिर लगा लोअर सर्किट

एक साल में कूड़ा हुआ अनिल अंबानी का यह शेयर

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के बुरे दिन चल रहे हैं। अनिल अंबानी और उनकी दूसरी कंपनियों पर पड़ रहे सीबीआई के छापे का असर उनकी शेयर मार्केट में लिस्ट कंपनियों पर भी दिखाई दे रहा है। स्थिति यह है कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का शेयर बुरी तरह धड़ाम हो गया है। आज मंगलवार को भी इसमें लोअर सर्किट लगा। पिछले एक साल में इसमें 75 फीसदी की गिरावट आई है। रिलायंस इंफ्रा के शेयर में मंगलवार को बीएसई और एनएसई, दोनों पर 2 फीसदी का लोअर सर्किट लगा। इस गिरावट के साथ एनएसई पर इसका भाव गिरकर 64.47 रुपये पर आ गया। सोमवार को यह शेयर 65.78 रुपये पर बंद हुआ था और मंगलवार को लोअर सर्किट के साथ ही 64.47 रुपये पर खुला। आज से पहले भी इस शेयर में कई बार लोअर सर्किट लग चुका है।

एक साल में बुरी स्थिति

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का शेयर एक साल में बुरी तरह टूट गया है। एक साल में इसमें 75 फीसदी की गिरावट आई है। यानी एक साल पहले जिन निवेशकों का इसमें एक लाख रुपया था, उसकी वैल्यू अब मात्र 25 हजार रुपये रह गई है। वहीं पिछले एक हफ्ते में यह शेयर करीब 10 फीसदी लुढ़क गया है। वहीं एक महीने में इसमें करीब 3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस साल भी यानी 1 जनवरी 2026 से लेकर अब तक यह करीब 59 फीसदी फिसल गया है।

क्या गिर रहा यह शेयर?

अनिल अंबानी पर पड़ रहे मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित सीबीआई के छापों का असर कंपनियों के शेयर पर दिखाई दे रहा है। कंपनी ने शेयर मार्केट को जानकारी दी कि रिलायंस पावर और उसकी सब्सिडियरी कंपनी रिलायंस क्लीनजेन लिमिटेड को सीबीआई की ओर से प्री-कॉग्निजेंस नोटिस मिला है। यह नोटिस ईडी की ओर से दर्ज कराई शिकायत के आधार पर जारी किया गया। यह मामला 3000 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है।अब बात आती है कि जब नोटिस रिलायंस पावर और उसकी सब्सिडियरी कंपनी को मिला है तो रिलायंस इंफ्रा में लोअर सर्किट क्यों लगा?

पीछे छूटा हिंडनबर्ग का जिन्न!

एक बार फिर निफ्टी का सरताज बनने की ओर अडानी एंटरप्राइजेज

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज निफ्टी में सबसे बेहतर प्रदर्शन की तरफ बढ़ रही है। करीब तीन साल पहले भी कंपनी इसी स्थिति में थी लेकिन हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के कारण उसे काफी नुकसान हुआ था। एक बार फिर उसी स्थिति में वापस आ गई है। इस साल कंपनी के शेयरों में अब तक 34% की तेजी आई है और वह इस साल निफ्टी पर सबसे बेहतर स्टॉक बनने की राह पर है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी एंटरप्राइजेज ने आखिरी बार साल 2022 में यह मुकाम हासिल किया था। लेकिन जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च की शॉर्ट-सेलर रिपोर्ट आने के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में भारी बिकवाली हुई थी। इससे ग्रुप की मार्केट वैल्यू में करीब 150 अरब डॉलर से ज्यादा गिरावट आई थी। लेकिन अब अडानी ग्रुप हिंडनबर्ग रिसर्च के जिन्न को पीछे छोड़कर काफी आगे बढ़ गया है।

क्यों बढ़ रहा है शेयर?

हाल में कैपिटल ग्रुप, गोल्डमैन सैक्स ग्रुप और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर खरीदे हैं। हाल में गौतम अडानी और ग्रुप के दूसरे अधिकारियों को अमेरिका में क्लीन चिट मिलने के बाद ग्रुप के प्रति निवेशकों का भरोसा फिर से बना रहा है। मॉर्गन स्टेनली ने जून में अडानी एंटरप्राइजेज पर कवरेज शुरू करते हुए इसे ओवरवेट रेटिंग दी। भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काफी काम हो रहा है और इसका फायदा अडानी ग्रुप को भी हो रहा है। निवेशक ग्रुप के पोर्ट, एयरपोर्ट और पावर बिजनेस में पैसा लगा रहे हैं। विदेशी बैंक भी एक्सपोजर लेने में ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। वेंचुरा सिक्योरिटीज में रिसर्च हेड विनीत बोलिंजकर ने कहा, 'अडानी असल में इन्फ्रास्ट्रक्चर के जरिए भारत की ग्रोथ स्टोरी को आगे बढ़ा रहे हैं।'शेयर बाजार में गिरावट के बीच अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर आज कारोबार के दौरान करीब एक फीसदी उछला। बीएसई पर पिछले सत्र में यह 3,008.60 रुपये पर बंद हुआ था और आज 3,009.10 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 3,036.50 रुपये तक उछला। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 3,245 रुपये और न्यूनतम स्तर 1,753.45 रुपये है।

आज सोने-चांदी के दाम में गिरावट

चांदी 1,920 गिरकर 2.34 लाख किलो पर आई, 10 ग्राम सोना 1.54 लाख का बिक रहा

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 18 अगस्त को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 1,920 रुपए गिरकर 2.34 लाख रुपए पर आ गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 5 रुपए कम होकर 1.54 लाख रुपए पर है।

इस साल सोने-चांदी में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 21 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.54 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

चांदी की कीमत में 4 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.34 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

अब आटा और रोटी भी होगी महंगी?: चार प्रतिशत तक बढ़े गेहूं के दाम, काला सागर में तनाव से सप्लाई पर मंडराया संकट

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। महंगाई की मार अब खाने की थाली तक और बढ़ सकती है। वैश्विक बाजार में गेहूं की कीमतों में तेजी का असर घरेलू बाजार में भी दिखाई देने लगा है। फिलहाल गेहूं की कीमत करीब 6.7 डॉलर प्रति बुशेल के आसपास है, जो 24 जुलाई के बाद का सबसे ऊंचा स्तर बताया जा रहा है। पिछले एक महीने में देश की प्रमुख मंडियों में गेहूं के भाव 3.85 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। अगर यह तेजी आगे भी बनी रहती है तो आटा, ब्रेड और गेहूं से बनने वाले दूसरे खाद्य उत्पादों की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

काला सागर का तनाव गेहूं के लिए इतना अहम क्यों है?

गेहूं की कीमतों में तेजी के पीछे काला सागर क्षेत्र में बढ़ता तनाव बड़ी वजह बन रहा है। रूस और यूक्रेन दुनिया के गेहूं निर्यात में बड़ा हिस्सा रखते हैं। रूस की ओर से यूक्रेन के साथ काला सागर में संभावित युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकराए जाने के बाद वहां तनाव बना हुआ है। हमलों से समुद्री रास्तों पर शिपिंग प्रभावित हो रही है और निर्यात घटने की चिंता बढ़ी है। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं की आपूर्ति को लेकर आशंका पैदा हुई है।

घरेलू मंडियों में कितनी बढ़ी गेहूं की कीमत?

इस वैश्विक चिंता का असर भारतीय मंडियों में भी दिख रहा है।

17 जुलाई से 17 अगस्त के बीच राजकोट में गेहूं का भाव 2,600 रुपये से बढ़कर 2,700 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। दिल्ली में यह 2,782.50 रुपये से बढ़कर 2,870 रुपये, कानपुर में 2,620 रुपये से बढ़कर 2,700 रुपये और कोटा में 2,657.50 रुपये से बढ़कर 2,700 रुपये प्रति क्विंटल हो गया। इंदौर में भी भाव 2,695 रुपये से बढ़कर 2,708.75 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गया। यानी कई प्रमुख मंडियों में एक महीने के भीतर कीमतें बढ़ी हैं।

क्या आगे भी बढ़ सकती हैं गेहूं की कीमतें?

गेहूं की कीमतों का आगे का रुख काला सागर क्षेत्र के हालात और मौसम पर निर्भर करेगा। अगर वहां तनाव और बढ़ता है तो अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति पर दबाव बढ़ सकता है। इसका असर आयातक देशों के बाजारों पर पड़ सकता है। भारत में भी अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव का घरेलू बाजार पर असर पड़ता है। ऐसे में फिलहाल गेहूं के ऊंचे भाव चिंता का विषय बने हुए हैं। कीमतों में और तेजी आई तो इसका असर आटे और गेहूं से जुड़े दूसरे उत्पादों पर भी पड़ सकता है।

गेहूं के साथ प्याज ने भी क्यों बढ़ाई रसोई की चिंता?

महंगाई का दबाव केवल गेहूं तक सीमित नहीं है। दक्षिण भारत से खरीफ प्याज की आवक में देरी के बीच थोक मंडी में प्याज का भाव बढ़कर 32 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है। 17 अगस्त 2026 को प्याज का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 37.20 रुपये प्रति किलो दर्ज किया गया, जबकि एक महीने पहले यह 34.53 रुपये और एक साल पहले 26.86 रुपये प्रति किलो था। सरकार की ओर से न्यूनतम खरीद मूल्य में सात बार बढ़ोतरी के बावजूद प्याज की खरीद दो लाख टन के लक्ष्य से करीब 25 फीसदी कम रहने का अनुमान है। यानी गेहूं और प्याज दोनों की कीमतों में बढ़ोतरी ने घरेलू रसोई के बजट को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

आरबीआई का मास्टरस्ट्रोक भारत के खजाने में आएंगे 50 अरब डॉलर

डॉलर के मुकाबले बढ़ेगी रुपये की ताकत

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था के मोर्चे से एक बेहद सकारात्मक खबर सामने आई है. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 (एफवाई27) तक भारत का 'बैलेंस ऑफ पेमेंट्स' (बीओपी) 50 अरब डॉलर के शानदार सरप्लस में रहने की उम्मीद है. सरप्लस का मतलब होता है 'बचत' या 'अतिरिक्त पैसा'. यानी देश से जितना पैसा बाहर जा रहा है, उसकी तुलना में विदेशी मुद्रा भारत के पास ज्यादा आ रही है. इसका फायदा ये होगा कि चालू खाता घाटा (सीएडी) जीडीपी के महज 1 प्रतिशत तक सीमित रहेगा. यह स्थिति देश की आर्थिक सेहत को मजबूत करती है, जिससे लंबी अवधि में महंगाई पर लगाम कसने में मदद मिलती है. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में विदेशी मुद्रा जुटाने के लिए एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट स्कीम पेश की थी. यह योजना पूरी तरह से सफल रही है. इस स्कीम के जरिए देश में अब तक 57 अरब डॉलर की भारी-भरकम विदेशी मुद्रा आ चुकी है. रिपोर्ट का अनुमान है कि अगस्त के बचे हुए दिनों में 25 से 30 अरब डॉलर का निवेश और आ सकता है. इस तरह कुल कलेक्शन 85 अरब डॉलर के करीब पहुंच सकता है. हाल ही में आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने भी साफ किया था कि देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के साथ विदेशी पोर्टफोलियो निवेश का प्रवाह बेहद मजबूत है, जिससे भारत की बाहरी वित्तीय स्थिति काफी बेहतर हुई है.जब भी विदेशी पैसा आता है, तो उसके प्रबंधन की एक लागत होती है. बाजार में इस बात को लेकर चिंता थी कि आरबीआई की स्वैप सुविधा की लागत बहुत ज्यादा होगी. लेकिन एसबीआई रिसर्च ने इन चिंताओं को खारिज कर दिया है. रिपोर्ट के अनुसार, पांच साल की कुल हेजिंग लागत लगभग 10.5 अरब डॉलर बैठेगी. यह रकम भारत के करीब 700 अरब डॉलर के विशाल विदेशी मुद्रा भंडार का मात्र 1.45 प्रतिशत है.

शेयर बाजार में फिर गिरावट, सेंसेक्स 492 अंक टूटा

एशियन पेंट्स और इन्फोसिस सबसे ज्यादा लुढ़के

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से आज घरेलू शेयर बाजार में फिर गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स 492.70 अंक यानी 0.63% गिरावट के साथ 77,235.46 अंक पर आ गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स भी 132.75 अंक यानी 0.55% लुढ़ककर 24,154.90 अंक पर क्लोज हुआ। सेंसेक्स में लगातार तीसरे दिन गिरावट आई है जबकि निफ्टी लगातार छठे सत्र में लुढ़का है। इस बीच रुपया भी डॉलर के मुकाबले 0.1% गिरकर 95.68 पर आ गया। पिछले सत्र में यह 95.6025 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 गिरावट के साथ बंद हुए। एशियन पेंट्स में सबसे ज्यादा 2.4 फीसदी गिरावट रही। इसके अलावा इन्फोसिस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो और आईटीसी में भी उल्लेखनीय गिरावट रही। दूसरी ओर एक्सिस बैंक, पावरग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, रिलायंस, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी के शेयरों में तेजी रही।

निफ्टी के शेयरों का हाल

निफ्टी50 इंडेक्स में टाटा मोटर्स पैसेंजर वीकल्स, एशियन पेंट्स और इन्फोसिस सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयर रहे। ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप में 0.43 प्रतिशत की गिरावट आई और निफ्टी स्मॉलकैप फ्लैट बंद हुआ। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी आईटी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी पीएसयू बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट आई, जबकि निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई।

टाटा संस की एजीएम पहली बार रद्द, अध्यक्ष पद के उत्तराधिकारी की तलाश की प्रक्रिया तेज

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। टाटा संस की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) कोरम की कमी के कारण रद्द कर दी गई है। एनडीटीवी प्रॉफिट ने सूत्रों के हवाले से बताया है सर रतन टाटा ट्रस्ट से जुड़ी एक पाबंदी के कारण एजीएम को रद्द करना पड़ा है। यह एजीएम ऐसे समय में बुलाई गई थी जब टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने धारक कंपनी के प्रमुख के रूप में एक और कार्यकाल न लेने का निर्णय लिया है। उनके इस निर्णय से उत्तराधिकारी की पहचान की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसकी शुरुआत सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने की है। टाटा ट्रस्ट्स, जो टाटा संस के लगभग 66 फीसदी हिस्से को नियंत्रित करते हैं, उत्तराधिकार प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं। नोएल टाटा, जो टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष हैं, अगले टाटा संस अध्यक्ष के चयन में एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभर रहे हैं। हालांकि, नियुक्ति टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के तहत निर्धारित एक औपचारिक समिति प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी। मई में हुई टाटा संस की बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन ने समूह के नए कारोबारों, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक्स और विमानन शामिल हैं, के प्रदर्शन, वृद्धि की संभावनाओं और पूंजी आवश्यकताओं पर योजनाएं प्रस्तुत की थीं। चर्चा के दौरान, नोएल टाटा ने एयर इंडिया और बिगबास्केट सहित कुछ कारोबारों पर चिंता जताई थी। उन्होंने विशेष रूप से इन कारोबारों में हो रहे नुकसान पर सवाल उठाए थे। इस बीच, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बाद की चर्चाओं में अपेक्षाकृत एक उज्जवल स्थान के रूप में उभरा। यह नेतृत्व परिवर्तन टाटा संस के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आया है। चंद्रशेखरन के नेतृत्व में कंपनी ने विमानन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का काफी विस्तार किया है।टाटा संस की वार्षिक आम बैठक कोरम की कमी के कारण रद्द हुई। सूत्रों के अनुसार, यह सर रतन टाटा ट्रस्ट से जुड़ी एक पाबंदी के कारण हुआ। कोरम की कमी का मतलब है कि बैठक के लिए आवश्यक न्यूनतम सदस्यों की उपस्थिति नहीं थी। यह घटनाक्रम कंपनी के भीतर चल रहे बड़े बदलावों के बीच आया है। बैठक का रद्द होना कंपनी के लिए एक अप्रत्याशित स्थिति पैदा करता है।टाटा संस के वर्तमान अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन ने अपना कार्यकाल आगे न बढ़ाने का फैसला किया है। उनके इस निर्णय के बाद से ही नए अध्यक्ष की तलाश शुरू हो गई है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने इस उत्तराधिकारी की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है। टाटा ट्रस्ट्स, जो टाटा संस में बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं, इस चयन प्रक्रिया में प्रभावशाली रहेंगे। नोएल टाटा इस प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में देखे जा रहे हैं।नोएल टाटा टाटा ट्रस्ट्स के अध्यक्ष हैं और टाटा संस के बोर्ड में निदेशक भी हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सुर्य	सिंह	मे
चंद्र	तुला	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कन्या	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय

सिंह---	05-56	बजे
कन्या--	08-02	बजे
तुला----	10-06	बजे
वृश्चिक--	12-17	बजे
धनु----	14-32	बजे
मकर--	16-36	बजे
कुंभ---	18-28	बजे
मीन---	20-05	बजे
मेष----	21-41	बजे
वृष-----	23-25	बजे
मिथुन--	01-28	बजे
कर्क----	03-44	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083

शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा

महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - 432000

भोग्य कलि वर्ष. - 426873

सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-42

कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949127

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127

दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले

मास - श्रावण शुक्ल पक्ष बुधवार 19 August 2026

तिथि - सप्तमी 19-19 तक उपरान्त अष्टमी

नक्षत्र - स्वाति 06-46 तक उप विशाखा

योग - ब्रह्म 03-43 तक उप ऐन्द्र

करण - गर 06-31 तक उप वणिज

विशेषः श्री तुलसी ज. शील सप्तमी

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-20 से 13-54 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया

लाभ	06-01 - 07-36	शुभ
अमृत	07-36 - 09-10	शुभ
काल.	09-10 - 10-45	अशुभ
शुभ.	10-45 - 12-20	शुभ
रोग	12-20 - 13-54	अशुभ
उत्पात	13-54 - 15-29	अशुभ
चंचल	15-29 - 17-04	शुभ
लाभ	17-04 - 18-42	शुभ

रात का चौघड़िया

उत्पात	18-42 - 20-04	अशुभ
शुभ.	20-04 - 21-29	शुभ
अमृत	21-29 - 22-54	शुभ
चंचल	22-54 - 00-20	शुभ
रोग	00-20 - 01-45	अशुभ
काल	01-45 - 03-11	अशुभ
लाभ	03-11 - 04-36	शुभ
उत्पात	04-36 - 06-01	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संकर्मण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) — आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थिति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,) — आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे । इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता । इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें । अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी ।आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा । आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है । इसीलिए रोमांस का आनंद लें । रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं ।सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे ।कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं । लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) — आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नहीं हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

निकाय चुनाव के आरक्षण में धांधली का आरोप
डोटासरा बोले- 'जाना पड़ा तो कोर्ट जाएंगे'

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव के आरक्षण को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। डोटासरा ने आरक्षण की लॉटरी में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि यह गलती या गफलत नहीं, बल्कि बेईमानी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मामले के कानूनी पहलुओं पर विचार कर रही है और जरूरत पड़ी तो कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी।

डोटासरा ने कहा, 'आप बताइए ओबीसी का जो आरक्षण था, वो कम क्यों हुआ? एससी-एसटी की लॉटरी आपने गलत कैसे निकाली? कुल जनसंख्या में एससी की बता दी, एससी में ओबीसी की बता दी। कई जगह लॉटरी दोबारा निकालनी पड़ी। यह गलती, गफलत नहीं है, यह बेईमानी है, जिसको हमारे लोगों ने पकड़ लिया तो दोबारा कर दिया।'

उन्होंने कहा कि भरतपुर में लॉटरी कैंसिल कर दोबारा निकालने की जरूरत क्यों पड़ी, इसका जवाब सरकार को देना चाहिए। डोटासरा के मुताबिक नगर निगम, नगर परिषद और नगरपालिका के आरक्षण को पहली बार एक साथ जोड़कर 309 निकायों में आरक्षण किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे कई बड़ी नगर निकायों में एसी-एसटी को

आरक्षण का लाभ नहीं मिला, जबकि छोटी इकाइयों में आरक्षण दे दिया गया।

डोटासरा ने कहा कि 'एससी-एसटी और ओबीसी के साथ बेईमानी' हुई है और कांग्रेस इस मुद्दे को जनता के बीच भी ले जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा, 'जाना पड़ा तो हम कोर्ट में भी जाएंगे।' कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने निकाय चुनाव टाले जाने को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव टालने के कारण केंद्र से नगर निगमों और नगर निकायों को मिलने वाली सहायता राशि लैप्स हो गई। पंचायत राज चुनाव में टीएफसी और एसएफसी का करीब 1900 करोड़ रुपये का पैसा भी लैप्स होने का दावा उन्होंने किया।

डोटासरा ने सरकार पर भ्रष्टाचार और ट्रांसफर-पोस्टिंग में पैसे के लेनदेन के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के तबादलों में पैसे लिए जा रहे हैं और एक-एक व्यक्ति के चार-चार बार ट्रांसफर किए गए। उनका आरोप था कि ट्रांसफर पर लगी रोक के बावजूद तबादले किए जा रहे हैं और शिक्षा विभाग में अलग-अलग स्तर पर 'काउंटर' खुले हुए हैं। उन्होंने नगर निकाय अधिकारियों को एपीओ किए जाने पर भी सवाल उठाए। डोटासरा ने आरोप लगाया कि अधिकारियों को जानबूझकर एपीओ रखा जा रहा है और चुनाव के बाद उन्हें वापस उन्हीं जिलों में लगाने का सौदा किया जा रहा है। डोटासरा ने कहा कि ढाई साल में सरकार ने कांग्रेस शासन के समय हुए कामों का पांच प्रतिशत काम भी नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि जनता ही नहीं, बीजेपी के लोग भी सरकार से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि निकाय और पंचायतीराज चुनाव में जनता भाजपा सरकार को सबक सिखाएगी।

टिकट वितरण को लेकर डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस का फोकस युवाओं पर रहेगा और उनकी इच्छा है कि 60 प्रतिशत तक टिकट युवाओं को दिए जाएं। उन्होंने कहा कि जीतने और टिकने वाले उम्मीदवारों के साथ संगठन से जुड़े लोगों की राय को महत्व दिया जाएगा।

'बीजेपी को कम आंकने की गलती न करें...'
पंजाब प्रभारी नियुक्त होने के बाद सतीश पूनिया का पहला बयान

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से पंजाब का नया प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए जाने के बाद राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनिया ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि यह पार्टी नेतृत्व का उन पर जताया गया भरोसा है कि उन्हें इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पूनिया को लगातार 24 घंटे के भीतर भाजपा संगठन में दो बड़ी जिम्मेदारियां मिली हैं। सोमवार को पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में उन्हें राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया था। इसके अगले ही दिन मंगलवार, 18 अगस्त को केंद्रीय नेतृत्व ने उन्हें पंजाब का प्रदेश प्रभारी नियुक्त कर दिया।

नई जिम्मेदारी मिलने के बाद सतीश पूनिया ने पंजाब के राजनीतिक समीकरणों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पंजाब में भारतीय जनता पार्टी को किसी भी सूरत में कमतर नहीं आंका जा सकता। उनके मुताबिक, आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष है और भाजपा के पक्ष में मजबूत अंडरकरंट दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी पंजाब में अपने संगठन को मजबूत करने के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को तेज करेगी। पूनिया ने भरोसा जताया कि भाजपा राज्य में बेहतर प्रदर्शन करने की स्थिति में है।

सतीश पूनिया ने पंजाब सरकार पर नशे की समस्या और कानून-व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को लेकर जनता में नाराजगी है और सरकार के खिलाफ एंटी-इनकंबेंसी का माहौल बन रहा है।

उन्होंने दावा किया कि भाजपा पंजाब में पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी और पार्टी अपने दम पर सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेगी।

सतीश पूनिया ने कहा कि हमारी पार्टी में संगठनात्मक और राजनीतिक, दोनों तरह का प्रशिक्षण मिलता है। मैंने हरियाणा में बहुत कुछ सीखा और उसे धरातल पर लागू किया। हरियाणा की सफलता किसी एक व्यक्ति का काम नहीं था, बल्कि वहां एक बेहतरीन टीम थी और केंद्र का पूरा सहयोग था। विशेषकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हमें लगातार मार्गदर्शन मिला कि जमीन पर किस तरह काम करना है। उन्होंने कहा कि एक साधारण कार्यकर्ता को राष्ट्रीय महामंत्री और पंजाब प्रभारी जैसी बड़ी जिम्मेदारियां मिलना गर्व की बात है।

पंजाब की राजनीतिक परिस्थितियों पर बात करते हुए पूनिया ने कहा कि वहां दो प्रमुख चुनौतियां हैं। पहली, सत्ता में बैठी 'आप' सरकार से मुकाबला करना और दूसरी, दशकों पुरानी कांग्रेस की व्यवस्था से लड़ना।

सतीश पूनिया को लगातार दो दिनों में संगठन की दो अहम जिम्मेदारियां मिलने को भाजपा की रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय महामंत्री के बाद पंजाब जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य का प्रभारी बनाए जाने से संगठन में उनकी भूमिका और बढ़ गई है।

पूनिया के पास अब राष्ट्रीय स्तर की संगठनात्मक जिम्मेदारी के साथ पंजाब में भाजपा की चुनावी रणनीति और संगठन को मजबूत करने की भी जिम्मेदारी होगी। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब की राजनीति में उनकी भूमिका पर सभी की नजरें रहेंगी।

'मैं भी कहूं तो टिकट मत देना'; निकाय-पंचायत चुनाव में सिफारिश को लेकर गहलोत का बड़ा बयान

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर कांग्रेस में प्रत्याशियों के चयन की कवायद तेज हो गई है। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पार्टी नेताओं को टिकट वितरण को लेकर दो टूक नसीहत दी है। गहलोत ने कहा कि उम्मीदवारों का चयन सिफारिश के आधार पर नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर की स्थिति और उसकी जीत की संभावना को देखते हुए होना चाहिए। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर वह खुद किसी उम्मीदवार की सिफारिश करें, तब भी केवल उनकी सिफारिश के आधार पर टिकट नहीं दिया जाना चाहिए। गहलोत मंगलवार को कांग्रेस वॉर रूम में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि राजस्थान में कांग्रेस के पक्ष में माहौल है और लोगों में राज्य सरकार के प्रति नाराजगी है। ऐसे में यदि टिकट वितरण सही तरीके से हुआ तो कांग्रेस निकाय और पंचायत चुनाव में बेहतर प्रदर्शन

कर सकती है।

गहलोत ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस को चुनाव के लिए भेजे जाने वाले पर्यवेक्षकों को पर्याप्त अधिकार देने चाहिए। उम्मीदवार चयन का फैसला स्थानीय परिस्थितियों, कार्यकर्ता की पकड़ और उसकी मेरिट के आधार पर होना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अगर सिफारिश के आधार पर टिकट दिया गया तो वह उम्मीदवार चुनाव हार जाएगा।' गहलोत ने कहा कि वास्तविक और सक्रिय कार्यकर्ताओं को ही चुनाव मैदान में उतारना चाहिए, क्योंकि स्थानीय स्तर की राजनीतिक स्थिति का सही आकलन वहीं किया जा सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके पास जयपुर, भरतपुर और बीकानेर समेत अलग-अलग जगहों से लोग टिकट की सिफारिश कराने आते हैं। उन्होंने कहा कि किसी नेता के पास हर क्षेत्र की जमीनी जानकारी नहीं हो सकती।

गहलोत ने कहा कि अगर वह खुद किसी व्यक्ति की सिफारिश करें तो भी केवल उनकी सिफारिश के आधार पर टिकट नहीं दिया जाना चाहिए। उम्मीदवार की स्थानीय पकड़ और जीतने की क्षमता को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

गहलोत ने टिकट वितरण में युवाओं और अनुभवी नेताओं के बीच संतुलन बनाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को आगे आने का मौका मिलना चाहिए, लेकिन वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने निकाय और पंचायत चुनाव में करीब 50 फीसदी टिकट युवाओं को देने की पैरवी की। गहलोत ने कहा कि युवाओं की भावनाओं को समझना और उन्हें राजनीतिक जिम्मेदारी देना जरूरी है।

राजस्थान को मिले 13 नए आईएएस, 7 महिला अफसर शामिल
पंचायत-निकाय चुनाव से पहले भजनलाल सरकार ने दी 'पहली पोस्टिंग'

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में प्रस्तावित पंचायती राज संस्थाओं और नगरीय निकाय चुनावों से ठीक पहले भजनलाल शर्मा सरकार के कार्मिक विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से अपनी द्वितीय चरण की पेशेवर ट्रेनिंग पूरी कर लौटे 2024 बैच के 13 नए आईएएस अफसरों को राजस्थान में उनकी पहली फील्ड पोस्टिंग दे दी गई है। कार्मिक विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आदेशों के अनुसार, इन युवा अफसरों को प्रदेश के विभिन्न जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में 'विशेषाधिकारी' के पद पर तैनात किया गया है।

खास बात यह है कि इस नई सूची में 7 महिला आईएएस अफसर शामिल हैं, जिन्हें राज्य के

संवेदनशील जिलों में कमान सौंपी गई है।

प्रदेश में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों को देखते हुए जिला स्तर पर निर्वाचन तंत्र को सुचारू बनाने और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से इन युवा प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई है। चुनाव आयोग द्वारा तारीखों के ऐलान से पहले इन नियुक्तियों को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस नई पोस्टिंग लिस्ट में सबसे खास बात महिला अधिकारियों का दबदबा है। 13 अफसरों की इस टीम में 7 महिला आईएएस अफसर शामिल हैं। सृष्टि डबास, ऐश्वर्यम प्रजापति, मेधा आनंद, स्वाति, राजपूत नेहा, अदिति यादव और आराधना चौहान जैसी युवा अफसरों को कोटा, बीकानेर, अजमेर, उदयपुर और श्रीगंगानगर जैसे बड़े जिलों में सीधे फील्ड पोस्टिंग देकर जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राजस्थान में 309 नगरीय निकायों के 10,245 वार्डों की आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने और पंचायती राज संस्थाओं की चुनाव तैयारियों के बीच जिला निर्वाचन कार्यालयों में अतिरिक्त अधिकारियों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

जयपुर में मृणाल कुमार, जोधपुर में मोहन लाल और जैसलमेर में रोहित वर्मा की विशेषाधिकारी के रूप में तैनाती से मतदाता सूची के अद्यतनीकरण, संवेदनशील बूथों के भौतिक सत्यापन और चुनावी सामग्री के प्रबंधन जैसे कार्यों में तेजी आएगी। वहीं भरतपुर में भानू शर्मा को एसडीओ कार्यालय में जिला निर्वाचन अधिकारी के अधीन लगाया गया है।

15 नवंबर 2026 से पूर्व राज्य में स्थानीय चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराए जाने की संभावनाओं के बीच इन नए अफसरों की फील्ड में मौजूदगी से प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद रहेगी।

पानी की किल्लत
महिलाओं ने बस स्टैंड रोड पर लगाया जाम

अलवर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर शहर के भैरू का चबूतरा, धाबाई जी का मोहल्ला और रथखाना मोहल्ले में पिछले कई दिनों से पानी की समस्या बनी हुई है। पानी की नियमित सप्लाई नहीं होने से परेशान महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाएं बस स्टैंड पहुंचीं और सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। महिलाओं ने जलदाय विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और जल्द से जल्द पानी की सप्लाई बहाल करने की मांग की। प्रदर्शन कर रही महिलाओं का कहना था कि उनके घरों में पिछले कई दिनों से पानी नहीं आ रहा है। पानी के बिना घर के रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। पीने के पानी की जरूरत पूरी करने के लिए लोगों को मजबूरी में निजी टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। महिलाओं ने बताया कि टैंकरों के लिए उन्हें महंगे दाम चुकाने पड़ रहे हैं, जिससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

पंचायतीराज आरक्षण : लॉटरी स्थगित होने पर सियासत गरमाई

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं के वार्डों के आरक्षण की लॉटरी स्थगित किए जाने को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस नेता संयम लोढ़ा ने इसे हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना बताते हुए मुख्य सचिव, राज्य निर्वाचन आयुक्त, पंचायतीराज विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव और पंचायतीराज आयुक्त को कानूनी नोटिस भेजे हैं। लोढ़ा ने कहा है कि तय समय पर लॉटरी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो वह हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर करेंगे। दरअसल, पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव को लेकर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए थे। लोढ़ा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट के सामने चुनाव कार्यक्रम और आरक्षण प्रक्रिया की समयसीमा रखी गई थी।

हाईकोर्ट के समक्ष पेश कार्यक्रम के अनुसार पंचायतीराज संस्थाओं के वार्डों की आरक्षण लॉटरी 15 अगस्त तक पूरी की जानी थी। प्रधान, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य, सरपंच और वार्ड पंच के आरक्षण की लॉटरी 17 अगस्त को प्रस्तावित थी।

हालांकि सरकार ने 16 अगस्त की शाम अचानक इस प्रक्रिया को स्थगित कर दिया। अब संशोधित कार्यक्रम के तहत प्रधान, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के वार्डों की लॉटरी 17 सितंबर को होगी, जबकि सरपंच और वार्ड पंच के वार्डों की लॉटरी 18 सितंबर को कराई जाएगी।

राजस्थान के 309 शहरी निकायों के प्रमुखों और उनके वार्डों में आरक्षण की लॉटरी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसके साथ ही 41 जिला प्रमुखों के आरक्षण की प्रक्रिया भी पूरी की जा चुकी है। अब विवाद पंचायतीराज संस्थाओं के बाकी पदों और वार्डों की आरक्षण लॉटरी को लेकर है। लॉटरी स्थगित होने के बाद कांग्रेस ने सरकार पर हाईकोर्ट के निर्देशों की अनदेखी का आरोप लगाया है। संयम लोढ़ा ने कहा कि हाईकोर्ट में जब चुनाव कार्यक्रम रखा गया था, तब संबंधित अधिकारी ऑनलाइन मौजूद थे। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय कार्यक्रम के आधार पर ही कोर्ट के सामने समयसीमा रखी गई थी।

लोढ़ा के मुताबिक, कोर्ट को बताया गया था कि 15 अगस्त या उससे पहले आरक्षण की पूरी लॉटरी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। अब इसे अचानक स्थगित कर नई तारीख तय करना हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना है। उन्होंने कहा कि इसी मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों को कानूनी नोटिस भेजे गए हैं।

बेटे की मौत के 12 दिन बाद पिता ने जुटाए सबूत
खुली बहू की पोल; बॉयफ्रेंड समेत 4 लोगों पर आरोप

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में 27 साल के युवक की संदिग्ध मौत के मामले में उसके पिता ने 12 दिन बाद सबूत जुटाकर मामले में बड़ा खुलासा किया है। पिता बाबूलाल मीणा ने खुद सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पुलिस को सबूत सौंपे हैं।

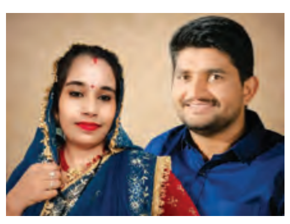

उन्होंने अपनी बहू कविता पर बेटे महेश को मारने का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि घटना वाले दिन कविता अकेली नहीं थी, बल्कि तीन युवक उसके साथ थे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर सीसीटीवीफुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। बाबूलाल के अनुसार, 5 अगस्त की सुबह करीब 9 बजे महेश अपनी पत्नी को दवा दिलाने बाइक से बगरू के बोराज गया था। शाम होने तक भी वे लोग घर नहीं लौटे तो परिवार को चिंता होने लगी। उसके बाद करीब 5 बजे महेश के छोटे भाई मनीष को कविता ने फोन किया। परिवार के अनुसार फोन पर कविता ने मनीष को बताया कि वे रास्ते में हैं और जल्दी ही घर पहुंच जाएंगे। कुछ देर बाद उसने दोबारा फोन कर महेश की तबीयत खराब होने की जानकारी दी और मनीष को विश्वकर्मा की 14 नंबर पुलिया के पास बुलाया। मनीष अपनी छोटी बहन संतोष के साथ करीब 20 मिनट बाद वहां पहुंचा। वहां बाइक पास खड़ी थी और महेश सड़क किनारे बेसुध हालत में पड़ा था। उसे तुरंत सीकर रोड स्थित सीकेएस हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राजेंद्र गुढ़ा की मांग: 21 साल में चुनाव लड़ने का मिले अधिकार, बोले- जब वोट दे सकते हैं तो चुनाव क्यों नहीं?

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता राजेंद्र गुढ़ा ने युवाओं की राजनीतिक भागीदारी को लेकर बड़ा सवाल उठाया है। गांधी वाटिका में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि जब देश का 18 साल का युवा सरकार चुनने के लिए मतदान कर सकता है, तो उसे 21 साल की उम्र में चुनाव लड़ने का अधिकार क्यों नहीं मिलना चाहिए। गुढ़ा ने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने की बात भी कही। गुढ़ा ने कहा कि पहले मतदान की उम्र 21 साल थी, जिसे घटाकर 18 साल किया गया। इसके बावजूद लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र अभी भी 25 साल है। उन्होंने सवाल किया कि जब गांव में 21 साल का युवा पंचायत स्तर पर चुनाव लड़ सकता है, तो उसे विधानसभा और संसद में जाने का अवसर क्यों नहीं दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज का युवा तकनीक और सोशल मीडिया के दौर में जी रहा है। उसके हाथ में कंप्यूटर और पूरी दुनिया की जानकारी है। ऐसे में युवाओं को केवल चुनाव में मतदान करने तक सीमित रखने के बजाय उन्हें नीति निर्माण और सरकार चलाने की प्रक्रिया में सीधे भागीदारी का अवसर मिलना चाहिए।

गुढ़ा ने कहा कि 21, 22 या 23 साल का युवा भी संसद और विधानसभा में पहुंचकर देश और प्रदेश के लिए फैसले कर सकता है। उन्होंने राजनीतिक दलों से सवाल किया कि आखिर वे युवाओं को आगे आने से कब तक रोकेंगे।

उन्होंने कहा कि पुराने नेतृत्व को युवाओं के लिए रास्ता बनाना होगा। गुढ़ा ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि मतदान की उम्र 21 से घटाकर 18 साल करने का ऐतिहासिक फैसला युवाओं को लोकतंत्र में अधिक भागीदारी देने की दिशा में उठाया गया था। अब उसी भावना के अनुरूप चुनाव लड़ने की उम्र पर भी विचार किया जाना चाहिए।

मां की हत्या की तो बेटे ने ली पिता की जान
2 पत्नियों के बाद तीसरी संग लिव-इन में था आरोपी

चित्तौड़गढ़, 18 अगस्त (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ के गंगरार इलाके में सोमवार रात पारिवारिक विवाद ने ऐसा खौफनाक रूप ले लिया कि कुछ ही देर में पति-पत्नी और बेटे के बीच हुआ झगड़ा दो मौतों में बदल गया। मामले में आरोप है कि भगवान लाल ने अपनी दूसरी पत्नी भोमली पर गोली चला दी। मां को आंखों के सामने मरते देख बेटे अनिल ने पिता पर लाठी से हमला कर दिया। इस हमले में भगवान लाल की भी मौत हो गई। बीच-बचाव करने आई लिव-इन पार्टनर तारा भी घायल हुई है। भगवान लाल (55) भैरूसिंह जी का खेड़ा का रहने वाला था। उसकी दो शादियां हुई थीं। पहली पत्नी लाडू (51) से उसकी दो बेटियां हैं, जबकि दूसरी पत्नी भोमली (50) से दो बेटे और दो बेटियां हैं। पिछले कुछ समय से भगवान लाल दोनों पत्नियों से अलग सुवाणियां गांव में तारा (35) के साथ रह रहा था। दोनों नदी किनारे खेत पर बने घर में रहकर खेती और मवेशियों की देखभाल करते थे। सोमवार रात परिवार के लोग उसे घर वापस चलने के लिए समझाने पहुंचे थे। सोमवार रात करीब 9 बजे परिवार के लोगों और भगवान लाल के बीच घर लौटने को लेकर बातचीत शुरू हुई। शुरुआत में मामला नॉर्मल था, लेकिन धीरे-धीरे बात बहस तक पहुंच गई। इसके बाद गाली-गलौज होने लगी और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

महिला की साजिश: 50 हजार में किराए पर लिए बाउंसर
परिचित को उठवाकर मांगी 40 लाख की फिरौती

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भांकरोटा क्षेत्र में 40 लाख रुपए की फिरौती के लिए एक व्यक्ति के अपहरण का मामला सामने आया है। आरोपी महिला ने अपने ही परिचित 48 वर्षीय व्यक्ति के अपहरण की

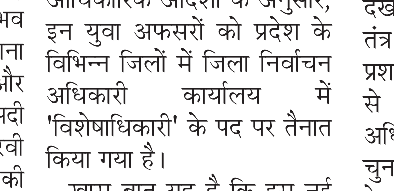

साजिश रची और 50 हजार रुपए की सुपारी देकर बाउंसरों के जरिए वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर करणी विहार क्षेत्र से पीड़ित को सकुशल मुक्त करा लिया। मामले में हरियाणा निवासी सुमन यादव (41), नादोती खेड़ली निवासी विष्णु गुर्जर (22) और मोनू गुर्जर (21) को गिरफ्तार किया गया। ये तीनों वर्तमान में करणी विहार क्षेत्र के रजनी विहार स्थित मोहित कॉटेज में रह रहे थे। मामले में पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। डीसीपी (वेस्ट) प्रशांत किरण के अनुसार, चित्तौड़गढ़ के मंडफिया निवासी पोखरचंद खटीक जयसिंहपुरा स्थित एक सर्विस सेंटर पर अपनी एसयूवी ठीक कराने आए थे। इसी दौरान आरोपी महिला सुमन यादव अपने बाउंसरों के साथ बिना नंबर की गाड़ी में पहुंची और पोखरचंद का अपहरण कर ले गई। इसके बाद आरोपियों ने पीड़ित के बेटे ऋत्विज को व्हाट्सएप कॉल कर 40 लाख रुपए की फिरौती मांगी और रुपए न देने पर जान से मारने की धमकी दी। एसीपी दीपक खण्डेलवाल ने बताया कि अपहरण के बाद आरोपियों ने पीड़ित के मोबाइल से सिम निकाल दी। सुमन ने अपने फोन का वाई-फाई जोड़कर पीड़ित के मोबाइल से ही उसके बेटे को फिरौती का कॉल करवाया। बेटे के चित्तौड़गढ़ से जयपुर आने के दौरान आरोपी पीड़ित को मुहाना, मानसरोवर, श्यामनगर और करणी विहार इलाकों में घुमाते रहे और रात होने पर उसे रजनी विहार स्थित मोहित कॉटेज ले गए।

साइबर क्राइम थाने के एसआई समेत चार पुलिसकर्मी 2.80 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की सीकर इकाई ने मंगलवार को बड़ी ट्रैप कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के अयोध्या

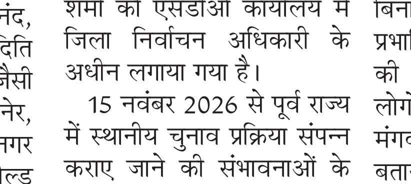

साइबर क्राइम थाने के उप निरीक्षक समेत चार पुलिसकर्मियों को 2.80 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में उप निरीक्षक यशवंत सिंह, कांस्टेबल पवन त्रिपाठी, कांस्टेबल सोहनलाल और कांस्टेबल गौरव चारग शामिल हैं। आरोप है कि पुलिसकर्मी साइबर क्राइम थाने में दर्ज एक मुकदमे में परिवादी के भाई का नाम हटाने के बदले रिश्वत मांग रहे थे। एसीबी के मुताबिक, परिवादी ने शिकायत में बताया था कि उसके भाई के खिलाफ अयोध्या के साइबर क्राइम थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 22/2024 में उसका नाम हटाने के लिए आरोपी पुलिसकर्मी रिश्वत की मांग कर रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद 17 अगस्त को रिश्वत की मांग का सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान कांस्टेबल गौरव चारग ने परिवादी से 4 लाख रुपये की रिश्वत मांगी। बातचीत के बाद सौदा 2.80 लाख रुपये में तय हुआ।

मांग की पुष्टि होने के बाद एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में सीकर एसीबी टीम ने ट्रैप कार्रवाई की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक सुभाष मील और टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

एसीबी के अनुसार, ट्रैप के दौरान चारों पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे। इसी दौरान कांस्टेबल सोहनलाल ने परिवादी से 2.80 लाख रुपये रिश्वत की राशि प्राप्त की।

मंत्री पोंगुलेटी ने सीमेंट कंपनियों से साझेदारी करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने सीमेंट कंपनियों से अपील की है कि वे तेलंगाना सरकार की प्रतिष्ठित इंदिराम्मा इंदलू योजना में भागीदार बनें और घर निर्माण के लिए आवश्यक सीमेंट कम कीमतों पर उपलब्ध कराएं।

मंत्री ने मंगलवार को सचिवालय में सीमेंट कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की, जिसमें इंदिराम्मा गृहों के निर्माण के लाभार्थियों के लिए सीमेंट की लागत को कम करने के उपायों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बोलते हुए श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि इंदिराम्मा इंदलू योजना केवल एक आवास कार्यक्रम नहीं है, बल्कि गरीब परिवारों को गरिमापूर्ण जीवन, सामाजिक सुरक्षा और आत्मसम्मान प्रदान करने के उद्देश्य से एक बड़ी पहल है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद को छोड़कर राज्य भर में पहले चरण में 45 लाख इंदिराम्मा घरों को मंजूरी दी गई है। इनमें से 85 प्रतिशत घरों में स्लैब का काम पूरा हो चुका है, जबकि शेष 15 प्रतिशत घरों का निर्माण विभिन्न चरणों में प्रगति पर है।मंत्री ने कहा कि दूसरे चरण में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 2,000 घरों को मंजूरी दी गई है, जिससे राज्य भर में कुल 25 लाख घर बनेंगे। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने सीयूआरई की सीमा के भीतर एक लाख घरों के निर्माण का लक्ष्य भी निर्धारित किया है और 16 विधानसभा क्षेत्रों में इंदिराम्मा टावर्स परियोजना का प्रायोगिक तौर पर शुभारंभ किया है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है जो गरीबों के लिए मकानों के निर्माण हेतु 100 प्रतिशत सब्सिडी के साथ 5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। श्रीनिवास रेड्डी ने कहा, इस मामले में तेलंगाना पूरे देश के लिए एक मिसाल कायम कर रहा है। सरकार पर चाहे कितना भी वित्तीय बोझ पड़े, गरीबों को घर मुहैया कराने में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। निर्माण कार्य की प्रगति के आधार पर प्रत्येक लाभार्थी को हर सोमवार को पारदर्शी तरीके से किश्तों में धनराशि जारी की जा रही है।उन्होंने कहा कि सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएगी जब तक कि प्रत्येक गरीब परिवार अपने घर में रहने में सक्षम न हो जाए।

आप नेता सत्येंद्र जैन फिर गिरफ्तार

दिल्ली में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के टेंडर में गड़बड़ी का मामला, एसीबी बोली- खास कंपनी को फायदा पहुंचा

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां) । दिल्ली के एंटी करप्शन ब्यूरो ने मंगलवार को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के टेंडरों में गड़बड़ी के मामले में केजरीवाल सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

जैन के अलावा दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सीईओ उदित प्रकाश राय की भी गिरफ्तारी हुई है। आरोप है कि राय को <1.52 करोड़ की रिश्वत दी गई। एसीबी का आरोप है कि ट्रीटमेंट प्लांट के टेंडरों की शर्तें इस तरह बनाई गई थीं कि एक खास कंपनी को फायदा मिल सके। एसीबी की जांच अभी जारी है।

जैन, उदित प्रकाश के अलावा दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व कॉन्ट्रैक्चुअल कंसल्टेंट अंकित श्रीवास्तव, कंपनियों के मालिक नागेंद्र यादव, राजा कुमार कुर्रा, पंकज वर्मा को अरेस्ट किया गया है।

सत्येंद्र जैन अक्टूबर 2024 में तिहाड़ से बाहर आ थे। वे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 872 दिन से जेल में थे। उन्हें ईडी ने 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया था। इस मामले में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया था।18 अक्टूबर 2024 को दिल्ली की अदालत ने उन्हें जमानत दी थी।

दिल्ली जल बोर्ड का STP टेंडर मामला ईडी के मुताबिक, दिल्ली जल बोर्ड के चार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट टेंडर में कथित अनियमितताएं हुईं। एजेंसी ने आरोप लगाया कि टेंडर की शर्तें इस तरह बनाई गई कि एक खास कंपनी को फायदा मिले। इस मामले में ईडी ने दिसंबर 2025 में सत्येंद्र समेत 14 लोगों के खिलाफ करीब <17.70 करोड़ के कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल की थी।

बारिश की अनिश्चितता के बीच उत्तम ने विवेकपूर्ण जल प्रबंधन का आह्वान किया

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को पेयजल की आवश्यकताओं की सुरक्षा और किसानों की सिंचाई की जरूरतों को पूरा करने के बीच विवेकपूर्ण संतुलन बनाए रखने का आह्वान किया, विशेष रूप से मौजूदा अल नीनो की स्थिति और शेष मानसून अवधि के दौरान वर्षा को लेकर अनिश्चितता को देखते हुए।जल सौधा में जलाशय के जलस्तर और शेष खरीफ मौसम के लिए सिंचाई की संभावनाओं की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि आने वाले महीनों में जल प्रबंधन भविष्य की वर्षा के बारे में आशावादी अनुमानों के बजाय विवेक, वैज्ञानिक आकलन और वास्तविक उपलब्धता द्वारा निर्देशित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेयजल सुरक्षा सर्वोपरि विचारणीय बनी रहेगी, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि इसका परिणाम यह नहीं होना चाहिए कि जहां जलाशयों और अन्य विश्वसनीय स्रोतों में पर्याप्त आपूर्ति है, वहां सिंचाई के पानी को रोक दिया जाए। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, हमारा दृष्टिकोण विवेकपूर्ण होना चाहिए। हमें पेयजल की आवश्यकताओं की रक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि उन आवश्यकताओं से अधिक उपलब्ध जल खड़ी फसलों तक पहुंचे। प्रत्येक जल निकासी वास्तविक उपयोग योग्य भंडारण, विश्वसनीय जल प्रवाह और वर्षा के यथार्थवादी आकलन पर आधारित होनी चाहिए। मंत्री जी ने बताया कि कृष्णा बेसिन के प्रमुख जलाशय अपनी क्षमता के 76.63 प्रतिशत पर हैं, जिनमें 973.68 टीएमसी की कुल क्षमता के मुकाबले 746.12 टीएमसी पानी है। इसी प्रकार, गोदावरी बेसिन के जलाशय 68.1 प्रतिशत पर हैं, जिनमें 306.20 टीएमसी की क्षमता के मुकाबले 208.38 टीएमसी पानी है। कृष्णा बेसिन में एक संयुक्त परियोजना, नागार्जुन सागर का जिक्र करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि जलाशय का वर्तमान भंडारण 312 टीएमसी की कुल क्षमता के मुकाबले 164 टीएमसी तक पहुंच गया है, जिससे लगभग 47 प्रतिशत का बाढ़ का जोखिम कम हो गया है।उन्होंने कहा कि नागार्जुन सागर लेफ्ट कैनाल का अय्याकट तेलंगाना के नालगोंडा, सूर्यापेट और खम्मम जिलों में फैला हुआ 6.4 लाख एकड़ से अधिक का क्षेत्र है। उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को केवल कुल भंडारण प्रतिशत के आधार पर अत्यधिक आशावादी तस्वीर पेश करने के प्रति आगाह किया।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक आकलन में कुल क्षमता, सक्रिय भंडारण, उपयोग योग्य जल, निर्धारित आवश्यकताएं और सिंचाई के लिए वास्तव में उपलब्ध मात्रा स्पष्ट रूप से दर्शायी जानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि खरीफ सीजन के शेष भाग के लिए सरकार का उद्देश्य खड़ी फसलों की सुरक्षा के लिए हर विश्वसनीय जल स्रोत का उपयोग करना, अनिश्चित जल प्रवाह को देखते हुए आपूर्ति का संरक्षण करना और किसानों के साथ पूरी पारदर्शिता बनाए रखना है।

कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं को जारी रखने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना सरकार ने राज्य की बेटियों के अधिकारों और हितों की रक्षा करने तथा पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने वाली कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं को जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई है। सरकार की ओर से बताया गया कि रिट याचिका संख्या 21732/2026 के मामले में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष स्टे वैकेट याचिका दायर की गई है। इस मामले की सुनवाई 19 अगस्त 2026 को निर्धारित है। सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित होकर सरकार का पक्ष रखेंगे। सरकार ने कहा कि मामले में चुनौती दिए गए आठ शासनादेशों (जी.ओ.) की वैधता और क्रियान्वयन का मजबूती से बचाव किया जाएगा तथा इसके लिए सभी आवश्यक कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

गद्दर जन आंदोलनों का पर्याय बन गए: कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । सड़क एवं भवन एवं सिनेमा मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि दिग्गज गायक गद्दर जन आंदोलनों के पर्याय थे और उनके आदर्शों को कायम रखना तथा उनके द्वारा प्रेरित संघर्ष की भावना को आगे बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंत्री ने मंगलवार को हैदराबाद स्थित अपने आवास पर वृत्तचित्र "प्रजा युद्ध नौका गद्दर" का पोस्टर जारी किया। इस अवसर पर बोलते हुए कोमातिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि गद्दर महज एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि तेलंगाना के शोषित और हाशिए पर पड़े लोगों की आवाज थे। उन्होंने कहा कि अपने गीतों और प्रस्तुतियों के माध्यम से गद्दार ने विभिन्न आंदोलनों के दौरान लाखों लोगों को एकजुट किया और तेलंगाना के इतिहास पर एक अमिट छाप छोड़ी। मंत्री ने याद दिलाया कि वे और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी दोनों ही गद्दर के प्रति बहुत सम्मान रखते थे और उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने उनके सम्मान में गद्दर फिल्म पुरस्कारों की स्थापना की थी। कोमटिरेड्डी ने महान गायक पर वृत्तचित्र बनाने के लिए गद्दार की बेटी और तेलंगाना सांस्कृतिक सारथी की अध्यक्ष वेन्नेला के साथ-साथ निर्माताओं, निर्देशकों, अभिनेताओं और तकनीकी टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि वृत्तचित्र गद्दर के जीवन के कई अनसुने पहलुओं और विभिन्न जन आंदोलनों में उनकी भूमिका पर प्रकाश डालेगा, साथ ही उनके द्वारा झेली गई कठिनाइयों और बलिदानों को भी उजागर करेगा।

उन्होंने कहा कि ऐसा प्रयास गद्दार की विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए सुलभ बनाने में सहायक होगा। मंत्री ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार वृत्तचित्र के निर्माण के लिए हर संभव सहायता और सहयोग देने के लिए तैयार है और भविष्य में गद्दर पर एक फीचर फिल्म बनाने के वेन्नेला के प्रयासों का भी समर्थन करेगी। तेलंगाना सांस्कृतिक सारथी की अध्यक्ष वेन्नेला, निर्देशक, निर्माता, तकनीशियन और अन्य लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

केबीआर पार्क के पास वन-वे ट्रैफिक सिस्टम से कन्फ्यूजन और जाम की स्थिति

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह केबीआर पार्क के आस-पास लगातार वन-वे ट्रैफिक मूवमेंट शुरू होने पर कन्फ्यूजन, लोगों का गुस्सा और ट्रैफिक के जाल से निकलने की जद्दोजहद देखने को मिली।

खासकर ऑफिस जाने वाले लोग गोल-गोल चक्कर लगाने से परेशान दिखे और कई जगहों पर कन्फ्यूजन के कारण लगे जाम से उन्हें काम पर पहुंचने में देरी हुई, जिससे वे झुंझला गए। इस जाम ने लोगों में काफी गुस्सा पैदा किया और यात्रियों ने कन्फ्यूज करने वाले ट्रैफिक डायवर्जन की आलोचना की। केबीआर जंक्शन पर, ट्रैफिक डायवर्जन के बाद वाहन चालकों ने जोर-जोर से हॉर्न बजाकर अपना गुस्सा जाहिर किया।

यात्रियों ने मुख्य रास्तों - केबीआर जंक्शन, इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल, महाराजा अग्रसेन आइलैंड, फिल्म नगर और जुबली हिल्स चेक पोस्ट पर भारी जाम की शिकायत की, जहां तेजी से ट्रैफिक बढ़ रहा था। सुबह 8 बजे से 11 बजे के पीक-टाइम ट्रैवल पर देरी का असर पड़ा।

ट्रैफिक पुलिस ने जुबली हिल्स चेक पोस्ट ट्रैफिक जंक्शन इलाके में बैरिकेड्स लगा दिए और यूसुफगुडा और सिकंदराबाद से चेक पोस्ट मेट्रो स्टेशन (जो लगभग 200 मीटर दूर है) की ओर आने वाले वाहनों को जाने नहीं दिया। यात्रियों को केबीआर जंक्शन, इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल, महाराजा अग्रसेन आइलैंड, फिल्म नगर और फिर जुबली चेक पोस्ट से होते हुए लंबा चक्कर लगाना पड़ा।

केबल ब्रिज, दुर्गम चेरुवु और माधापुर से रोजाना आने वाले और फिल्म नगर, महाराजा अग्रसेन आइलैंड और इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल की ओर जाने वाले सड़क उपयोगकर्ताओं को जुबली हिल्स चेक पोस्ट की ओर डायवर्ट किया गया। इसके कारण ट्रैफिक पुलिस के साथ बहस हुई और इलाके में ट्रैफिक जाम लग गया।

दोपहर के समय अफरा-तफरी कम हो गई, हालांकि पहली बार गाड़ी चलाने वालों के लिए कन्फ्यूजन बना रहा। कई जगहों पर, सही लेन में चलना और जंक्शन पर मुड़ना एक बड़ी समस्या थी।

बोल बम, हर हर महादेव की गूंज के साथ निकली काँवड़ यात्रा

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बोल बम, हर हर महादेव की गूंज के साथ भाग्यनगर कौवड सेवा संघ की ऐतिहासिक कांवड़ यात्रा चारमीनार के श्री महादेव मंदिर से निकाली गई, जिसमें 1,251 काँवड़धारी एवं 11 बाल कविड़धारी शामिल थे।

श्री महादेव मंदिर में सुबह पूजा अर्चना के पंचात बाबा के भजनों व विभिन्न इकियों के साथ आरंभ हुई यात्रा में कांवड़ियों ने हिस्सा लिया। कांवड़ यात्रा गुलजार हाउस, घांसी बाजार, सिटी कॉलेज, भूलक्ष्मी माता मंदिर, बेगम बाजार, बर्तन बाजार, सिडिअम्बर बाजार, सादरघाट, मलकपेट से होते हुए धम्पापेट स्थित मिनर्वा गार्डन फंक्शन हॉल पहुंची। यात्रा का पहला पड़ाना जामबाग स्थित वी.वी. फंक्शन हाल में अल्पाहार के लिए हुआ। दूसरा पड़ाब ग्रैंड इम्पीरियल फंक्शन हॉल, चादरघाट में दोपहर भोजन के लिए हुआ। इसके बाद यात्रा का विश्राम मिनर्वा गार्डन फंक्शन हॉल में हुआ। मार्ग में काँवड यात्रा का स्वागत मैत्र स्वर्णकार समाज तेलंगाना कांवड़ समिति द्वारा चारकमान मदन भवन पर, पुष्पा नर्सिंग होम पर देवकीनंदन रमेशचंद्र कट्टेल परिवार, रिकाबगंज मामा जुमला फाटक पर गोसेवा मित्र मंडल, खोखरवाड़ी पर अग्रवाल समाज रिकाबगंज शाखा, घांसी बाजार एम.बी. टॉवर पर श्री हनुमान भक्त मंडल एवं कान्यकुब्ज ब्राह्मण समिति, महावीर दल, मितेश अग्रवाल बाँसी बाजार भाजपा टीम, सिटी कॉलेज पर दिनेश कुमार फैमिली एंड फ्रेंड्स, फुली कुतुबशाह स्टेडियम, भू-लक्ष्मी माता मंदिर, बेगम बाजार पर डॉ. रंजीत सिंह, माता मंदिर मुक्तियारगंज पर विष्णुकुमारमित्तल, मैढ़ क्षत्रीय स्वर्णकार समाज, हैदराबाद सिकंदराबाद, तिलक रोड पर अग्रवाल समाज हैदरगुड़ा शाखा परिवार, बालाजी रतनलाल मिठाई भंडार, काचीगुड़ा पर अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा रामकोट चौराहा पर मौबन भंवरी परिवार, भाग्यनगर, निम्बोली अड्डा मारवाड़ी गल्ली पर रमेश चंद्र असावा परिवार, अग्रवाल समाज तेलंगाना मलकपेट महिला शाखा एवं युवा मोर्चा शाखा, शिण गंगा टॉकीज रोड पर मूर्ति कलाकार लाखन सिंह ठाकुर परिवार, शिवगंगा थिएटर तथा राम सेवा समिति ट्रस्ट दिलसुखनगर के विजय कुमार अग्रवाल सहित अनेक संस्थाओं व श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पों की वर्षा की गई।

यात्रा में हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, भाजपा तेलंगाना के महासचिव चन्द्रशेखर तिवारी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचन्दर रात्र, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़, सेवानिवृत्त आईपीएस सी.एन. गोपीनाथ रेड्डी,मल्काजगिरी पुलिस आयुक बी. सुनीति, एल. बी. नगर डीसीपी बी. अनुराधा, भाजपा वरिष्ठ नेता डॉ. भगवंत राम, महेश बैंक के वाइस बेयरमैन गोविन्द नारायण राठी, भारमीनार भाग्यलक्ष्मी मंदिर की शशिकला मिश्रा, बीआरएस नेता शांति देवी, एसीपी चंद्रशेखर आदि का संप के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया।

भजनों की प्रस्तुति गायक राजू मुरारी दाहिमा ने दी। रिया प्रिया नृत्य मंडली (प्रयागराज) द्वारा झाँकियाँ प्रस्तुत की गयीं। 17 अगस्त को सरूरनगर स्थित श्री उमा महेश्वर स्वामी देवस्थानम् में कांवड़ियों द्वारा हर की पौड़ी से लाये गये पवित्र गंगाजल से शिवजी का अभिषेक ब्रह्म मुहूर्त में किया गया। कार्यक्रम में कावड़ यात्रा के प्रमुख सहयोगी श्री बालाजी भक्त मंडल हैदराबाद, कुंजलाल सुरेश कुमार डाकोतिया, रामस्वरूप दास विश्वनाथ अग्रवाल, अग्रवाल समाज अमीरपेट शाखा, रघुनाथमल नरेंद्र कुमार गोयल, रामकिशन धीरज अग्रवाल, कन्हैयालाल सुनील कुमार अग्रवाल, बजरंगलाल विष्णु कुमार केड़िया, सुभाषचंद बंसल, ताराचंद अग्रवाल, विपिन केड़िया, रितेश जगनानी, राजेश कड़ेल, एवं सुरेश बंसल ने सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन नंदगोपाल भट्टड़ ने किया।

विधान परिषद की नैतिकता समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद की नैतिकता समिति (2026-27) की प्रारंभिक बैठक मंगलवार को परिषद सम्मेलन कक्ष में सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समिति के अध्यक्ष एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, उपसभापति बंडा प्रकाश, सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू सहित समिति के सदस्य शामिल हुए। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के आचरण में पारदर्शिता, जवाबदेही, न्याय और समानता जैसे मूल्यों को मजबूत करना समिति का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सदस्यों, अधिकारियों और कर्मचारियों को नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक कर लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता ही तय करती है कि कौन कहां होना चाहिए। राजनीति में स्वस्थ आलोचना आवश्यक है, लेकिन आलोचना मर्यादा की सीमा पार नहीं करनी चाहिए। जनप्रतिनिधियों का मुख्य उद्देश्य जनकल्याण होना चाहिए और विधानसभा तथा विधान परिषद के सदस्यों को समाज के लिए आदर्श आचरण प्रस्तुत करना चाहिए। गौड़ ने सदस्यों की क्षमता बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण आयोजित करने तथा सदन की चर्चाओं में भाषा के जिम्मेदार और मर्यादित उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नैतिक मानकों, विधायी संस्थाओं की गरिमा और जनता के विश्वास की रक्षा के लिए समिति प्रभावी ढंग से कार्य करेगी।

नरसमपेट में पेद्दी सुदर्शन रेड्डी की मूर्ति हटाई गई

बीआरएस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया

वारंगल, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नरसमपेट विधानसभा क्षेत्र में उस समय भारी तनाव फैल गया जब अधिकारियों ने पूर्व विधायक और बीआरएस नेता स्वर्गीय पेद्दी सुदर्शन रेड्डी की मूर्ति हटा दी। इस घटना के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। नरसमपेट नगरपालिका अधिकारियों ने सोमवार देर रात मूर्ति हटाने की प्रक्रिया शुरू की। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया था और सरकारी मेडिकल कॉलेज के पास मूर्ति के आसपास के क्षेत्र में किसी को भी प्रवेश करने से रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए गए थे। पुलिस सुरक्षा के बीच, अधिकारियों ने मूर्ति हटा दी, चबूतरे को तोड़ दिया और मलबे को साफ कर दिया। इस घटना से बीआरएस कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया, जिन्होंने मंगलवार को निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं और नेताओं को हिरासत में ले लिया। मूर्ति हटाए जाने के विरोध में बीआरएस कार्यकर्ताओं ने खानापुर मंडल के अशोकनगर गांव में कांग्रेस विधायक डोंथी माधव रेड्डी का पुतला फूंका। वारंगल में, पूर्व विधायक नन्नापुनेनी नरेंद्र को नजरबंद कर दिया गया और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। मीडिया से बात करते हुए, नरेंद्र ने अधिकारियों की कार्रवाई की कड़ी निंदा की और कहा कि बीआरएस नरसमपेट निर्वाचन क्षेत्र के हर मंडल में सुदर्शन रेड्डी की मूर्तियां लगाएगी।

सुदर्शन रेड्डी की पत्नी स्वप्ना ने दुख व्यक्त किया कि पार्टी कार्यकर्ता उस व्यक्ति की मूर्ति हटाए जाने को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, जिसने हमेशा अपने परिवार के बजाय लोगों के बारे में सोचा।

बाइक चोरों को रिमांड पर भेजा गया: मोहन रेड्डी

मदनूर, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर एसआई ए मोहन रेड्डी और उनकी टीम ने बाइक चोरों के एक गिरोह को गिरफ्तार कर उन्हें रिमांड पर भेज दिया है। मोहन रेड्डी ने मंगलवार के दिन एक प्रेस मीट में बताया महाराष्ट्र के देगलूर गांव के जाधव अजय पुत्र रमेश और शेख अयान को पुलिस ने चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा। वे महाराष्ट्र में पकड़े गए। वे तेलंगाना के मदनूर और डोंगली मंडलों में चोरी करने की योजना बना रहे थे। 28 जुलाई 2026 को सुबह करीब 4:00 बजे, उन्होंने मदनूर मंडल के डोंगली गांव में जाधव दीपक के घर के कंपाउंड गेट का ताला तोड़कर, अपने पास मौजूद पुराने ताले से होंडा शाइन बाइक (बी नंबर: टीएस 16 ईटी 7946) चुरा ली। अजय बाइक चला रहा था, तभी रास्ते में हांडेकलूर गांव में देशबेटवार गंगाधर के घर के सामने खड़ी एक और एचएफ डीलक्स बाइक (बी नंबर: टीएस 17सी4311) को भी अपने पास मौजूद पुराने ताले से चुरा लिया। अमन उन्हें भक्तपुर रोड होते हुए देगलूर ले गया। वापसी में वे पिटलम और बिचकंडा इलाकों में बेचने जा रहे थे। रास्ते में मदनूर के सुरक्षा अधिकारी मोहन रेड्डी और उनकी टीम विठ्ठल, श्रवण और संतोष ने उन्हें मदनूर के बाहरी इलाके में स्थित पुराने भारत पेट्रोल बैंक के पास पकड़ लिया और हिरासत में ले लिया।

रियल एस्टेट ब्रोकर बन गए हैं रेवंत रेड्डी : ईटेला राजेंद्र

भूभारती गरीबों के लिए 'भू-हारती' बनी : भाजपा सांसद

हैदराबाद, 18 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा मलकाजगिरी सांसद ईटेला राजेंद्र ने कांग्रेस सरकार पर गरीबों और किसानों की जमीन हड़पने का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार रियल एस्टेट ब्रोकर की तरह काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 'धरणी' व्यवस्था खत्म होने के बावजूद सरकार की कार्यशैली नहीं बदली और 'भूभारती' गरीबों के लिए 'भू-हारती' बन गई है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में ईटेला राजेंद्र ने आरोप लगाया कि महानगर के आसपास गरीबों की हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा करने के लिए रातोंरात बाड़ और दीवारें खड़ी की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर पुलिस और हाइड्रा की मौजूदगी में जमीनों को कब्जे में लेकर उन्हें व्यावसायिक सौदों के लिए सौंपने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जमीनों की नीलामी के माध्यम से करीब 10 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की घोषणा

तेजस्विन-दिव्या समेत 17 को अर्जुन अवॉर्ड

12 साल में पहली बार किसी खिलाड़ी को खेल-रत्न नहीं

दिव्या देशमुख
चेस

तेजस्विन शंकर
हाई जंप

गायत्री गोपीचंद
बैडमिंटन

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की घोषणा हो गई है, लेकिन इस बार देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए किसी खिलाड़ी का चयन नहीं किया गया। वहीं, 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है, जबकि एक खिलाड़ी को लाइफटाइम अर्जुन पुरस्कार मिला है। पुरस्कारों का एलान खेल मंत्रालय ने मंगलवार को किया।

अर्जुन अवॉर्ड के अलावा तीन कोच को द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चुना गया है। भारत के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति (सेवानिवृत) अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर, सरकार ने अलग-अलग श्रेणी में खिलाड़ियों, कोच और संस्थाओं को अवॉर्ड देने का फैसला किया है।

अर्जुन पुरस्कार 2025 के लिए तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), मुहम्मद अजमल वी (एथलेटिक्स), प्रियंका गोस्वामी (एथलेटिक्स), त्रिशा जॉली (बैडमिंटन), पुलेला गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), नरेंद्र (बॉक्सिंग), विदित गुजराती (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (बधिर शूटिंग), लालरेमसियामी (हॉकी), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), पूजा (कबड्डी), रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा-शूटिंग), एकता भ्यान (पैरा एथलेटिक्स), अरविंद सिंह (रोइंग), अखिल श्योरण (शूटिंग) का नाम चुना गया है।

अर्जुन पुरस्कार खेल के क्षेत्र में पिछले चार वर्षों में अच्छे प्रदर्शन और नेतृत्व, खेल-भावना और अनुशासन की भावना दिखाने वाले एथलीटों को दिया जाता है।

अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) 2025, आई अरुमनायगम (फुटबॉल) को दिया गया है। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मान देने और प्रेरित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने खेल के क्षेत्र में योगदान दिया है और खेल से संन्यास के बाद किसी न किसी रूप में जुड़कर उसे बढ़ावा देने में योगदान देते रहते हैं।

द्रोणाचार्य अवॉर्ड 2025, परवीर सिंह (एथलेटिक्स), छोटे लाल यादव (बॉक्सिंग), और नेहा नंदकुमार चव्हाण (शूटिंग) को दिया गया है। द्रोणाचार्य अवॉर्ड उन प्रशिक्षकों (कोचों) को दिया जाता है जो लगातार बेहतरीन और काबिलियत भरा काम करते हैं और खिलाड़ियों को इंटरनेशनल इवेंट्स में बेहतर करने में मदद करते हैं।

द्रोणाचार्य अवॉर्ड (लाइफटाइम) 2025 के लिए धर्मेंद्र सिंह यादव (बॉक्सिंग) और वीरेंद्र कुमार (कुश्ती) का नाम निश्चित किया गया है।

राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार 2025, आर्मी पैरालंपिक नोड, पुणे को दिया जाएगा। यह सम्मान उन कॉर्पोरेट एंटिटी (सार्वजनिक, निजी) और गैर-सरकारी संस्थान (एनजीओ) को दिया जाता है, जिन्होंने खेल को बढ़ावा देने और विकास के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाई हो। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रत्येक वर्ष खेलों में बतौर खिलाड़ी और प्रशिक्षक बेहतर प्रदर्शन करने वालों को दिया जाता है।

भारत मजबूत स्थिति में

श्रीलंका दूसरी पारी में-84/4

खराब रोशनी से चौथे दिन का खेल खत्म

ऋषभ पंत ने टेस्ट में सबसे तेज 100 छक्के लगाए

कोलंबो, 18 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत मजबूत स्थिति में पहुंच गया है। टीम ने गॉल टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका के 84 रन पर 4 विकेट गिरा दिए हैं। खराब रोशनी के कारण दिन का खेल समय से पहले खत्म करना पड़ा। कप्तान धनंजय डी सिल्वा 31 और सोनल दिनूषा 25 रन बनाकर नाबाद हैं।

दोनों के बीच 37 रन की साझेदारी हो चुकी है।

श्रीलंका को जीत के लिए अभी 288 रन और बनाने हैं। भारत की ओर से मानव सुथार ने 2, जबकि मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 1-1 विकेट लिया।

भारत ने पहली पारी में 462 और दूसरी पारी में 193 रन बनाए थे। श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर सिमटी थी, जिससे भारत को 178 रन की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी के 193 रन जोड़कर भारत ने 371 रन की कुल बढ़त हासिल की।

ऋषभ पंत भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। पंत ने लहिरू कुमारा की गेंद को लॉन्ग लेग के ऊपर से छक्के के लिए भेजा।

इसी छक्के के साथ उन्होंने टेस्ट करियर का 20वां अर्धशतक भी पूरा किया। उन्होंने 66 रन की पारी खेली।

एशियाड टीम में सात और एथलीटों को शामिल करने की सिफारिश, आठ निजी कोच भी जाएंगे

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। आईओए ने एशियाई खेलों के लिए सात और एथलीटों को भारतीय दल में शामिल करने की सिफारिश की है, जिससे संख्या 79 हो जाएगी। इसके साथ नीरज चोपड़ा समेत आठ एथलीटों के निजी कोचों को भी दल के साथ भेजने की अनुमति मांगी गई है।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों के लिए सात और एथलीटों को शामिल करने की गुहार खेल मंत्रालय से लगाई गई है। इनमें 400 मीटर की धावक किरन भी शामिल हैं। अगर मंत्रालय ने इन एथलीटों को मंजूरी दे दी तो एशियाड में शामिल होने वाले एथलीटों की संख्या 79 हो जाएगी। यही नहीं आईओए ने नीरज चोपड़ा समेत कई एथलीटों के निजी प्रशिक्षकों को भी एशियाई खेलों के दल के साथ जोड़ने को कहा है। हालांकि दिक्कत वाली बात यह है कि इन निजी प्रशिक्षकों का भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की ओर से भेजी गई लांग लिस्ट में नाम नहीं था। ये निजी प्रशिक्षक मान्यता कार्ड मिलने पर ही दल का हिस्सा बन पाएंगे। पेरिस ओलंपिक से पहले अपने प्रदर्शन से हैरान करने वाली किरन के अलावा 200 मीटर में हर्षिता भद्रा, हैमर थ्रोअर प्रवीण कुमार, गौतमी जयरामन (800 मीटर), सिंधुश्री गणेश (पोलवॉल्ट), सान्या यादव (डिस्कस थ्रो), आशा इलांगो (ट्रिपल जंप) का नाम एशियाई खेलों के लिए प्रस्तावित किया गया है। नीरज के कोच जय चौधरी को राष्ट्रमंडल खेलों में भी अंतिम क्षणों में भेजा गया था। इस बार भी उन्हें भेजने की अनुमति मांगी गई है।

भारत-पाकिस्तान मैच से तय होगी सेमीफाइनल की तस्वीर

हर गोल होगा अहम; इतिहास के साथ दांव पर भविष्य

एम्सटलवीन (नीदरलैंड), 18 अगस्त (एजेंसियां)। हॉकी की दुनिया में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा से रोमांच, इतिहास और भावनाओं से भरा रहा है। बुधवार को एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में जब दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने होंगे, तो मुकाबले का महत्व और भी बढ़ जाएगा। नीदरलैंड के वेगनर हॉकी स्टेडियम में होने वाला यह पूल-डी मुकाबला तय करेगा कि कौन-सी टीम सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेगी।

भारत फिलहाल पूल-डी में तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत वेल्स के खिलाफ 3-1 की जीत से की थी, लेकिन दूसरे मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, पाकिस्तान के खाते में दो मैचों से सिर्फ एक अंक है। उसने वेल्स के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ खेला था, जबकि इंग्लैंड ने उसे 4-1 से हराया था। टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार, प्रत्येक पूल की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी, जबकि निचले स्थान पर रहने वाली दो टीमें क्लासिफिकेशन मैच खेलेंगी।

इंग्लैंड अपने दोनों मुकाबले जीतकर शीर्ष दो में जगह लगभग पक्की कर चुका है। ऐसे में दूसरे स्थान के लिए भारत, पाकिस्तान और वेल्स के बीच मुकाबला महत्वपूर्ण हो गया है। भारत को सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए कम से कम ड्रॉ की जरूरत है, जबकि पाकिस्तान और वेल्स के लिए जीत जरूरी है।

भारत-पाकिस्तान मुकाबले की भावनात्मक अहमियत के साथ-साथ आंकड़े भी भारतीय टीम के पक्ष में हैं। 2016 के दक्षिण एशियाई खेलों के फाइनल के बाद पिछले 10 वर्षों में दोनों टीमें 19 बार आमने-सामने आई हैं। इनमें भारत ने 17 मुकाबले जीते हैं, जबकि दो मैच ड्रॉ रहे हैं।

यानी पाकिस्तान पिछले एक दशक से भारत को हराने में नाकाम रहा है। हालांकि, विश्व कप जैसे बड़े मंच पर इस पुराने रिकॉर्ड का दबाव दोनों टीमों पर अलग-अलग तरीके से रहेगा। भारत अपना दबदबा कायम रखना चाहेगा, जबकि पाकिस्तान इस सिलसिले को तोड़कर अपनी सेमीफाइनल उम्मीदों को जिंदा रखना चाहेगा।

भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने मुकाबले से पहले कहा कि भारत-पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता कभी खत्म नहीं होती और भारतीय टीम हर बार पाकिस्तान के खिलाफ जीतना चाहती है। फुल्टन ने कहा कि पाकिस्तान ने अपनी कोचिंग और दीर्घकालिक योजना में सुधार के लिए निवेश बढ़ाया है। उन्होंने भारतीय खिलाड़ियों को अपने खेल पर ध्यान केंद्रित रखने, मौकों को गोल में बदलने और पाकिस्तान को आसान मौके नहीं देने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि अगर भारत यह समझने में सफल रहता है कि पाकिस्तान किस क्षेत्र में मजबूत है और उसे रोकने के साथ अपने खेल पर ध्यान देता है, तो टीम के पास जीत का अच्छा मौका होगा।

भारत की उम्मीदें कप्तान और स्टार ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह पर भी टिकी होंगी। उन्होंने टूर्नामेंट के शुरुआती दो मुकाबलों में तीन गोल किए हैं और ये सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए हैं। हरमनप्रीत भारतीय आक्रमण में अहम भूमिका निभा रहे हैं। भारतीय फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने अब तक मूवमेंट और मौके बनाने की क्षमता दिखाई है, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ उन्हें फिनिशिंग में और धार दिखानी होगी। इस मुकाबले में मिलने वाला हर मौका निर्णायक साबित हो सकता है।

सेरेना और वीनस विलियम्स को युगल में वापसी पर मिली हार

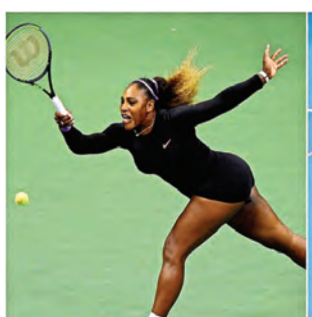

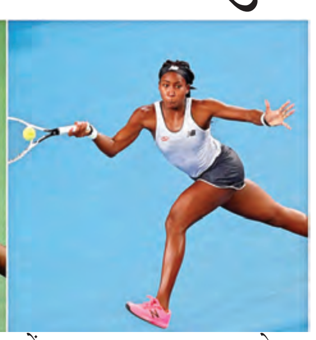

सिनसिनाटी, 18 अगस्त (एजेंसियां)। सेरेना और वीनस विलियम्स ने 2022 में यूएस ओपन के बाद अपना पहला युगल मैच एक साथ खेला, लेकिन उन्हें सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। विलियम्स बहनों ने वापसी पर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन आखिर में वे मार्टा कोस्त्युक और पेटन स्टर्न्स से 2-6, 6-1 (10-8) से एक रोमांचक मुकाबले में हार गईं।

दोनों बहनें मैच के टाईब्रेकर में 6-0 से पिछड़ने के बाद लगभग वापसी करने ही वाली थीं, लेकिन वीनस विलियम्स के एक डबल-फॉल्ट ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। सेरेना ने मैच के बाद कहा, मुझे बहुत मजा आया। यह बहुत खास था। मैच के बीच में थोड़ी सुस्ती आई और फिर धीरे-धीरे लय आने लगी। मैं यहां टूर्नामेंट जीतने के लिए नहीं आई थी। जीतना ज़ाहिर तौर पर बहुत अच्छा होता है, लेकिन इस स्थिति में बस मज़ा आ रहा था। दोबारा ऐसा कर पाना वाकई बहुत बढ़िया था।

सेरेना 2022 से टूर से बाहर थीं और उन्होंने 44 साल की उम्र में इस सत्र में वापसी की थी। दोनों बहनों ने विंबलडन में एक साथ खेलने की योजना बनाई थी, लेकिन एकल मैच हारने के दौरान सेरेना के घुटने में चोट लगने के बाद उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ा। सिनसिनाटी में उन्हें वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला था। 46 वर्षीय वीनस ने कहा, इतने लंबे समय बाद हम पहली बार एक साथ खेल रहे हैं। यह वास्तव में बहुत अच्छा अनुभव रहा।

वीनस और सेरेना ने 14 ग्रैंडस्लैम युगल खिताब और कुल मिलाकर 22 खिताब जीते हैं। सेरेना ने 23 एकल ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। वीनस ने सात खिताब जीते हैं। इस बीच मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मारिया सकारी को 4-6, 6-1, 6-1 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना ने मैग्डेलेना फ्रेच को 6-4, 7-6 से जबकि जेसिका पेगुला ने अपनी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी एम्मा नवारो को 7-5, 6-2 से हराया।

पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने टेरेंस एटमैन को 7-6 (4), 7-6 (6) से हराकर इस सत्र में एटीपी टूर पर अपना 46वां मैच जीता। जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में 6-4 पर दो मैच प्वाइंट बनाए। एटमैन ने पहला ऐस आउट वाइड से मिटा दिया और ज्वेरेव ने दूसरे पर डबल फॉल्ट करके टाई-ब्रेक को 6-6 पर बराबर कर दिया।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप- उन्नति पहला मैच जीतीं

नई दिल्ली, 18 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की उन्नति हुड्डा ने बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीत से शुरुआत की है। उन्होंने मंगलवार को विमेंस सिंगल्स में म्यांमार की थेत हमतार थुजार को हराया।

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 18 साल की उन्नति ने थुजार को 40 मिनट में 22-20, 21-16 से हराया। उनका मैच कनाडा की 19वीं वरीय खिलाड़ी मिशेल ली से होगा।

मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे की भारतीय जोड़ी को कनाडा के जोनाथन बिंग त्सान लाई और क्रिस्टल लाई ने 20-22, 21-19, 21-17 से 1 घंटे 8 मिनट में हराया।

अशिथ सूर्य और अमृता प्रमुथेश की जोड़ी को तुर्किये के एम्रे सोनमेज और यासेमेन बेक्तास ने 21-16, 29-30, 22-24 से मात दी।

विमेंस डबल्स के दोनों मुकाबले राउंड ऑफ 32 में खेले जाएंगे। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी की जोड़ी राउंड ऑफ 32 में बुल्गारिया की गैब्रिएला स्टोएवा और स्टेफानी स्टोएवा से भिड़ेगी।

दूसरे मैच में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका की लॉरेन लैम और एलिसन ली से खेलेगी।

लक्ष्य सेन राउंड ऑफ 64 में रोमानिया के कॉलिन्स फिलिमोन से भिड़ेंगे। टूर्नामेंट में लक्ष्य का यह पहला मुकाबला होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित

वेदराल्ड बाहर, रेनशॉ की वापसी; पहले टेस्ट में मिली थी हार

जैक वेदराल्ड | OUT

मैथ्यू रेनशॉ | IN

मेलबोर्न, 18 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 22 अगस्त से मैके में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए 13 सदस्यीय टीम में एक बदलाव किया है। पहले टेस्ट में 9 विकेट की हार के बाद ओपनर जैक वेदराल्ड को टीम से बाहर कर दिया गया है।

उनकी जगह मैथ्यू रेनशॉ की वापसी हुई है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने एशेज में सफल रही ट्रैविस हेड और वेदरअल्ड की ओपनिंग जोड़ी को सिर्फ एक टेस्ट बाद तोड़ दिया है।

रेनशॉ को दूसरे टेस्ट में ट्रैविस हेड के साथ ओपनिंग करने का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने बैटिंग ऑर्डर को लेकर अंतिम फैसला नहीं किया है। विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस भी ओपनिंग के विकल्प हैं। उन्होंने पिछले साल क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया 11 के लिए इंग्लैंड लायंस के खिलाफ ओपनिंग करते हुए 40 और नाबाद 125 रन बनाए थे। 30 साल के रेनशॉ ने अपना पिछला टेस्ट 2023 में भारत के खिलाफ दिल्ली में खेला था। उन्होंने पिछले शेफील्ड शील्ड सीजन में 10 पारियों में 3 शतक लगाए और करीब 50 की औसत से रन बनाए थे। मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में भी उनके नाम फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दो शतक हैं। वेदराल्ड को बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन में खेले गए पहले टेस्ट में दोनों पारियों में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। उन्होंने पहली पारी में 23 और दूसरी पारी में 0 रन बनाए। इसके साथ उनका टेस्ट करियर औसत 20.36 रह गया। वेदरअल्ड ने एशेज सीरीज में हेड के साथ अच्छी ओपनिंग साझेदारियां की थीं। इसी प्रदर्शन के बाद उन्हें अप्रैल में ऑस्ट्रेलिया का नेशनल कॉन्ट्रैक्ट भी मिला था, लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। नंबर-3 बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को टीम में बरकरार रखा गया है, लेकिन उन पर भी प्रदर्शन का दबाव है। उन्होंने पहले टेस्ट में 1 और 31 रन बनाए थे। पिछले 42 टेस्ट पारियों में उनका औसत 25.23 रहा है और करीब तीन साल से उन्होंने इंटरनेशनल सेंचुरी नहीं बनाई है। ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि टीम लाबुशेन से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल करने के लिए काम कर रही है।

फीफा में घमासान: विश्वकप हिस्सेदारी बेचने की योजना पर सवाल उठाने वाले सीओओ को क्यों हटाया गया?

न्यूयॉर्क, 18 अगस्त (एजेंसियां)। फीफा में इन दिनों सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था ने अपने चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर केविन लामूर के साथ कामकाजी रिश्ता खत्म कर दिया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब फीफा अध्यक्ष जियानी इनफैनटिनो की विश्व कप की हिस्सेदारी निवेशकों को बेचने की योजना को लेकर संस्था के भीतर और बाहर तीखा विरोध सामने आया था। बीबीसी स्पोर्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, फीफा ने पुष्टि की कि लामूर के साथ उसका कामकाजी रिश्ता 17 अगस्त 2026 को खत्म हो गया। फीफा के प्रवक्ता ने कहा, 'मुख्य परिचालन अधिकारी के रूप में फीफा और केविन लामूर के बीच कामकाजी रिश्ता 17 अगस्त 2026 को समाप्त हो गया। फीफा केविन को उनकी दो साल की सेवा के लिए धन्यवाद देता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।' फीफा के महासचिव मैटियास ग्राफस्ट्रॉम ने संगठन के कर्मचारियों को ईमेल भेजकर लामूर के हटने की जानकारी दी। ईमेल में कहा गया कि दोनों पक्षों ने अलग होने पर सहमति जताई है और यह फैसला काफी विचार विमर्श के बाद लिया गया। ईमेल में लिखा था, 'हालिया चर्चाओं के बाद फीफा और हमारे मुख्य परिचालन अधिकारी केविन लामूर ने अलग होने पर सहमति जताई है। यह फैसला सावधानीपूर्वक विचार करने और केविन के प्रति व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से पूरे सम्मान के साथ लिया गया है।' ग्राफस्ट्रॉम ने लामूर के योगदान और फीफा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए आभार भी जताया। लामूर का जाना सीधे तौर पर इनफैनटिनो की उस योजना से जोड़कर देखा जा रहा है, जिसमें विश्व कप में निवेशकों को हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव सामने आया था। हालांकि, बाद में कड़े विरोध के बीच इनफैनटिनो ने इस योजना को छोड़ दिया। लामूर ने इस योजना की खुलकर आलोचना की थी और इसे एक व्यक्ति की परियोजना बताया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि फीफा प्रशासन को इस योजना को लेकर गुमराह किया गया।

उन्होंने कहा था, 'हमारा मिशन- सैकड़ों जुनूनी, समर्पित और बेहतरीन फीफा कर्मचारियों का मिशन- फुटबॉल की सेवा करना है। एक अध्यक्ष को लोगों को साथ लाना चाहिए, उन्हें एकजुट करना चाहिए और प्रेरित करना चाहिए। आज हम इसके उलट स्थिति का सामना कर रहे हैं।' लामूर को अपनी नौकरी जाने का भी डर नहीं था।

True Value ऐप यहाँ डाउनलोड करें।

✓ फ्री–होम इवैल्यूएशन ✓ आसान RC ट्रान्सफर ✓ ऑन–टाइम पेमेंट

TRUE VALUE CERTIFIED

पूछताछ के लिए कॉल करें 1800 102 1800 | या जाएँ यहाँ www.marutisuzukitruevalue.com

HYDERABAD: SECUNDERABAD, AUTOFIN: QUTHBULLAPUR: 8885040011, 9177922446 | **MADHAPUR, GEM:** 9912458000 | **KALYANI MOTORS,** KARMANGHAT: 9100102763, 9100114822 | **TELLAPUR:** 9063126501 | **MEDIPALLY, HIMAYATNAGAR MITHRA:** 7799886249 | **NACHARAM:** 7386780127 | **KOMPALLY, POPULAR VEHICLES & SERVICES:** 9553264000 | **BACHUPALLY, SAI SERVICE:** 9160851515 | **GACHIBOWLI, JAYABHERI AUTOMOTIVES:** 9281105826 | **HAYATNAGAR,** JAYABHERI: 9100084455 | **GOPANPALLE, JAYABHERI AUTOMOTIVES:** 7799711226 | **VARUN MOTORS - VANASTHALIPURAM:** 7995024736, 7995052292 | **BEGUMPET:** 9100367806 | **MADINAGUDA:** 9052225052 | **HABSIGUDA:** 9052379797 | **B.N.REDDY NAGAR:** 9347068721, 9154855369 | **BANJARAHILLS:** 9989474453| **RAMPALLY:** 7995024745 | **NIZAMPET:** 9052225052| **GACHIBOWLI:** 8639880054 | **ISNAPUR:** 9966704555, **SERILINGAMPALLY - PAVAN MOTORS:** 8374459192 | **SHAMSHABAD, ADARSHA AUTOMOTIVE: GURAMGUDA:** 8297046633| **TRIMULGHERRY, ACER:** 9154073240 | **OLD ALWAL, ADARSHA AUTO WORLD:** 6309888308, 9133665616.

*नियम एवं शर्तें लागू। विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया निकटतम डीलरशिप पर संपर्क करें। दर्शाई गई छवियाँ केवल प्रतिनिधिक उद्देश्य के लिए हैं। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.